सूर्योदय 6:13 सूर्यास्त 6:39

आज का तापमान

शिमला	7.0 न्यू	18.0 अधि
धर्मशाला	9.0 न्यू	19.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,583
निफ्टी	22,820
सोना	1,43,300
चांदी	2,22,200

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 30 मार्च 2026 | 17 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 90, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

भारत आ रहे एलपीजी के दो टैंकरों ने पार किया होर्मुज

94 हजार मीट्रिक टन गैस लेकर इसी सप्ताह पहुंचेंगे भारत

एजेंसी, तेहरान

भारत आ रहे दो एलपीजी टैंकरों ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है। इन जहाजों पर 94 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लदी हुई है। इन जहाजों को भारतीय नौसेना सुरक्षा दे रही है। सरकार के मुताबिक, ये दोनों टैंकर इसी हफ्ते मुंबई पहुंच सकते हैं। इससे पहले 4 भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर भी इस अहम समुद्री रास्ते को पार कर चुके हैं, जबकि 3 अन्य अभी पश्चिमी हिस्से में हैं। सरकार ने बताया कि कुल 18 भारतीय जहाज और 485 भारतीय नाविक अभी भी इस क्षेत्र में मौजूद हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है। देश की करीब 60% जरूरत आयात से पूरी होती है, जिसमें से 90% मिडिल ईस्ट से आता है। (अनंत ज्ञान)

ईरान ने इसराइल के रासायनिक कारखाने पर किया हमला

तेल अवीव। इसराइल में एक रासायनिक संयंत्र पर ईरानी मिसाइल से हमला किया गया है। अधिकारियों ने खतरनाक रिसाव की आशंका के चलते आसपास के निवासियों को घर के अंदर रहने की चेतावनी दी है। जिस नेओट होवाव औद्योगिक क्षेत्र पर हमला हुआ, वह बीरशेबा शहर से 9 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है।

इस्लामाबाद में 4 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

इस्लामाबाद। इसी बीच ईरान जंग को लेकर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। दिनभर चली इस बैठक में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को कम करने और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की गई। पाकिस्तान के ईरान और सऊदी अरब दोनों से बेहतर रिश्ते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसलिए पाकिस्तान को विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए बेहतर जगह माना गया। यह मीटिंग पहले तुर्किये में होनी थी, लेकिन बाद में इसे पाकिस्तान शिफ्ट कर दिया गया। पाकिस्तान इस समय किसी एक पक्ष में सीधे शामिल नहीं है, इसलिए उसे न्यूट्रल जगह माना जा रहा है।

लाहौल-स्पीति में फिर हुई बर्फबारी

आज भी जारी रहेगा बारिश का दौर, 8 जिलों में तूफान का अलर्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला/कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में रविवार दोपहर को बर्फबारी हुई। यहां के ऊंचाई वाले इलाकों में इसका असर रहा। राज्य के पहाड़ी वाले जिलों में बर्फबारी का असर रहेगा। हिमाचल के अलावा जम्मू-कश्मीर में भी बर्फबारी की संभावना है।

मौसम विभाग ने दो दिनों के लिए हिमाचल प्रदेश में येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 30 मार्च को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम सक्रिय बना रहेगा और बारिश व आंधी-तूफान का दौर जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, चंबा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में अंधड़ और तूफान चलने के आसार हैं। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है।

इसके बाद 31 मार्च और 1 अप्रैल को मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। प्रदेश में रविवार सुबह से ही कई क्षेत्रों में बारिश का दौर शुरू हो गया था और राजधानी शिमला सहित कई हिस्सों में मौसम खराब बना हुआ है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों जैसे किन्नौर और लाहौल-स्पीति में इस अवधि के दौरान हल्की बर्फबारी और तेज हवाओं का असर देखा जा सकता है।

वहीं, प्रदेश के सोलन और सिरमौर जिलों में भी कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, हालांकि इन क्षेत्रों में मौसम का प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा।

विभाग ने पेड़ों के नीचे खड़े न होने की दी सलाह

मौसम विभाग का अनुमान है कि खराब मौसम के कारण अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, मौसम साफ होने के बाद तापमान में 4 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने के आसार हैं। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेषकर तेज हवाओं और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने को कहा गया है।

न्यूज शॉर्ट्स

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी, मलेरकोटला। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई। जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की एनआईए विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

मेरठ में प्रतिमा से जाट शब्द हटाने पर हंगामा

एजेंसी, मेरठ। मेरठ में सूरजमल की प्रतिमा अनावरण समारोह में हंगामा हो गया। महाराज सूरजमल की प्रतिमा की फाउंडेशन वॉल से जाट शब्द हटाने पर लोग भड़क गए। बिरादरी के लोग धरने पर बैठकर हंगामा करने लगे। मौके पर एसडीएम सरधना उदित नारायण पहुंचे। उन्होंने 10 दिन का समय मांगा। एसडीएम ने कहा कि जाट शब्द वाली प्लेट कहीं खो गई। उसे खोजकर 10 दिनों में लगा दी जाएगी। इस पर अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक ने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया। कहा- अगर 15 दिन में जाट शब्द नहीं लगा तो 16वें दिन पंचायत होगी। इसके बाद धरना खत्म कर दिया गया। इस दौरान करीब 45 मिनट तक धरना प्रदर्शन होता रहा। इस मामले पर नागौर सांसद हनुमान बेनिवाल ने सीएम योगी पर निशाना साधा। उन्होंने मंच से कहा- पुलिस ने जाट शब्द हटा दिया। वो तो बालियान अपने आप बात करेंगे, नहीं तो आपके योगी जी को ही हटवा देंगे। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख बाजवा की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वह आईसीयू भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक वेतन वृद्धि: सीएम -पेज 3
- हमीरपुर में अनियंत्रित होर्डिंग्स से शहर की सुंदरता पर लगा ग्रहण -पेज 6
- ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस बुकिंग 45 की बजाए 30 दिन की जाए -पेज 12

नेपाल में जेन-जी प्रदर्शन में मारे गए 27 छात्रों के परिवारों को मिलेगी सरकारी नौकरी

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पद संभालते ही बड़ा फैसला लिया है। सितंबर 2025 के प्रदर्शन में मारे गए 27 छात्रों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान लागू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में ही यह निर्णय लिया गया। इसके तुरंत बाद ऊर्जा मंत्रालय के तहत नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी ने भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी। अथॉरिटी ने नोटिस जारी कर मृत छात्रों और उनके परिवार के चयनित सदस्यों की सूची भी जारी कर दी है। नोटिस के अनुसार, हर मृत छात्र के परिवार से एक सदस्य को उनके ही जिले में नौकरी दी जाएगी। नियुक्ति योग्यता और स्किल के आधार पर होगी। परिवारों को 35 दिनों के भीतर अपने संबंधों का सत्यापन कर नियुक्ति पत्र लेना होगा। 8 सितंबर 2025 को हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में 19 छात्रों की मौके पर मौत हुई थी, जबकि 8 अन्य ने अगले दिन अस्पताल में दम तोड़ा। यह आंदोलन शुरुआत में सोशल मीडिया बैन के विरोध में शुरू हुआ था, लेकिन बाद में भ्रष्टाचार और आर्थिक संकट के खिलाफ व्यापक विरोध में बदल गया। प्रदर्शन के दौरान देशभर में हिंसा फैल गई, जिसमें कुल 77 लोगों की जान गई। संसद और कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया था। (अनंत ज्ञान)

विधानसभा में बजट पर आज लगेगी मुहर

सीएम सुक्खू ने चुनौतियों के बावजूद पेश किया है 58,444 करोड़ का बजट

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 30 मार्च यानी आज वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पारित होने के लिए पेश होगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत लगभग 58,444 करोड़ रुपए के बजट पर मुहर लगनी तय मानी जा रही है, लेकिन उसके पीछे छिपे सवाल, चुनौतियां और सियासी तकरार इस पूरे घटनाक्रम को बेहद दिलचस्प और अहम बना रहे हैं।

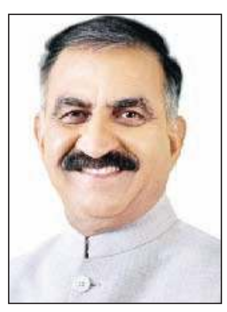

राजनीतिक अखाड़े में भी हलचल अपने चरम पर है। विपक्षी दल रोजगार, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की पूरी रणनीति बना चुके हैं। खास तौर पर केंद्र से मिलने वाली आर्थिक मदद के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठना तय माना जा रहा है। विपक्ष यह तर्क दे सकता है कि योजनाओं की रफ्तार जमीनी स्तर पर अपेक्षित नहीं रही और कई घोषणाएं अब भी अमल की राह देख रही हैं। ऐसे में सदन के भीतर बहस केवल औपचारिक नहीं बल्कि तीखी और असरदार होने के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं।

सदन में संशोधन प्रस्ताव, कटौती प्रस्ताव और जोरदार बहस के साथ माहौल के गरमाने के पूरे आसार हैं। विभिन्न समाचार पत्रों और विश्वसनीय पोर्टलों में भी यह संकेत मिल रहे हैं कि भले ही संख्या बल के आधार पर बजट पारित हो जाए, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से सरकार के लिए राह आसान नहीं होगी। कई विश्लेषणों में यह बात उभरकर सामने आई है कि विपक्ष आंकड़ों की बारीकी में उतरकर सरकार को घेरने की तैयारी में है, जिससे बजट पारित का दिन महज औपचारिकता नहीं बल्कि एक सशक्त और दिलचस्प सियासी मुकाबले का मंच बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने बजट में हर वर्ग का रखा है विशेष ध्यान

वित्तीय नजरिए से देखें तो यह बजट एक नाजुक संतुलन का दस्तावेज बनकर उभरा है। एक तरफ सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, कर्मचारियों की मांगों और विकास योजनाओं को तरजीह देने का दावा किया है, तो दूसरी तरफ प्रदेश पर बढ़ते कर्ज और राजस्व घाटे की तलवार लगातार लटक रही है। पुरानी पेंशन योजना को जारी रखने का फैसला जहां कर्मचारियों के लिए राहत का पैगाम है, वहीं इसके दीर्घकालिक आर्थिक असर को लेकर बहस थमती नजर नहीं आ रही।

श्री रेणुकाजी में गहरी खाई में गिरी कार, दो लोगों की मौत

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। सिरमौर जिले के अंतर्गत आने वाले श्रीरेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा पेश आया है। यहां एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हृदयविदारक हादसे में कार सवार दोनों व्यक्तियों की जान चली गई है। जानकारी के अनुसार, हादसा बांदल-सुराख मार्ग पर खाला क्यार के पास दोपहर करीब 12:00 बजे हुआ। मृतकों की पहचान 36 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र बलबीर सिंह निवासी खाला क्यार और 48 वर्षीय गुमान सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी धार टारन के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि ऑल्टो कार जैसे ही क्यार के पास पहुंची, तो चालक ने वाहन पर से अचानक नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे खाई में जा गिरी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए । स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचित किया। इस हादसे में अनिल कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गुमान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नाहन मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

हादसे की पुष्टि करते हुए पुलिस अधीक्षक सिरमौर, निश्चित सिंह नेगी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खोना प्रतीत हो रहा है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। फिलहाल, पुलिस हर पहलू पर मामले की जांच कर रही है।

10 साल में 10 हजार माओवादियों का सरेंडर

सुरक्षा बलों के दबाव और सरकार की पुनर्वास नीतियों से खात्मे की ओर नक्सलवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में नक्सलवाद अब अपने अंत की ओर है। पिछले 10 साल में 10,000 से ज्यादा माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के दबाव और सरकार की पुनर्वास नीतियों ने इस उग्रवाद को करारा झटका दिया है। केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय की थी।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 2,300 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं, 2026 के पहले तीन महीनों में ही 630 से ज्यादा कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। सरकार ने अब पुरानी और बिखरी हुई नीतियों की जगह एक मजबूत और एकजुट रणनीति अपनाई है। पहले 'लाल गलियारे' (बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश) में ठेकेदार काम करने से डरते थे। अब केंद्र सरकार ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को मुख्य इलाकों में सड़कें बनाने का काम दिया। माओवादी से प्रभावित इलाकों में 15,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं, जिनमें से 12,250 किलोमीटर सड़कें अकेले पिछले 10 वर्षों में पूरी की गई हैं। (अनंत ज्ञान)

छत्तीसगढ़ में अब कोई बड़ा माओवादी नेता नहीं

सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़े बदलाव हुए हैं। साल 2014 में केवल 66 मजबूत पुलिस स्टेशन थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 586 हो गई है। पिछले 6 साल में 361 नए सुरक्षा कैंप बने हैं। ऑपरेशन की ताकत बढ़ाने के लिए 68 नाइट-लैंडिंग हेलीपैड भी बनाए गए हैं। इसका असर यह हुआ कि नक्सली घटनाओं वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 330 से घटकर सिर्फ 52 रह गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार माओवादी आंदोलन बिना किसी बड़े नेता के रह गया है।

तमिलनाडु में समर पैकेज, असम में बिहू बोनस; केरल सरकार की स्त्री सुखम नकद योजना

महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

एजेंसी, नई दिल्ली

अगले महीने देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से चार राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर रहे हैं।

चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने 2-2 हजार रुपए स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए। असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने के लिए 4-4 हजार रुपए दे दिए। केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम नकद योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार रुपए मिल रहे हैं। बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रुपए बढ़ा चुकी है। खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार को अगले साल 5 हजार करोड़ देने पड़ेंगे। इसी स्कीम ने 2021 के चुनाव में ममता को जीत दिलाई थी। चारों राज्यों में सभी योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं की संख्या 4.1 करोड़ है, जबकि कुल वोटर 17.89 करोड़। यानी इनमें नकद स्कीमों की कुल लाभार्थी 23% हैं।

तमिलनाडु में 2.22 करोड़ राशनकार्डधारकों को मुफ्त फ्रिज, एजुकेशन लोन वेवर और हर साल तीन गैस सिलेंडर मुफ्त। केरल में कल्याण पेंशन स्कीम में अब 62 लाख लोग। पेंशन भी 600 रुपए बढ़ाकर 2 हजार रुपए की। बंगाल में 1500 करोड़ रुपए बेरोजगार युवा पेंशन पर खर्च हो रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

अब 15 राज्य महिलाओं को दे रहे नकद मदद

महिलाओं को कैश देने वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है। ये राज्य 13 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को 2.46 लाख करोड़ रु. तक सालाना नकद पैसा ट्रांसफर कर रहे हैं, जो इन राज्यों के कुल बजट का 0.7% है। झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास के कुल बजट का 81% हिस्सा महिलाओं को कैश ट्रांसफर में दे रहा है। लेकिन, ट्रेंड ये भी है कि जो राज्य विकास योजनाओं को रोककर नकद स्कीमों पर खर्च कर रहे हैं, वहां कई योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं।

मन की बात कुछ लोग देश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे, केंद्र सरकार पर भरोसा रखें देशवासी

हम तेल संकट से अच्छे से निपट रहे, अफवाहों में न आएं : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इसराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर इस संघर्ष के असर पर भी जोर देते हुए कहा कि यह क्षेत्र भारत की ईंधन जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, 'जिस क्षेत्र में युद्ध चल रहा है, वह हमारी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा केंद्र है, जिसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल का संकट पैदा हो रहा है। भारत अपने वैश्विक संबंधों, अलग-अलग देशों से मिली मदद और पिछले एक दशक में अपनी बनाई क्षमताओं की बदौलत इन चुनौतियों का डटकर सामना कर रहा है।' (अनंत ज्ञान)

इस एपिसोड में पीएम के संबोधन की चार प्रमुख बातें

जंग के चलते ऊर्जा संकट: साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

बहकावे में ना आएं : मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं 7 सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

मार्च महीने में हलचल: मार्च का ये महीना, वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरी दुनिया इससे पहले कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजर चुकी है। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं।

खाड़ी देशों में भारतीयों की मदद जारी: वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

इस महीने धीमी पड़ी देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी। डोमेस्टिक डिमांड, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और सरकारी नीतियों की मदद से सप्लाई और डिमांड दोनों मोर्चों पर प्रदर्शन अच्छा रहा था। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में बढ़त बनी हुई थी, वहीं गाड़ियों की बिक्री और डिजिटल पेमेंट्स में भी लगातार ग्रोथ दर्ज की गई थी। (अनंत ज्ञान)

◆ महंगाई बढ़ने की आशंका

इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ीं

वित्त मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 से ग्लोबल हालात बदलने लगे। वेस्ट एशिया में तनाव बढ़ने से एनर्जी मार्केट और लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई) बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसका सीधा असर भारत के प्रोडक्शन सेक्टर पर पड़ा है।

महंगी दवाइयों और कुदरती मार के बीच पिस रहा हिमाचल का बागवान

दवाइयों पर सब्सिडी लगभग खत्म, लागत में अचानक उछाल से बढ़ी चिंता

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल का बागवान एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां हर तरफ से मुश्किलें उसका पीछा कर रही हैं। एक ओर दवाइयों की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है, तो दूसरी तरफ कुदरत भी मेहरबान नजर नहीं आ रही।

प्रदेश के कई इलाकों में ओलावृष्टि और बदलते मौसम के तेवरों ने फसलों के शुरुआती चरण को ही नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। ऐसे हालात में बागवान, जो पहले ही महंगे इनपुट और बाजार की अनिश्चितता से जूझ रहा था, अब और ज्यादा परेशान और बेबस नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार ताजा हालात यह हैं कि बागवानी विभाग के केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयों से सब्सिडी लगभग खत्म कर दी गई है। पहले जहां 20 से 40 प्रतिशत तक की राहत बागवानों को मिलती थी और कई ब्रांडेड दवाइयों पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाती थी, अब वही दवाइयां पूरी कीमत पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। विभाग की ओर से भेजी गई नई खेप में स्पष्ट कर दिया गया है कि अब किसी भी प्रकार का रियायती लाभ नहीं मिलेगा। इसमें फफूंदनाशक, कीटनाशक और अन्य जरूरी दवाइयां शामिल हैं, जो बागवानी के लिए बेहद अहम मानी जाती हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि कुछ दवाइयां, जो पहले केंद्रों पर सस्ती मिलती थीं, अब बाजार से भी महंगी पड़ रही हैं। ओबेरॉन जैसी दवाइयों के दामों को लेकर बागवानों में खासा रोष देखा जा रहा है। उनका कहना है कि जब सरकारी केंद्र ही राहत देने के बजाय बोझ बढ़ाने लगें, तो फिर सहारा किससे लिया जाए। यह स्थिति बागवानों के लिए एक तरह की मायूसी और बेबसी का मंजर पैदा कर रही है, जहां मेहनत का सिला भी अनिश्चित होता जा रहा है।

बढ़ती लागत और घटती उम्मीदें

कुल मिलाकर, हिमाचल का बागवान आज महज खेती नहीं कर रहा, बल्कि एक जद्दोजहद में उलझा हुआ है, जहां हर कदम पर नई मुश्किल उसका इंतजार कर रही है। बढ़ती लागत, कुदरती आफत और नीतिगत फैसलों के बीच उसकी उम्मीदें धीरे-धीरे धुंधली पड़ती जा रही हैं। अगर वक्त रहते हालात पर गौर न किया गया, तो यह संकट सिर्फ बागवान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे बागवानी तंत्र को अपनी जद में ले सकता है। हिमाचल के बागवान अब सिर्फ खेती नहीं कर रहे, बल्कि बढ़ती लागत, प्राकृतिक आपदाओं और नीतिगत फैसलों से जूझ रहे हैं। अगर समय रहते सुधार न हुए, तो यह संकट पूरे बागवानी तंत्र को प्रभावित कर सकता है।

◆ बाजार और केंद्रों के दामों में फर्क खत्म होने से राहत के रास्ते हुए बंद

वीकेंड पर सैलानियों से गुलजार हुई पहाड़ों की रानी

कारोबार में लौटी रौनक, शनिवार-रविवार को उमड़ा सैलाब, मालरोड व रिज पर दिनभर चहल-पहल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। वीकेंड पर पहाड़ों की रानी शिमला एक बार फिर सैलानियों से गुलज़ार नजर आई। शनिवार और रविवार को शहर सहित आसपास के पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ देखने को मिली। हल्की बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को और सुहावना बना दिया, जिससे बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचे। रिज मैदान और मालरोड पर दिनभर रौनक बनी रही और शाम होते-होते यहां कदम रखने तक की जगह मुश्किल हो गई।

जानकारी के अनुसार बाहरी राज्यों में छुट्टियों का दौर शुरू होते ही परिवारों ने शिमला का रुख करना तेज कर दिया है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे, जबकि विदेशी सैलानियों के छोटे-छोटे समूह भी शहर में नजर आए। पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि पिछले कुछ वीकेंड की

रिज मैदान में बारिश के बीच चहलकदमी करते पर्यटक। अनंत ज्ञान

तुलना में इस बार पर्यटकों की संख्या में काफी उछाल आया है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और टैक्सी कारोबार को सीधा लाभ मिला है।

होटल कारोबारियों के अनुसार इस वीकेंड पर शहर के होटलों में ऑक्यूपेंसी 50 से 60 फीसदी तक पहुंच गई। कई प्रमुख होटलों में एडवांस बुकिंग पहले ही हो चुकी थी, जबकि बड़ी संख्या में वॉक-इन पर्यटक भी पहुंचे। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे पर्यटन कारोबार पूरी तरह पटरी पर लौटने की उम्मीद है। हालांकि कारोबार में तेजी के बीच कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं। व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलिंडरों की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने होटल व्यवसायियों की लागत बढ़ा दी है। होटल संचालकों का कहना है कि रसोई संचालन महंगा पड़ रहा है, जिसका असर खाने-पीने की कीमतों पर भी पड़ रहा है। इसके बावजूद पर्यटकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और लगातार बढ़ती आमद ने कारोबारियों को बड़ी राहत दी है।

गैस संकट के बावजूद पर्यटन में काफी उछाल

पर्यटन कारोबारियों का मानना है कि मौसम के अनुकूल रहने और छुट्टियों के चलते आने वाले दिनों में शिमला में सैलानियों की संख्या और बढ़ेगी। हाल ही में गैस संकट और बारिश के कारण जो मंदी आई थी, वह अब धीरे-धीरे खत्म होती दिख रही है। कारोबारियों को उम्मीद है कि यह रफ्तार बरकरार रही तो आने वाला सीजन उनके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

रामपुर में पंचायत स्तर पर जागरूकता तस्करों पर शिकंजा कसने की तैयारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में नशे के बढ़ते प्रचलन को रोकने के लिए पुलिस ने पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान छेड़ दिया है। ललासा और डंसा पंचायतों में आयोजित बैठकों के दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और समाज को इस बुराई से मुक्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक नरेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे, जबकि करीब 70 स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बैठक में ड्रग फ्री हिमाचल ऐप सहित नशा नियंत्रण से जुड़े विभिन्न उपायों की जानकारी साझा की गई। पुलिस ने पंचायत प्रतिनिधियों से बाहरी राज्यों से आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही, ग्रामीणों ने क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की मांग भी उठाई। अभियान के दौरान युवाओं, विशेषकर स्कूली और कॉलेज विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया गया। पुलिस ने नशे के दुष्प्रभावों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करने और पुनर्वास केंद्रों के साथ समन्वय स्थापित कर नशे के शिकार लोगों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में भी कदम बढ़ाने की बात कही।

इसके अलावा, पंचायत क्षेत्रों के मुख्य बाजारों और चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया ताकि निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी किसी भी जानकारी को साझा करें, साथ ही सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का भरोसा भी दिलाया। अभियान के तहत पुलिस ग्रामीणों के साथ नियमित संवाद और कार्यशालाएं आयोजित करेगी, युवाओं में नशा विरोधी संदेश फैलाएगी।

◆ ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी

◆ तस्करों के खिलाफ सूचना तंत्र मजबूत, सीसीटीवी और गश्त बढ़ाने का निर्णय

शिमला में ह्यूमन पैपिलोमावायरस टीकाकरण अभियान की शुरुआत

पहले दिन 217 किशोरियों को लगा टीका

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिला में रविवार को ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया, जिसमें पहले ही दिन स्वास्थ्य विभाग ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए 39 कोल्ड चेन पॉइंट्स के माध्यम से 217 किशोरियों का टीकाकरण सुनिश्चित किया।

टीकाकरण अभियान के बाद किशोरियों के साथ स्वास्थ्य कर्मी। अनंत ज्ञान

प्रदेश स्तर पर भी इस अभियान की प्रभावी शुरुआत देखने को मिली, जहां 333 केंद्रों पर कुल 1970 किशोरियों को टीका लगाया गया। हालांकि कई क्षेत्रों में खराब मौसम ने उपस्थिति को कुछ हद तक प्रभावित किया, लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सक्रियता और समन्वय के चलते टीकाकरण सत्र सुचारू रूप से संचालित होते रहे, जो अभियान की सफलता का संकेत है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. यशपाल रांटा ने इस अवसर पर अभिभावकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों और समुदाय के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल में अपनी जिम्मेदारी निभाएं और पात्र किशोरियों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि 14 वर्ष से 15 वर्ष 90 दिन तक की आयु वर्ग की किशोरियां इस टीकाकरण के लिए पात्र हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के अगले चरण 05 अप्रैल और 12 अप्रैल 2026 को आयोजित किए जाएंगे, जिनमें अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी से संबंधित गंभीर बीमारियों से बचाव संभव बनाया जा सकता है।

शिमला जिले के 19 स्कूलों पर लगा ताला डेढ़ माह तक नहीं हुआ एक भी दाखिला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला से एक चिंताजनक खबर सामने आई है, जहां शिक्षा सत्र शुरू होने के डेढ़ महीने बाद भी 19 सरकारी स्कूलों में एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया। हालात इतने गंभीर हो गए कि शिक्षा विभाग को इन स्कूलों को बंद करने का कठोर निर्णय लेना पड़ा। यह फैसला प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में गिरती छात्र संख्या और ग्रामीण क्षेत्रों में बदलते रुझानों की ओर साफ संकेत करता है।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार बंद किए गए स्कूलों में 16 प्राथमिक और 3 मिडल स्कूल शामिल हैं। इनमें से कई स्कूल लंबे समय से शिक्षक अभाव, संसाधनों की कमी और घटती आबादी जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जब लगातार प्रयासों के बावजूद छात्र संख्या शून्य बनी रही, तो इन संस्थानों को चलाना व्यवहारिक नहीं रह गया था।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र शिक्षा खंड सराहन रहा, जहां पांच स्कूल बंद किए गए हैं। इसके अलावा जुब्बल, ठियोग, रामपुर, सुन्नी, टिक्कर, देहा, रंसार, मशोबरा और नेरवा जैसे क्षेत्रों के स्कूल भी इस सूची में शामिल हैं। वहीं, तीन मिडल स्कूल चौपाल, जुब्बल और छोहारा को भी बंद करने का निर्णय लिया गया है। इन सभी स्कूलों के शिक्षकों को अब कम स्टाफ वाले अन्य विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि वहां पढ़ाई प्रभावित न हो।

◆ बंद किए गए स्कूलों में 16 प्राथमिक व 3 मिडल स्कूल शामिल

बंद किए स्कूलों का सामान सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट

इस निर्णय के साथ ही विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बंद किए गए स्कूलों का रिकॉर्ड, फर्नीचर और अन्य संसाधनों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। हालांकि, इस कदम ने स्थानीय लोगों और अभिभावकों के बीच चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि दूरस्थ क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई अब और अधिक कठिन हो सकती है। यह स्थिति केवल स्कूल बंद करने से नहीं सुधरेगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक उपलब्धता और आधारभूत सुविधाओं में सुधार करना भी उतना ही जरूरी है।

माल रोड डक्ट प्रोजेक्ट करोड़ों की बर्बादी: संदीपनी भारद्वाज

मन की बात कार्यक्रम सुनते भाजपा कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा नेताओं ने छोटा शिमला के बूथ नंबर 87 में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनते हुए इसे समाज के प्रति जिम्मेदारियों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है और विशेष रूप से जल संरक्षण जैसे विषयों पर जनभागीदारी बढ़ाने की दिशा में मार्गदर्शन करता है।

नेताओं ने आह्वान किया कि वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की रक्षा और पानी के संयमित उपयोग को जन आंदोलन बनाया जाए, ताकि भविष्य के संभावित जल संकट से निपटा जा सके। वहीं, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने माल रोड पर बन रहे डक्ट प्रोजेक्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए इसे सैकड़ों करोड़ रुपए की बर्बादी बताया।

उन्होंने कहा कि बिना स्पष्ट आवश्यकता और लाभ के इतना बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करना जनता के संसाधनों का दुरुपयोग है। इस निर्माण कार्य से व्यापार, पर्यटन और आम जनजीवन प्रभावित हुआ है, लेकिन सरकार जवाब देने से बच रही है। भाजपा ने मांग की कि परियोजना की लागत और उपयोगिता पर श्वेत पत्र जारी कर जनता को पूरी जानकारी दी जाए।

विनोद जिंटा बने संगठन महासचिव

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने किया महत्वपूर्ण फेरबदल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए हिमाचल प्रदेश कांग्रेस संगठन की नई टीम का ऐलान कर दिया है। इस संबंध में संगठन महासचिव के सी बेनुगोपाल द्वारा अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत प्रदेश कांग्रेस नीति नियामक समिति, पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी, प्रदेश कार्यकारिणी, उपाध्यक्ष, अनुशासन समिति और महासचिव पदों पर नियुक्तियां की गई हैं।

नई सूची के अनुसार कोषाध्यक्ष पद पर मदन चौधरी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रदेश मामलों की प्रभारी और सचिव को एक्स-ऑफिसियो सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इन नियुक्तियों को संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को गति देने के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भी संगठन में महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए विनोद जिंटा को संगठन महासचिव, अमित नंदा को कार्यालय प्रशासन और हरिकृष्ण हिमराल को अग्रणी संगठनों का महासचिव नियुक्त किया है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा जताई कि वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे।

नव नियुक्त संगठन महासचिव विनोद जिंटा का राजनीतिक सफर संघर्ष, समर्पण और निरंतर संगठनात्मक कार्यों का उदाहरण रहा है। उन्होंने वर्ष 1999 में सोलन कॉलेज से छात्र राजनीति के दौरान एनएसयूआई से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और कैंपस जनरल सेक्रेटरी के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने जिला और राज्य स्तर पर विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं और वर्ष 2008 में एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव बने।

वर्ष 2010 में उन्होंने युवा कांग्रेस के साथ जुड़कर बूथ स्तर से काम शुरू किया और प्रदेश सचिव व महासचिव तक पहुंचे। वर्ष 2021 में उन्हें हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का सचिव बनाया गया और श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया। करीब 27 वर्षों से संगठन में सक्रिय जिंटा अपनी सादगी, जमीनी पकड़ और मजबूत नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं, जिससे पार्टी को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संगठन में किए गए ये बदलाव आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों को तेज करने के प्रयास के रूप में देखे जा रहे हैं। पार्टी का लक्ष्य मजबूत जनसंपर्क, बूथ स्तर पर सक्रियता और युवा शक्ति को संगठन में अधिक प्रतिनिधित्व देना है।

◆ मदन चौधरी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

शिमला जिले में एंटी हेलनेट सब्सिडी के मामले ठप, बाहर से महंगे दामों में खरीदने को मजबूर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के बागवान इन दिनों भारी मुश्किलों से गुजर रहे हैं। सेब और अन्य फलों की फसल को ओलावृष्टि से बचाने के लिए जरूरी एंटी हेलनेट अब उनके लिए महंगी मजबूरी बनती जा रही है। पहले सरकार की ओर से इस पर 50 से 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाती थी, जिससे बागवानों को काफी राहत मिलती थी, लेकिन पिछले तीन से चार वर्षों से यह सब्सिडी लगभग ठप पड़ी है। इसके चलते सैकड़ों बागवानों के आवेदन लंबित हैं और उन्हें कोई स्पष्ट जवाब तक नहीं मिल रहा है।

बागवानों का कहना है कि उन्होंने उद्यान विभाग में कई बार आवेदन किए, लेकिन न तो स्वीकृति मिल रही है और न ही सब्सिडी की राशि जारी हो रही है। हालात ऐसे हो गए हैं कि मजबूरी में उन्हें बाजार से एंटी हेलनेट ऊंचे दामों पर खरीदनी पड़ रही है। इससे उनकी लागत लगातार बढ़ रही है और मुनाफा घटता जा रहा है। कई छोटे और गरीब बागवान तो अब इस व्यवस्था से पूरी तरह निराश हो चुके हैं।

इस बीच यह भी चर्चा है कि कुछ रसूखदार लोगों के मामलों में गुपचुप तरीके से भुगतान जारी हो रहा है, जबकि आम बागवानों के आवेदन वर्षों से फाइलों में दबे पड़े हैं। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बागवानों में इस तरह की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उनका कहना है कि अगर सरकार योजना चला रही है तो उसका लाभ पारदर्शी तरीके से सभी को मिलना चाहिए। बागवानों का यह भी कहना है कि समय पर सब्सिडी न मिलने से उनकी फसल जोखिम में है। उन्होंने सरकार से जल्द कार्रवाई और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की है।

हर साल ओलावृष्टि बरपा रही भारी कहर

हर साल शिमला जिले के अधिकांश क्षेत्रों में ओलावृष्टि से भारी नुकसान होता है, जिससे सेब सहित अन्य स्टोन फ्रूट की फसलें चौपट हो जाती हैं। ऐसे में एंटी हेलनेट बागवानों के लिए सुरक्षा कवच की तरह है। बागवानों ने सरकार से मांग की है कि लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा किया जाए और सब्सिडी की राशि शीघ्र जारी कर उन्हें राहत दी जाए, ताकि वे अपनी फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से बचा सकें।

◆ ओलावृष्टि से बचाव के लिए जरूरी, लेकिन कई वर्षों से नहीं मिली सहायता

◆ रसूखदारों को फायदा मिलने के आरोप, आम बागवान हुए निराश

आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए सेवा सुरक्षा व एकमुश्त समायोजन नीति की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इसी कड़ी में राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ ने प्रदेश सरकार के समक्ष एक व्यापक मांगपत्र प्रस्तुत करते हुए सेवा सुरक्षा और एकमुश्त समायोजन की ठोस नीति बनाने की मांग उठाई है। महासंघ का कहना है कि वर्षों से विभागों की रीढ़ बने ये कर्मचारी आज भी अस्थिरता और अनिश्चितता के साये में काम करने को मजबूर हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को सौंपे गए ज्ञापन में महासंघ ने विस्तार से बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थानों में हजारों आउटसोर्स कर्मचारी पिछले 10 से 15 वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें न तो स्थायी दर्जा मिल पाया है और न ही सम्मानजनक वेतन व सुरक्षित सेवा शर्तें। यह स्थिति कर्मचारियों के मनोबल को प्रभावित कर रही है और उनके भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि इन कर्मचारियों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष इस उम्मीद में समर्पित कर दिए कि एक दिन उनकी सेवाओं को नियमित स्वरूप मिलेगा। लंबे समय तक एक ही व्यवस्था में कार्य करने के कारण वे अन्य रोजगार अवसरों से वंचित रह गए हैं। अब अधिकांश कर्मचारी ऐसी आयु में पहुंच चुके हैं, जहां नए सिरे से रोजगार प्राप्त करना अत्यंत कठिन हो गया है, जिससे उनके सामने आर्थिक असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता की चुनौती खड़ी हो गई है।

ठोस नीति बनाने से कर्मियों को मिलेगी राहत

महासंघ ने सरकार को आगाह करते हुए कहा कि यदि इन कर्मचारियों की सेवाएं किसी भी समय समाप्त की जाती हैं, तो इसका सीधा असर हजारों परिवारों पर पड़ेगा और सामाजिक व आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकता है। इसके विपरीत, विभागों में अनुभवी मानव संसाधन की कमी को देखते हुए इन कर्मचारियों के अनुभव का लाभ उठाया जाना चाहिए। महासंघ के अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान और महासचिव हीरा लाल वर्मा ने मुख्यमंत्री से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र ठोस नीति बनाने की मांग की है, जिससे कर्मचारियों को राहत मिल सके।

◆ राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ ने प्रदेश सरकार को सौंपा मांगपत्र

◆ अस्थिरता व अनिश्चितता के साये में काम करने से परिवारों पर हो रहा असर

सौगात शिक्षा मंत्री ने ठियोग के सरोग स्कूल में नवनिर्मित आधुनिक पुस्तकालय का किया लोकार्पण

शिक्षा को 9666 करोड़ का बजट: रोहित ठाकुर

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने वर्ष 1947 से अब तक शिक्षा के क्षेत्र में एक लंबा और प्रेरणादायक सफर तय किया है। कभी मात्र 7 प्रतिशत साक्षरता दर वाला यह पहाड़ी प्रदेश आज 99.30 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ देश में मिसाल बन चुका है। उन्होंने कहा कि कठिन वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभाग के लिए लगभग 9666 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो कुल बजट का करीब 18 प्रतिशत है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा मिल सके।

उन्होंने ठियोग विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरोग में नवनिर्मित आधुनिक पुस्तकालय का लोकार्पण कर इसे जनता को

नवनिर्मित भवन का निरीक्षण करते रोहित ठाकुर। अनंत ज्ञान

समर्पित किया। इस अवसर पर विधायक कुलदीप सिंह राठौर भी उपस्थित रहे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की आधुनिक सुविधा उपलब्ध होना बड़ी उपलब्धि है और इसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने विद्यालय में वाणिज्य विषय आरंभ करने की घोषणा भी की, जिससे विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

रोहित ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में 151 विद्यालयों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध किया गया है, जिनमें ठियोग, कुमारसैन, मतियाना और सैंज के चार विद्यालय भी शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि 66 केवी प्रगतिनगर-हुल्ली डबल सर्किट विद्युत प्रसारण लाइन के दोनों सर्किट सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दिए गए हैं, जिस पर 12 करोड़ 33 लाख रुपये व्यय हुए हैं। इस परियोजना से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, स्थिरता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

कोटखाई में आयोजित किसान गोष्ठी में भाग लेते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि 11वीं और 12वीं कक्षाओं में बागवानी को व्यावसायिक विषय के रूप में पढ़ाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि कोटखाई में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। साथ ही ट्रॉमा सेंटर निर्माण, स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक मशीनों की स्थापना और सड़कों व भवनों के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये की स्वीकृति से क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है।

लोगों की समस्याओं को शीघ्र हल करने का दिया आश्वासन

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने निर्माणाधीन खंड विकास अधिकारी कार्यालय भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी साझा की और जनता की समस्याओं को सुनकर उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक वेतन वृद्धि : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ ने हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में कर्मयोगी भावना के साथ सेवाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनके इसी समर्पण, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देते हुए उनके निर्धारित वेतन में ऐतिहासिक वृद्धि करने का फैसला लिया है।

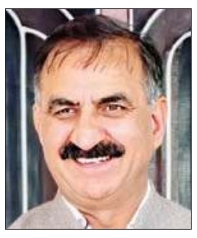

मुख्यमंत्री ने इसे स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को मान्यता देने वाला बड़ा और सकारात्मक कदम बताया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि यह निर्णय केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन हजारों स्वास्थ्य कर्मियों के आत्मविश्वास और मनोबल को नई ऊंचाई देने का प्रयास है, जो दिन-रात प्रदेशवासियों की सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर वेतन और सुविधाएं मिलने से स्वास्थ्य कर्मियों की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मजबूत होगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, आने वाले समय में स्वास्थ्य ढांचे को और सुदृढ़ बनाने के लिए नई योजनाएं लागू की जाएंगी, ताकि आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों में आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने पर विशेष ध्यान दे रही है। साथ ही, टेलीमेडिसिन व डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को समय पर उपचार मिल सके।

करोड़ों की वसूली अटकी, हिमाचल पुलिस ऑडिट रिपोर्ट ने खोली सिस्टम की पोल

वित्तीय लापरवाही उजागर, लंबे समय से लंबित राशि व अनियमितताओं ने बढ़ाई चिंता

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में वित्तीय अनुशासन को लेकर एक गंभीर स्थिति सामने आई है, जहां पुलिस विभाग से जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट में करोड़ों रुपये की लंबित वसूली और कई वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। लोक लेखा समिति की इस रिपोर्ट ने साफ संकेत दिया है कि वर्षों से लंबित मामलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण सरकारी खजाने पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न एजेंसियों और परियोजनाओं से संबंधित बड़ी राशि अब तक वसूल नहीं की जा सकी है। कई मामलों में आंशिक वसूली दर्ज की गई, जबकि शेष रकम लंबे समय से लंबित बनी हुई है। एक उदाहरण में 23 लाख रुपये से अधिक की राशि लंबित पाई गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वित्तीय प्रबंधन में गंभीर खामियां मौजूद हैं। समिति का मानना है कि इस प्रकार की देरी से न केवल राजकोष प्रभावित होता है बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी कमजोर होती है।

इसके साथ ही ऑडिट में यह भी सामने आया है कि बजट अनुमान और वास्तविक प्राप्तियों के बीच बड़ा अंतर बना हुआ है। अग्रिम रूप से निकाले गए धन का समय पर उपयोग नहीं हो पा रहा, जिससे कई विकास कार्य अधूरे रह जाते हैं। रिपोर्ट में वेतन और भत्तों के अधिक भुगतान, अधूरे कार्यों के कारण उत्पन्न वित्तीय बाधाएं और सुरक्षा सेवाओं में तैनाती से जुड़े लंबित राजस्व जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया है। लोक लेखा समिति ने स्पष्ट किया है कि ऑडिट चेतावनियों को बार-बार नजरअंदाज करना एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन चुकी है।

रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि पूर्व वर्षों की ऑडिट टिप्पणियों पर भी पूर्ण कार्रवाई नहीं की गई, जिससे समस्याएं लगातार बढ़ती गईं। समिति ने विभागों को समयबद्ध कार्रवाई, मजबूत वित्तीय निगरानी प्रणाली और लंबित राशि की शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अंततः यह रिपोर्ट वर्ष 2008-09 और 2009-10 से जुड़े मामलों की समीक्षा पर आधारित है, जिसे वर्ष 2025-26 के दौरान विभागीय जवाबों और अभिलेखों के आधार पर तैयार किया गया है। इससे स्पष्ट है कि पुरानी समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं, जो प्रशासनिक सुधार की आवश्यकता को और अधिक रेखांकित करती हैं।

समिति ने की सख्त सिफारिशें

समिति ने सख्त शब्दों में कहा है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वित्तीय अनुशासन को बहाल करना और अधिक कठिन हो जाएगा। इसलिए सभी संबंधित विभागों को जवाबदेही तय करते हुए पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी, ताकि सरकारी संसाधनों का सही उपयोग हो सके और जनता का भरोसा कायम रहे।

राष्ट्र निर्माण में बुजुर्गों की भूमिका अहम युवाओं का करें मार्गदर्शन : कविंद्र गुप्ता

अनंत ज्ञान

◆ राज्यपाल ने शिमला में वरिष्ठ नागरिकों से किया संवाद

ब्यूरो, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने वरिष्ठ नागरिकों के एक विशिष्ट समूह के साथ सार्थक संवाद किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, रक्षा सेवाओं के पूर्व सैनिक और समाजसेवी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने दीर्घ अनुभव और सेवाओं से समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संवाद के दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना तथा सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम—की सराहना की। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं से स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ी है, आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है और जीवन में आत्मसम्मान एवं स्वतंत्रता की भावना मजबूत हुई है।

राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिक्रियाओं की सराहना करते हुए कहा कि बुजुर्ग समाज के मार्गदर्शक स्तंभ हैं और उनकी गरिमा, स्वास्थ्य तथा आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल नीतिगत प्राथमिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शासन व्यवस्था समावेशी दृष्टिकोण के साथ समाज के हर वर्ग की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने अनुभवों और ज्ञान के माध्यम से युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करें और समाज में नैतिक मूल्यों, अनुशासन तथा कर्तव्यनिष्ठा को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में बच्चों में नैतिकता, संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

भाजपा को लगा झटका, नलोग गांव के केशव परिवार सहित कांग्रेस में शामिल

कांग्रेस में शामिल होने पर रोहित ठाकुर ने किया स्वागत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। कोटखाई तहसील की ग्राम पंचायत देवगढ़ के नलोग गांव से केशव राम वर्मा (बिट्टू) ने अपने परिवार सहित भाजपा को छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। उन्होंने यह निर्णय शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की जनहितैषी कार्यशैली और जुब्बल-नावर-कोटखाई क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास कार्यों से प्रभावित होकर लिया। इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुब्बल-नावर-कोटखाई के अध्यक्ष श्री मोतीलाल डेरटा ने उन्हें पार्टी में शामिल करवाते हुए हार्दिक स्वागत किया और विश्वास दिलाया कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र के विकास को नई गति देने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

आरक्षण रोस्टर को लेकर प्रशासनिक कसरत तेज, 31 मार्च की डेडलाइन पर टिकी नजरें

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल में पंचायती राज चुनाव को लेकर 31 मार्च की समयसीमा ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को एक ऐसी दौड़ में ला खड़ा किया है, जहां हर मिनट की अहमियत बढ़ गई है और हर निर्णय की बारीकी पर नजर रखी जा रही है। पंचायतों में आरक्षण रोस्टर जारी करने की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, लेकिन इसके साथ ही चुनौतियों का दायरा भी उतना ही विस्तृत हो गया है। कागजी प्रक्रिया से लेकर जमीनी स्तर तक, हर कड़ी को सटीकता के साथ जोड़ना अब अधिकारियों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। माहौल में एक तरह की गंभीरता और हलचल दोनों साथ-साथ दिखाई दे रही हैं, जहां तेजी भी है और सावधानी की मजबूरी भी।

जानकारी के अनुसार राज्य चुनाव आयोग के निर्देशों के बाद प्रशासनिक मशीनरी पूरी गति से काम कर रही है। जिलों और पंचायत स्तर पर आंकड़ों का संकलन, पुरानी सूचियों का मिलान और नए सिरे से आरक्षण का निर्धारण इन सभी प्रक्रियाओं को सीमित समय में पूरा करने का दबाव साफ महसूस किया जा रहा है। अधिकारियों के सामने यह दोहरी चुनौती है कि वे न केवल समयसीमा का पालन करें, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि कहीं कोई तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी त्रुटि न रह जाए। क्योंकि एक छोटी सी गलती भी बड़े विवाद का कारण बन सकती है और पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर सकती है।

दूसरी ओर, पंचायत स्तर पर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। संभावित उम्मीदवारों से लेकर आम नागरिकों तक, हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि आरक्षण रोस्टर किस रूप में सामने आएगा। पिछले अनुभवों को देखते हुए लोगों के मन में आशंकाएं भी हैं कि कहीं जल्दबाजी में लिए गए फैसले विवाद को जन्म न दे दें। यही कारण है कि पारदर्शिता और निष्पक्षता की उम्मीदें इस बार पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई हैं, और प्रशासन पर भरोसा कायम रखने की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी हो गई है।

निर्णायक मोड़ पर प्रशासनिक परीक्षा

अब यह पूरा मामला अपने सबसे अहम पड़ाव पर पहुंच चुका है, जहां आने वाले एक दो दिन यह तय करेंगे कि प्रशासन इस चुनौती को किस तरह संभालता है। अगर रोस्टर पूरी तरह त्रुटिरहित और संतुलित तरीके से जारी होता है, तो यह प्रशासनिक दक्षता की एक मजबूत मिसाल बनेगा। लेकिन यदि कहीं भी चूक सामने आती है, तो न केवल विवाद बढ़ेंगे बल्कि पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ सकते हैं। ऐसे में यह समय सिर्फ काम पूरा करने का नहीं, बल्कि उसे सही और निष्पक्ष तरीके से अंजाम देने का है, जिस पर पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं।

मई माह से कालका-शिमला ट्रैक पर दौड़ेगी समर स्पेशल ट्रेन, सैलानियों को मिलेगी राहत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। गर्मी के पर्यटन सीजन से पहले सैलानियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। कालका-शिमला हेरिटेज रेलवे ट्रैक पर मई महीने से समर स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। रेलवे विभाग ने यात्रियों की बढ़ती संख्या और टिकटों की लंबी वेटिंग को देखते हुए यह निर्णय लिया है, जिससे आने वाले सीजन में पर्यटकों को सफर में सहूलियत मिल सकेगी।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष समरहिल क्षेत्र में पुल निर्माण कार्य के चलते इस हेरिटेज ट्रैक पर स्पेशल ट्रेन की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई थी, जिससे सैलानियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी थी। इस बार रेलवे विभाग ने पहले ही तैयारियां शुरू कर दी हैं ताकि पर्यटन सीजन के दौरान किसी तरह की बाधा न आए और यात्रियों को निर्बाध यात्रा का अनुभव मिल सके।

गर्मी की छुट्टियों के चलते शिमला आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मौजूदा समय में चल रही ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट देखी जा रही है, जिससे टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में समर स्पेशल ट्रेन सैलानियों के लिए राहत का बड़ा जरिया साबित होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस ट्रेन का संचालन मई के मध्य के बाद शुरू कर दिया जाएगा व यह सुविधा जुलाई अंत तक जारी रहेगी।

कालका से शिमला तक का यह नैरोगेज ट्रैक अपने रोमांचक सफर के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। लगभग 103 सुरंगों, 869 पुलों और 900 से अधिक घुमावों से गुजरते हुए यह यात्रा यात्रियों को अद्भुत अनुभव देती है। बड़ोग सुरंग इस मार्ग की सबसे लंबी सुरंग है, जो इस सफर को और भी रोमांचक बनाती है। यही वजह है कि टॉय ट्रेन का यह सफर हर साल हजारों सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

15 मई के बाद बढ़ेगा समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन

रेलवे विभाग के अनुसार 15 मई के बाद समर स्पेशल ट्रेन को पटरी पर उतारने की योजना है। इसके साथ ही पहले से संचालित ट्रेनों के अलावा अतिरिक्त सुविधा मिलने से पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। आने वाले महीनों में शिमला और आसपास के पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे स्थानीय कारोबारियों के चेहरे भी खिल उठेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा व सम्मान के लिए सशक्त कानून की जरूरत : अनुराग

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने 18वीं लोकसभा के बजट सत्र में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण का मुद्दा प्रभावी ढंग से उठाया। उन्होंने सदन और प्रश्नकाल के माध्यम से बुजुर्गों के लिए कानूनी एवं संस्थागत ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

3 फरवरी 2026 को नियम 377 के तहत विषय उठाते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि देश में लगभग 50 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक भावनात्मक, शारीरिक या आर्थिक शोषण का सामना कर रहे हैं। अधिकांश मामलों में आरोपी उनके अपने परिवार के सदस्य होते हैं और भय व निर्भरता के कारण कई मामले सामने नहीं आते। उन्होंने कहा कि यह स्थिति समाज की मूल संरचना को कमजोर करती है और बुजुर्गों के सम्मान को ठेस पहुंचाती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इसलिए इस समस्या की अनदेखी सामाजिक संतुलन और आर्थिक उत्पादकता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। अनुराग ठाकुर ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 में संशोधन कर दोषियों के लिए सात वर्ष तक कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान करने की मांग की।

उन्होंने एल्डरलाइन हेल्पलाइन 14567 को पुलिस तंत्र से जोड़ने और पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया। सरकार ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत 35,480 केयर गिवर्स को प्रशिक्षित किया गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण केवल सामाजिक योजना नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व और राष्ट्रीय प्राथमिकता है।

सांसद का बयान तथ्यों से परे व भ्रामक : अनुराग शर्मा

नवनिर्वाचित सांसद ने पर्यटन छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान का किया खंडन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। नवनिर्वाचित सांसद अनुराग शर्मा ने कहा है कि लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा बीड़-बिलिंग और मनाली की पैराग्लाइडिंग साइट्स को लेकर दिया गया बयान न केवल तथ्यों से परे है, बल्कि भ्रामक भी है। यह बात उन्होंने रविवार को कुल्लू के अटल सदन में पत्रकारवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा सांसद का बयान प्रदेश की सुदृढ़ होती पर्यटन छवि को अनावश्यक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है।

प्रेसवार्ता के दौरान नवनिर्वाचित सांसद अनुराग शर्मा। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में एक विश्व कप सहित दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर प्रदेश ने अपनी वैश्विक पहचान को और सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि पैराग्लाइडिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार का सशक्त माध्यम है, जिससे हजारों-लाखों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका प्राप्त हो रही है और पर्यटन उद्योग को मजबूती मिल रही है। शर्मा ने दोहराया कि प्रदेश सरकार साहसिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी प्रदेश को विश्वस्तरीय एडवेंचर स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे संसद में आरडीजी, मनरेगा सहित प्रदेश के जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाते रहेंगे।

सुरक्षा मानकों को किया जा रहा सुदृढ़

हिमाचल प्रदेश सरकार एडवेंचर स्पोर्ट्स को सुरक्षित, नियंत्रित और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, पायलट्स को नियमित एवं उन्नत प्रशिक्षण दिया जा रहा है, तथा अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से मौसम की सटीक निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति में प्रशिक्षित रेस्क्यू एवं रिट्रीवल टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने कहा कि पैराग्लाइडिंग स्थल केवल पर्यटन के केंद्र नहीं हैं, बल्कि हजारों स्थानीय परिवारों की आजीविका की मजबूत नींव भी हैं। यहां कार्यरत पायलट्स, गाइड्स, होटल व्यवसायी और अन्य संबंधित वर्ग सीधे तौर पर इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पैराग्लाइडिंग के लिए कोई नियम अधिसूचित नहीं होने का दावा पूर्णतः निराधार है।

'मन की बात' कार्यक्रम देश को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम : जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' का नवीनतम एपिसोड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के साथ सुना। इस अवसर पर सुंदरनगर विधायक राकेश जम्वाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंडी में 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हुए। अनंत ज्ञान

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रही युद्ध की परिस्थितियों पर देशवासियों को संबोधित करते हुए संयम और सतर्कता बनाए रखने की अपील की तथा आश्वस्त किया कि देश में किसी प्रकार की घबराहट की आवश्यकता नहीं है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'मन की बात' कार्यक्रम एक अनूठी पहल है, जिसके माध्यम से देश का सर्वोच्च नेतृत्व सीधे करोड़ों देशवासियों से संवाद करता है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश को जोड़ने और सकारात्मक दिशा देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी जिस प्रकार देश के आम नागरिकों, युवाओं, किसानों और नवाचार करने वालों की कहानियों को सामने लाते हैं, वह पूरे समाज को प्रेरित करता है। जयराम ठाकुर ने कहा कि आज के कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ देश की एकता और सामूहिक शक्ति पर जोर दिया, जो हर नागरिक के लिए मार्गदर्शक है।

प्रोपेगेंडा मंत्री की तरह झूठ बोल रहे मुख्यमंत्री

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पुराने जनकल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने में लगे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं। जयराम ने उन्हें हिटलर के प्रोपेगेंडा मंत्री जोसेफ गोएबल्स से तुलना करते हुए आरोप लगाया कि वे झूठ बार-बार दोहरा रहे हैं। विशेष रूप से 'हिमकेयर' योजना को घोटाला बताना गलत बताया और कहा कि योजना से 11 लाख से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मिला।

पांगणा में उगी 'गुच्छी' बनी वरदान

औषधीय गुणों से भरपूर, ग्रामीणों के लिए आय का प्रमुख साधन

अनंत ज्ञान

करसोग। बसंत ऋतु में आकाशीय बिजली, बादलों की गड़गड़ाहट और हल्की बारिश के बाद पांगणा व आसपास के क्षेत्रों के जंगलों और पहाड़ी ढलानों पर दुर्लभ 'गुच्छी' उगने से प्रकृति का अनोखा चमत्कार देखने को मिल रहा है, जिसे स्थानीय बोली में 'डुंघलु' कहा जाता है और इसे लेकर यह मान्यता भी प्रचलित है कि यह उन्हीं लोगों को अधिक मात्रा में मिलती है जिन पर प्रकृति मेहरबान होती है; हाल ही में पांगणा की एक गृह वाटिका में गुच्छियों का मिलना इस रहस्य को और रोचक बनाता है, जबकि पोषक तत्वों से भरपूर यह गुच्छी औषधीय दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

डॉक्टर जगदीश शर्मा के अनुसार इसमें विटामिन डी, एंटीऑक्सीडेंट, आयरन व अन्य खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत करने, इम्यूनिटी बढ़ाने, हीमोग्लोबिन सुधारने, हृदय व यकृत को स्वस्थ रखने में सहायक हैं; आर्थिक रूप से भी यह ग्रामीणों के लिए वरदान है, जहां पांगणा निवासी थर्मपाल गुप्ता के अनुसार सूखी गुच्छी का परचून मूल्य तीन से पांच हजार रुपए प्रति किलो और थोक बाजार में ग्रेडिंग के बाद 10 से 15 हजार रुपए या उससे अधिक तक पहुंच जाता है, वहीं इसका व्यापार वन विभाग के लाइसेंस के तहत नियंत्रित होता है ताकि संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। सुकेत संस्कृति साहित्य एवं जन-कल्याण मंच पांगणा-सुकेत के अध्यक्ष डॉ. हिमेंद्र बाली 'हिम' बताते हैं कि ग्रामीण सुबह से शाम तक जंगलों में इसकी तलाश में जुटे रहते हैं, जो केवल आय का साधन नहीं बल्कि प्रकृति से उनके गहरे जुड़ाव और संतोष का प्रतीक है, और इसी कारण पांगणा की पवित्र धरती पर उगने वाली गुच्छी स्थानीय लोगों के लिए संस्कृति, आस्था और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बनकर प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व की मिसाल पेश करती है।

केंद्र से 44,519 करोड़ मिलने के बावजूद विकास ठप: जम्वाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार से पिछले तीन वर्षों में 44,519 करोड़ की भारी-भरकम सहायता मिलने के बावजूद प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 में 16,592 करोड़, 2024-25 में 16,192 करोड़ और 2025-26 में 11,735 करोड़ की राशि केंद्र से मिली, जो आरडीजी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से दी गई। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर विकास की गति न के बराबर दिखाई दे रही है, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जम्वाल ने कहा कि समान विकास के दावों के विपरीत प्रदेश में कई सरकारी कार्यालय आज भी निजी भवनों में किराए पर संचालित हो रहे हैं, जबकि सरकारी भवन खाली पड़े हैं। उन्होंने इसे वित्तीय कुप्रबंधन का स्पष्ट उदाहरण बताते हुए पूछा कि आखिर सरकारी संसाधनों का समुचित उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित हैं और आम जनता को उनका लाभ नहीं मिल पा रहा, जिससे लोगों में निराशा का माहौल है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को कम करने की चर्चाओं से हजारों युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। इसके अलावा स्मार्ट मीटर जैसी योजनाओं को लेकर भी सरकार की नीतियां अस्पष्ट हैं, जिससे जनता में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जम्वाल ने मांग की कि सरकार स्पष्ट करे कि केंद्र से प्राप्त 44,519 करोड़ की राशि किन परियोजनाओं पर खर्च हुई, कितनी योजनाएं पूरी हुईं व कितनी अभी लंबित हैं, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

खिलवाड़ | चंबा-होली रूट पर एचआरटीसी की खटारा बस का वीडियो वायरल

बारिश में चालक ने छाता लेकर चलाई बस

अनंत ज्ञान

◆ यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ के आरोप

ओपी शर्मा, भरमौर। चंबा से होली रूट पर चल रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस का एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसने निगम प्रबंधन और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में बस चालक भारी बारिश के बीच छाता लेकर बस चलाता हुआ दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे यात्रियों की सुरक्षा के साथ खुला खिलवाड़ बता रहे हैं।

बारिश में छाता लेकर बस को चलाता चालक। अनंत ज्ञान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बस कांगड़ा के बैजनाथ-पत्थर से भरमौर के होली के लिए संचालित होती है। बताया जा रहा है कि यह बस रोजाना सुबह करीब 6 बजे चंबा से होली के लिए रवाना होती है। रविवार सुबह क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। इसी दौरान बस की छत से पानी टपकने लगा, जिससे चालक को मजबूरन छाता लगाकर बस चलानी पड़ी। बस में साथ बैठे एक यात्री ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इस बस को लेकर पहले भी कई बार छत टपकने, शीशे टूटने और बीच रास्ते में खराब होकर खड़े होने जैसे वीडियो सामने आ चुके हैं। करीब दो वर्ष पहले लोगों की मांग पर शुरू की गई इस सेवा में लगातार जर्जर और पुरानी बसें भेजी जा रही हैं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने आरोप लगाया है कि निजी बस ऑपरेटरों को फायदा पहुंचाने के लिए इस रूट पर जानबूझकर पुरानी और खटारा बसें भेजी जा रही हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र के लोगों के साथ अन्याय है।

वीडियो बनाने वाले युवक राजू भारद्वाज ने बताया कि वह रविवार सुबह इसी बस से होली गया था। लगातार बारिश के कारण बस की छत से पानी टपक रहा था और चालक को मजबूरी में छाता लगाकर बस चलानी पड़ी।

आखिर कब तक जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों के यात्रियों को ऐसी बदहाल बसों में जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ेगा? एचआरटीसी प्रबंधन और सरकार को इस मामले का तत्काल संज्ञान लेकर सुरक्षित, नई और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध करवानी चाहिए।

अप्रैल में पहले तोड़ की चाय की पैदावार अच्छी होने की आस

विदेशों में रहती है पहले तोड़ की खासी डिमांड , फ्रांस में पसंद की जाती है स्मॉक टीम

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। हाल ही में हुई बारिशों से कांगड़ा घाटी में अप्रैल के पहले तोड़ की चाय की पैदावार अच्छी होने की उम्मीद बंध गई है। पहले तोड़ की चाय की विदेशों में खासी डिमांड रहती है। धर्मशाला चाय उद्योग की बात करें तो विभिन्न वैरायटी की चाय तैयार की जाती है। धर्मशाला चाय उद्योग में रोज टी में बल्गेरियन रोज का इस्तेमाल होता है। वहीं, यहां की स्मॉक टी को फ्रांस में खासा पसंद किया जाता है। इसके अलावा उलांग चाय, हैंडमेड चाय, सन ड्राई, आर्थोडाक्स, ब्लैक ऑर्थोडाक्स, ग्रीन टी, रोज टी तैयार की जाती है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

बल्गेरियन रोज से बनती है रोज टी

रोज टी के लिए बल्गेरियन रोज का इस्तेमाल होता है, जो कि एक वर्ष में एक बार ही ब्लूम करते हैं, उन्हें अंधेरे में तोड़कर अंधेरे में रखना पड़ता है, जब चाय बनाते हैं तो रोज की पत्तियों को बलंड करके इसको कुछ समय के लिए छोड़ दिया जाता है, जिससे रोज की खुशबू, चाय में आ जाती है, इसमें किसी भी प्रकार की आर्टिफिशियल चीज नहीं डाली जाती। केसर और स्मोक टी भी यहां बनाई जाती है। अच्छी बारिश होने से अप्रैल में पहले तोड़ का चाय उत्पादन अच्छा होने की उम्मीद है।

हालांकि पहले काफी समय बारिश नहीं हुई, लेकिन अब जो बारिशें हुई हैं, उससे अप्रैल में पहले तोड़ की चाय का उत्पादन अच्छा होने की उम्मीद है। धर्मशाला उद्योग में विभिन्न प्रकार की चाय तैयार की जाती हैं, जिनमें रोज टी और स्मॉक टी की अपनी विशेषता है।

देविंद्र पठानिया, सीनियर मैनेजर, धर्मशाला चाय उद्योग।

मॉक टीम का फ्रांस कायल

धर्मशाला में बनने वाली स्मॉक टीम का फ्रांस कायल है। हर वर्ष फ्रांस से स्मोक डिमांड आती है। फ्रांस के लोग स्मोक टी को खासा पसंद करते हैं। हालांकि स्मोक टी बनाने की प्रक्रिया अन्य प्रकार की चाय की तरह ही होती है, लेकिन चाय तैयार होने के बाद इसे मशीन में डालकर चीड़ की पत्तियां का धुआं दिया जाता है, यही विशेष प्रक्रिया है, जो इस चाय को अन्य प्रकार की चाय से अलग रखती है। धर्मशाला चाय उद्योग में बनने वाली विभिन्न प्रकार की चाय की यूरोपियन देशों में डिमांड रहती है।

अग्निवीर भर्ती के लिए 1 अप्रैल तक करवाएं ऑनलाइन पंजीकरण

अनंत ज्ञान, पालमपुर। सेना भर्ती कार्यालय, पालमपुर द्वारा सूचित किया गया है कि अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/एसकेटी, अग्निवीर ट्रेडमैन (दसवीं पास), अग्निवीर ट्रेडमैन (आठवीं पास) तथा अग्निवीर वूमन एमपी के पदों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 1 अप्रैल निर्धारित की गई है। भर्ती निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय पालमपुर ने बताया कि कांगड़ा एवं चंबा जिलों के सभी इच्छुक अभ्यर्थी सुनिश्चित करें कि वे निर्धारित तिथि से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपना पंजीकरण पूर्ण कर निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसलिए उम्मीदवार समय रहते अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। भर्ती कार्यालय ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे पंजीकरण से संबंधित सभी दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समय पर अपनी आवेदन प्रक्रिया को पूरा करें।

80 साल से अधिक आयु वाले पेंशनर्स नवाजे

जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ के ब्लॉक इंदौरा की वार्षिक बैठक आयोजित

बैठक में पेंशनर्स संघ के जिलाध्यक्ष कृष्ण स्वरूप शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पेंशन संघ के ब्लॉक इंदौरा की वार्षिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिलाध्यक्ष कृष्ण स्वरूप शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। बैठक में 175 के करीब पेंशनर्स व उनके परिवार सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पेंशनर्स को सम्मानित किया गया। इस दौरान करतार कटोच, मनोहर लाल, डॉ. टीके राय, कुसम कुमार, बुआस्तिा, बलविंद्र कुमार, ईश्वर कटोच, बलवंत कटोच, रमेश कुमार, पुष्प अरुण आदि मौजूद रहे। सोमराज गर्ग ने विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शिरकत की

तियारा भडियाड़ा छिंज मेला तीन व चार अप्रैल को

अनंत ज्ञान, गगल। तियारा भडियाड़ा का छिंज मेला तीन-चार अप्रैल को होगा। मेला कमेटी के अध्यक्ष सुभाष डालोरिया ने बताया कि चार अप्रैल को कांगड़ा के विधायक पवन काजल मेले में शिरकत करेंगे और पहलवानों को उचित इनाम देंगे। इस बार कांगड़ा व समस्त हिमाचल के नामी पहलवानों के साथ-साथ पंजाब हरियाणा जम्मू, दिल्ली तथा तमिलनाडु के भी पहलवान कुश्तियां से हिस्सा लेंगे। कमेटी के प्रधान सुभाष डालोरिया व महासचिव सुनील अवस्थी समस्त कमेटी सदस्यों ने निर्णय लिया है कि इस बार तीन लाख से अधिक राशि की मालियां करवाई जाएगी। कबड्डी व वॉलीबाल प्रतियोगिता भी करवाई जाएगी।

हिमाचल में भी लागू हो पंजाब की मुख्यमंत्री सेहत योजना : भंडारी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश की चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं और हिमकेयर योजना में सामने आ रहे कथित घोटालों के बीच, आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार से स्वास्थ्य नीति में आमूलचूल परिवर्तन की मांग की है। पार्टी के राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने कहा कि हिमाचल को अब खोखले दावों की नहीं, बल्कि पंजाब जैसी ठोस स्वास्थ्य क्रांति की जरूरत है। भंडारी ने मांग की है कि हिमाचल प्रदेश में भी पंजाब की भगवंत मान सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री सेहत योजना की तर्ज पर नई व्यवस्था लागू की जाए। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रति वर्ष 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध हो। अस्पतालों का व्यापक नेटवर्क सुनिश्चित करने के लिए इस योजना के दायरे में सभी सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ सूचीबद्ध निजी गैर-सरकारी अस्पतालों को भी लाया जाए।

पंजाब की तर्ज पर एक ऐसा पारदर्शी सिस्टम विकसित हो जहां बिचौलियों और फर्जी बिलों के लिए कोई जगह न हो, ताकि भ्रष्टाचार मुक्त ढांचा विकसित किया जा सके। पंजाब में जनता को बिना किसी बाधा के उच्च स्तरीय स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है, वहीं हिमाचल में हिमकेयर योजना भ्रष्टाचार और राजनीतिक की भेंट चढ़ गई है। जब पंजाब की आप सरकार अपने नागरिकों को 10 लाख तक का मुफ्त और पारदर्शी इलाज दे सकती है, तो हिमाचल की सरकार इससे पीछे क्यों है? हिमाचल की जनता भी उसी सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवा की हकदार है।

बैजनाथ-पपरोला नगर परिषद चुनाव को लेकर बढ़ी राजनीतिक गतिविधियां

इस बार महिलाओं की निर्णायक भूमिका देखने को मिलेगी, 11 में से 6 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। बैजनाथ-पपरोला नगर परिषद के आगामी चुनावों को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं। इस बार के चुनावों की सबसे खास बात यह है कि महिला शक्ति का प्रभाव पहले से कहीं अधिक मजबूत नजर आ रहा है। नगर परिषद के कुल 11 वार्डों में से 6 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, जिससे चुनावी समीकरण पूरी तरह बदलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

महिला आरक्षण के इस बढ़े हुए दायरे के चलते कई पुराने राजनीतिक समीकरण टूटते नजर आ रहे हैं, तो वहीं कई नए चेहरे और संभावनाएं भी उभरकर सामने आ रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार नगर परिषद में महिलाओं की निर्णायक भूमिका देखने को मिल सकती है और सत्ता की चाबी भी काफी हद तक महिला प्रतिनिधियों के हाथ में रहेगी। इस बार के आरक्षण रोस्टर ने जहां कुछ नेताओं को फायदा पहुंचाया है, वहीं कुछ को बड़ा झटका भी दिया है। मौजूदा नगर परिषद अध्यक्ष आशा भाटिया के लिए यह रोस्टर चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है, क्योंकि उनका वार्ड इस बार सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। हालांकि, आशा भाटिया ने अपने आत्मविश्वास को बरकरार रखते हुए साफ कहा कि उन्होंने पिछले करीब 10 वर्षों में अपने वार्ड में निरंतर विकास कार्य करवाए हैं और जनता के साथ उनका सीधा जुड़ाव रहा है। इसी विश्वास के साथ वे एक बार फिर चुनावी मैदान में उतरने को तैयार हैं और जनता से समर्थन की उम्मीद जता रही हैं। वहीं, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कांता देवी के लिए इस बार का आरक्षण रोस्टर काफी अनुकूल माना जा रहा है। उनका वार्ड अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत हो गई है। उनके समर्थकों में भी इस फैसले के बाद खासा उत्साह देखा जा रहा है और वे इसे उनके लिए एक सुनहरा अवसर मान रहे हैं। मौजूदा उपाध्यक्ष राजन चौधरी, अनीता सूद, मुकेश शर्मा और चंपा देवी के लिए भी इस बार का वार्ड निर्धारण संतोषजनक रहा है। इन नेताओं के वार्ड उनकी राजनीतिक रणनीति और क्षेत्रीय पकड़ के हिसाब से अनुकूल माने जा रहे हैं, जिससे उनके समर्थकों में चुनाव को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

इसके अलावा, मौजूदा पार्षद अमित कपूर के लिए भी उनका पुराना वार्ड इस बार राहत देने वाला साबित हो सकता है। क्षेत्र में उनकी सक्रियता और जनसंपर्क देखते हुए मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। वहीं, पूर्व अध्यक्ष रुचि कपूर के लिए वार्ड नंबर 3, जो सामान्य वर्ग महिला के लिए आरक्षित किया गया है, उनके लिए काफी अनुकूल साबित हो रहा है और वे भी चुनावी मैदान में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, राजेश कलेड़ी तथा वार्ड नंबर 2 की मौजूदा पार्षद रितु कुमारी के लिए यह आरक्षण रोस्टर निराशाजनक रहा है। वार्ड के आरक्षण में हुए बदलावों के कारण उनके चुनावी समीकरण प्रभावित हुए हैं, जिससे उनके सामने नई रणनीति बनाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस बार का आरक्षण रोस्टर कांता देवी अमित कपूर, राजन चौधरी मुकेश शर्मा, बालकृष्ण बंटी और अनीता सूद चंपा देवी जैसे नेताओं के लिए फायदेमंद माना जा रहा है, जबकि कुछ नेताओं को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर नए सिरे से सोचने की जरूरत पड़ रही है।अब जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आएगी, वैसे-वैसे राजनीतिक गतिविधियां और तेज होंगी। ऐसे में बैजनाथ-पपरोला नगर परिषद का यह चुनाव न केवल स्थानीय राजनीति के लिए अहम होगा, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण संकेत देने वाला साबित हो सकता है।

लंबित क्लेम को लेकर प्रदेश सरकार और कल्याण बोर्ड के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान

पालमपुर में निर्माण कामगार संघ ने की बैठक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। पालमपुर में भवन निर्माण कामगार संघ की बैठक रविवार को पालमपुर में हुई। बैठक में यूनियन के पदाधिकारी रविंदर सिंह रवि, प्रेमचंद, राकेश शर्मा, अमन चौधरी, त्रिलोकचंद, पृथ्वी सिंह, विकास कुमार, शशि पलीता देवी मदन जग्गी शामिल हुए इस मीटिंग में निर्माण मजदूर की ज्वलंत समस्या पर विचार किया गया। उन्होंने श्रम मंत्रालय हिमाचल सरकार पर गंभीर आरोप लगाए जो हिमाचल प्रदेश निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड का कर्ताधर्ता है। यूनियन कहा है कि पात्र निर्माण मजदूरों के क्लेम 4 वर्षों से क्रमिक ऑब्जेक्शन के तहत इधर से उधर भटक रहे हैं और बार-बार विनती करने के बावजूद ना ही सरकार और ना ही कामगार कल्याण बोर्ड इस पर ध्यान दे रहा है। कामगार संघ ने पिछले दिनों डीसी धर्मशाला एसडीम पालमपुर और एसडीएम धीरा के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा गया था, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, इसलिए यूनियन ने आज प्रस्ताव पास करके सरकार का पुतला फूंककर प्रदर्शन करने का फैसला किया।

उन्होंने कल्याण बोर्ड को दो टूक शब्दों में कहा है कि 15 दिन के अंदर लंबित क्लेम पास न हुए तो जिलाधीश कांगड़ा के कार्यालय पर हिमाचल सरकार ओर कामगार कल्याण बोर्ड का पुतला जलाया जाएगा।

धलूं में इलेक्ट्रो होम्योपैथी कैंप में की 150 से अधिक मरीजों की जांच

धलूं स्थित प्राथमिक पाठशाला में एक दिवसीय चिकित्सा कैंप का आयोजन किया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक डॉक्टर्स एसोसिएशन व आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में कांगड़ा जिले के धलूं स्थित प्राथमिक पाठशाला के प्रांगण में एक दिवसीय चिकित्सा कैंप का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न बीमारियों से संबंधित 150 से अधिक मरीजों की जांच की गई । इस शिविर में आरोग्य भारती के सहयोग से रोटरी आई अस्पताल मारंडा पालमपुर के चिकित्सकों की ओर से रोगियों की आंखों की जांच की।

शिविर को सफल बनाने में सर्वोदय इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी धर्मशाला स्थित बगली के प्रशिक्षुओं ने अहम योगदान दिया। हेडा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार रबिसन ने स्थानीय लोगों और स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि धलूं स्थित इलेक्ट्रो होम्योपैथी हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. उत्तम चंद कौंडल की देखरेख में जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। हेडा की ओर से अगला कैंप मंडी जिले के धर्मपुर क्षेत्र में लगाया जाएगा।

सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट मल्टी डे टूर्नामेंट

ऊना के 622 रन के लक्ष्य से शिमला टीम अभी 355 रन दूर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। एचपीसीए के क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में जिला ऊना व शिमला की क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट मल्टी-डे टूर्नामेंट के दूसरे दिन शनिवार का खेल समाप्त होने से पहले ऊना की टीम ने शिमला के खिलाफ पहली पारी में आठ विकेट खोकर 622 रनों का विशालकाय स्कोर खड़ा कर पारी घोषित की। अपनी पहली पारी की शुरुआत करते हुए शिमला की टीम ने दूसरे दिन के अंत तक सात ओवर में बिना कोई विकेट खोए 13 रन बना लिए थे। तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले बारिश ने भी एक से डेढ घंटे के करीब खलल डाला था, जिससे शाम के समय फ्लड लाइट में मैच खेला गया। हालांकि तीसरे दिन का खेल शिमला के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं रहा, और उन्होंने 267 के स्कोर में ही अपने छह विकेट गंवा दिए। शिमला के बल्लेबाज कुशल पाल मात्र आठ, युगदीप सिंह 41, कबीर सिंह 19, अभिमन्य सिंघा जीरो, वैभव कल्टा 41 व मुकूल नेगी 14 रन बनाकर पैवेलियन लौट चुके हैं। अब शिमला के नमन वर्मा 80 व राहुल 20 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। ऊना की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए केशव सैनी ने 48 रन देकर दो विकेट, अंकुश बैदी 55 रन देकर दो विकेट, राघव बाली 61 रन देकर एक विकेट झटके हैं, जबकि शिमला ने एक विकेट रन आऊट में गवांया है। अब चौथे व अंतिम दिन जीतने के लिए शिमला को मात्र चार विकेट में 355 रन बनाकर पहाड़ जैसा 622 रनों का लक्ष्य प्राप्त करना होगा। वहीं, ऊना को जीत के लिए अब मात्र चार विकेट की जरूरत है।

पंडित विपन को ज्योतिष क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए बेस्ट एस्ट्रोलॉजर का अवॉर्ड

अनंत ज्ञान

दिल्ली में पंडित विपन को नवाजा। अनंत ज्ञान

जवाली। नई दिल्ली पीरागढ़ी में 28 मार्च को पांच सितारा प्रीसीयस फॉरेवर वेंकट हाल में स्टार अचीवर अवॉर्ड सीजन 18 का आयोजन टैरोट क्वीन मीनू शर्मा द्वारा आयोजित किया गया। इसमें देश के 200 के लगभग प्रसिद्ध ज्योतिषी, टैरोट कार्ड रीडर, फैशन आदि प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया था, जिनका अपने क्षेत्र में सराहनीय काम किए हैं। इस अवसर पर कांगड़ा जिले के जवाली से पंडित विपन शर्मा को उनके ज्योतिष क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग्रोवर और बॉलीवुड गायिका शिवानी कश्यप ने बेस्ट एस्ट्रोलॉजर का अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। पंडित विपन शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व भी उन्हें बॉलीवुड सितारों भाग्यश्री, अमीषा पटेल, दीपशिखा नागपाल, पूर्व मिस वर्ल्ड अदिति गोवित्रिकर, शाहजहां पदमसी, महक चहल, मनीषा लांबा, अमन वर्मा व सोनू सूद की ओर से सम्मानित किया जा चुका है। पंडित विपन शर्मा ने बताया कि बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग्रोवर की ओर से सम्मानित होकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस अवसर पर मुख्यातिथि के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री और टीवी कलाकार सुधाचंद्रन, जीडी वशिष्ठ और पंडित राजीव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्वाभिमान पार्टी की अपील ग्राम व नगर पंचायतों के प्रतिनिधि निर्विरोध चुने जाएं

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। स्वाभिमान पार्टी हिमाचल प्रदेश में रालेगण सिद्धि (महाराष्ट्र) और उत्तराखंड की तर्ज पर ग्राम और नगर पंचायतों के प्रतिनिधियों को निर्विरोध चुने जाने के लिए जनता से अपील करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत गठबंधन के राष्ट्रीय संयोजक बलदेव राज सूद ने प्रेस से कहा कि हाल ही में अन्ना हजारे के साथ एक बैठक में अन्ना हजारे ने रालेगण सिद्धि के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि जब वे अपने गांव लौटे तो वहां शराब की 30 भठियां चलती थीं और सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं थी। अन्ना हजारे ने गांव के अच्छे लोगों को एकजुट कर इस मुद्दे को सुलझाया, जिससे आज रालेगण सिद्धि एक आदर्श गांव बन चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 वर्षों से रालेगण सिद्धि में पंचायत निर्विरोध चुनी जाती है। इस तर्ज पर स्वाभिमान पार्टी हिमाचल प्रदेश में जन जागरूकता अभियान चलाएगी, जिससे निस्वार्थ और सेवा भावी जन प्रतिनिधि निर्विरोध चुने जा सकें। बलदेव राज सूद ने कहा कि इस पहल से चुनावों में खर्चों में बचत होगी और निर्विरोध चुने गए क्षेत्रों को सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक फंड भी मिलेगा।

शुभारंभ नवरंग वार्षिक उत्सव में मुख्यातिथि वाइस एडमिरल लोचन सिंह पठानिया ने सम्मानित किए मेधावी

चेस-स्किल इन टीचिंग, पेंटिंग में द्रोणाचार्य कॉलेज प्रथम

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। द्रोणाचार्य शिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय रैत में दो दिवसीय नवरंग (समर्थ युवा सशक्त भारत) वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में मुख्यातिथि के रूप में वाइस एडमिरल एलएस पठानिया, चीफ हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार तथा उनकी धर्मपत्नी चंदा पठानिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर कुलदीप अत्रि निदेशक, क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप मौजूद रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। वहीं, महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक जीएस पठानिया, कार्यकारिणी निदेशक डॉ. बीएस पठानिया, प्राचार्य प्रवीण शर्मा द्वारा मुख्यातिथि व अतिथियों को टोपी, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज के युग में विद्या ही वह एकमात्र धन है, जिसे न कोई चुरा सकता है और न ही बांटने पर यह कम होता है, इसलिए इसे सभी धनों में प्रधान माना गया है। वहीं, मुख्यातिथि ने वर्षभर में शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों में अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया। वेस्ट हाउस का खिताब राधाकृष्णन को मिला। साथ ही बेस्ट टीचर अवॉर्ड सहायक प्रवक्ता शिल्पा शर्मा को मिला। बेस्ट क्लब का अवॉर्ड रोटरेक्ट क्लब को मिला। इस दौरान कबड्डी, एडमेड शो, चेस, ग्रुप डांस, पेंटिंग, मिरर पॉट डेकोरेशन, भाषण, फैंसी ड्रेस, प्रश्नोत्तरी, स्किल इन टीचिंग, टेक्नोवेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। चेस में द्रोणाचार्य कॉलेज विजेता तथा जीसीटीई धर्मशाला उपविजेता रहा। पेंटिंग में द्रोणाचार्य कॉलेज ने पहला, जबकि ज्ञान ज्योति कॉलेज, जीजीडी एसडी राजपुरा ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। पॉट मिरर डेकोरेशन में द्रोणाचार्य कॉलेज ने पहला, अवस्थी कॉलेज ने दूसरा व जीजीडीएसडी राजपुरा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

द्रोणाचार्य कॉलेज रैत में दो दिवसीय नवरंग वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। अनंत ज्ञान

भाषण स्पर्धा में ज्ञान ज्योति कॉलेज प्रथम

भाषण प्रतियोगिता में ज्ञान ज्योति कॉलेज ने पहला, जबकि द्रोणाचार्य कॉलेज, मिनर्वा कॉलेज ने क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी में अवस्थी कॉलेज ने पहला, जीसीटीई धर्मशाला ने दूसरा, द्रोणाचार्य कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्किल इन टीचिंग में द्रोणाचार्य कॉलेज ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि ज्ञान ज्योति व शरण कॉलेज ने क्रमशः दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया वहीं विजेता व उपविजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पठानकोट पुलिस की अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पिस्तौल, 6 कारतूस सहित दो गिरफ्तार, 3 पोकलेन की जब्त

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 3 पोकलेन मशीन जब्त की है। वहीं, पिस्तौल, 6 जिंदा कारतूस सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों के प्रवक्ता ने बताया कि पठानकोट पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, जिसमें थाना तारागढ़ के अंतर्गत गांव गज्जू खालसा में अवैध खनन की पुष्टि हुई। सूचना के बाद थाना तारागढ़ के प्रभारी अधिकारी ने पुलिस टीम और खनन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान मौके पर पोकलेन मशीनों के माध्यम से अवैध खनन होता पाया गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन पोकलेन मशीनों को कब्जे में ले लिया। इस मामले में दो आरोपियों मंजिंदर सिंह और मलकीत सिंह, निवासी गांव गज्जू जागीर, जिला पठानकोट के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम, 1957 के तहत थाना तारागढ़ में मामला संख्या 46 दिनांक 27-03-2026 दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के पास से एक लाइसेंसी .45 बोर पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा और पुलिस रिमांड के दौरान उनसे गहन पूछताछ की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर अन्य दोषियों को भी कानून के दायरे में लाया जाएगा।

पुलिस टीम के साथ गिरफ्तार किए दो आरोपी। अनंत ज्ञान

खेतों में मिला विवाहिता का शव, मायके वालों ने पति पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

शनिवार को पुलिस थाना शाहपुर में दर्ज करवाई थी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट

अनंत ज्ञान

- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जुटाए साक्ष्य, दर्ज किए बयान
- पति और दो ननदों के खिलाफ मामला दर्ज

ब्यूरो, धर्मशाला। पुलिस थाना शाहपुर के तहत एक 35 वर्षीय विवाहिता का शव खेतों में मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतका के मायका पक्ष की शिकायत के आधार पर ससुराल पक्ष के खिलाफ आत्महत्या को उकसाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार शनिवार को विवाहिता के पति तिलक राज ने पुलिस थाना शाहपुर में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। उसने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी घर में बिना बताए कहीं चली गई है वहीं, शिकायतकर्ता ने रविवार को फोन करके बताया कि उसकी पत्नी का शव इसके घर के पास खेतों में पड़ा हुआ मिला है। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस थाना शाहपुर की टीम ने शव को कब्जे में लेकर साक्ष्य जुटाए तथा लोगों के बयान दर्ज किए। वहीं, मृतका की माता सुवर्णा देवी निवासी कुठमा, तहसील शाहपुर ने अपनी पुत्री को प्रताड़ित करने की शिकायत करते हुए पुलिस थाना शाहपुर में मृतका के पति तिलक राज तथा दो ननदों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। मृतका की मां ने शक जताते हुए कहा कि उसकी बेटी ने दामाद तथा ननदों की प्रताड़ना से तंग आकर जान दी है। यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, जिसमें महिला ने अपनी जान दे दी है। महिला के अनुसार, उसके दामाद ने पहले बताया था कि मृतका लापता हो गई है, और बाद में घर के पास खेतों में उसका शव मिलने की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि महिला ने दवाई खाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक, मृतका की शादी लेहड़ गांव में हुई थी। सूत्रों के अनुसार, महिला की कोई संतान नहीं थी, और उसने अपनी माता को कई बार यह भी कहा था कि बच्चे न होने के कारण उसका पति दूसरी शादी कर सकता है। आशंका है कि पति और ननदों की ओर से उसकी प्रताड़ना के कारण महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जान दी। पुलिस ने मृतका की 62 वर्षीय माता की शिकायत पर, महिला के पति और दो ननदों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। इस घटना से समाज में महिलाओं के प्रति हो रही मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का मामला प्रकाश में आया है। एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने इस मामले की पुष्टि की है। यह घटना समाज में महिला सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को दर्शाती है।

रविंद्र राव ने सांसद अनुराग शर्मा को राजनीतिक समिति में नियुक्ति पर दी बधाई

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव रविंद्र राव ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की राजनीतिक मामलों की समिति में राज्यसभा सांसद और जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुराग शर्मा को सदस्य नियुक्त किए जाने पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इस निर्णय को संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। रविंदर ने अनुराग शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान है। उन्होंने इसे बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय बताया। राव ने विश्वास जताया कि अनुराग अपने कुशल नेतृत्व से पार्टी को नई दिशा देंगे और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। इस नियुक्ति से प्रदेश कांग्रेस और अधिक सशक्त होगी और संगठन आने वाले समय में जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।

संसारपुर टैरेस-डाडासीबा रोड पर मुख्य पाइपलाइन में लीकेज होने से हजारों लीटर पानी बह रहा व्यर्थ

आईटीआई सफीदों के पास जल शक्ति विभाग की मुख्य पाइपलाइन में हो रही लीकेज। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

पिंकी, डाडासीबा। संसारपुर टैरेस-डाडासीबा रोड पर स्थित आईटीआई सफीदों के पास जल शक्ति विभाग की मुख्य पाइपलाइन में लीकेज होने से हजारों लीटर पेयजल व्यर्थ बह रहा है। पाइपलाइन से तेज दबाव के साथ पानी फव्वारों की तरह बाहर निकलकर सड़कों पर फैल रहा है, जिससे न केवल जल बर्बादी हो रही है, बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह लीकेज पिछले कुछ समय से जारी है और अब स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।

हैरानी की बात यह है कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी इस मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। क्षेत्रवासियों ने जल शक्ति विभाग से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र पाइपलाइन की मरम्मत की जाए, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को राहत मिल सके। उधर, जल शक्ति विभाग प्रागपुर के अधिशाषी अभियंता प्यारेलाल ने बताया कि लीकेज को शीघ्र ठीक करवा लिया जाएगा।

मतेहड़ गांव के 9 पंजाब रेजिमेंट के जवान अनुपम मेहता पंचतत्व में विलीन

अंडमान निकोबार में ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से हुए थे शहीद। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे नौरा पंचायत के मतेहड़ गांव के अनुपम मेहता की अंडमान निकोबार में ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया।

अनुपम मेहता भारतीय सेना की 19 पंजाब रेजिमेंट में वर्तमान में अंडमान निकोबार में तैनात थे और वीरवार देर रात उनके सीने में अचानक उठे दर्द पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया, परंतु शुक्रवार सुबह अनुपम मेहता जिंदगी की जंग हार गए। अनुपम मेहता का पार्थिव शरीर रविवार सुबह उनके पैतृक गांव पहुंचाया गया। सैन्य सम्मान के साथ अनुपम का अंतिम संस्कार ब्लोटी स्थित शवदाह गृह में कर मेजर सोनू और नायब सूबेदार योगेंद्र कुमार सहित 40 सैनिकों ने सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। सुलह विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार, थाना प्रभारी गुरुदेव सिंह, अनुपम के पिता प्रमोद मेहता और पंजाब रेजिमेंट के भूतपूर्व सैनिकों ने श्रद्धांजलि दी। अनुपम के बेटे हनी ने मुखाग्नि दी। अनुपम अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां, एक बेटा, माता-पिता और दो भाई छोड़ गए। अनुपम मेहता को 26 जनवरी 2026 को लेफ्टिनेंट की उपाधि से नवाजा था। अक्तूबर 2026 में सेवानिवृत्ति होनी थी।

सुरेंद्र मनकोटिया को बनाया प्रदेश कांग्रेस का महासचिव

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। जसवां-परागपुर क्षेत्र के कांग्रेसी नेता सुरेंद्र सिंह मनकोटिया को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नियुक्ति के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर है और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मनकोटिया लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहते हुए जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी साफ-सुथरी छवि और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए पार्टी हाईकमान ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। उन्होंने इस भरोसे के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, रजनी पाटिल तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू सहित समस्त नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। मनकोटिया ने कहा कि महासचिव के रूप में उनकी प्राथमिकता संगठन को और मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना और आम जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाना रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना ही संघ का लक्ष्य : होसबोले

धर्मशाला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला कांगड़ा की ओर से प्रमुख जन संगोष्ठी का आयोजन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला कांगड़ा की ओर से रविवार को धर्मशाला के समीप निजी होटल के सभागार में प्रमुख जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ वंदे मातरम से किया गया।

संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी संघ कार्य की 100वर्षों की यात्रा को पूर्ण किया है। इन सौ वर्षों में संघ ने सेवा एवं समर्पण भाव से देश सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया। स्वतंत्रता सेनानी एवं संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने भारत को स्वतंत्र एवं शक्तिशाली बनाने के लिए विजयदशमी 1925 के दिन संघ का कार्य प्रारंभ किया। देश भक्ति से ओत-प्रोत एवं समाज का भला करने वाले व्यक्ति संघ की नित्य शाखा से निर्माण हो रहे हैं। संघ का कार्य हिंदू समाज को संगठित,सशक्त एवं समर्थ बनाने के लिए चल रहा है। उन्होंने कहा कि संघ देश को अच्छा करने के लिए सामान्य व्यक्ति के व्यक्तिगत चरित्र एवं राष्ट्रीय चरित्र दोनों को ठीक करने की दृष्टि से कार्य कर रहा है। समाज की उन्नति के लिए समाज का संगठन करना, सामूहिक प्रयास करना, सबको साथ लेकर चलना यह भी अति आवश्यक है। देश के सर्वांगीण विकास में सभी का योगदान होना चाहिए। संघ सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त कर समाज के लिए कार्य करता है। संघ केवल एक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है और संघ कार्यकर्ताओं के लिए एक जीवन शैली है। वर्तमान में अपना भारत देश-दुनिया में अग्रणी देशों में से एक है। संघ कार्य का लक्ष्य भारत को समरस, समर्थ एवं समर्थ बनाने का है। भारत दुनिया को जीवन जीने की शैली बता रहा है, अन्य देश भारत का अनुसरण कर रहे हैं। इस दौरान प्रमुख जनों द्वारा सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक, सेवा कार्य एवं देश दुनिया की वर्तमान परिस्थिति, शिक्षा नीति, संस्कार पक्ष, संघ में महिलाओं की सहभागिता को लेकर प्रश्न भी पूछे गए जिनका सरकार्यवाह द्वारा ठीक प्रकार से समाधान किया गया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय ने कहा कि आज देश में एक लाख से अधिक सेवा कार्य चल रहे हैं।

बैजनाथ में अवैध शराब बरामद

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पुलिस थाना बैजनाथ के अंतर्गत दो अलग-अलग मामलों में अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, राकेश कुमार, निवासी गांव कुंसल, वार्ड नंबर 2, डाकघर ठारा, तहसील बैजनाथ से 12 बोतल देसी शराब (ऊना नंबर 1) बरामद हुई है। वहीं, सुभाष चंद, निवासी गांव आगोजर, डाकघर अंद्रेटा, तहसील पालमपुर से 4500 एमएल देसी शराब (ऊना नंबर 1) बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ सहयोग करें और जानकारी देने में मदद करें।

बोर्ड अध्यक्ष ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल चयन परीक्षा में 34 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने रविवार को एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल चयन परीक्षा-2026 के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, दाड़ी परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए समुचित प्रबंधों पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि आज आयोजित परीक्षा में कुल 44 अभ्यर्थियों में से 34 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित किया गया, जिससे अभ्यर्थियों को निष्पक्ष तरीके से परीक्षा देने का अवसर मिला। डॉ. शर्मा ने उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए समन्वयक रमन डोगरा तथा अन्य स्टाफ की सराहना की। उन्होंने स्टाफ को वार्षिक परीक्षाओं एवं अन्य बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए प्रेरित करते हुए उनके योगदान की प्रशंसा की और भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पित सेवाएं देने के लिए उत्साहित किया।

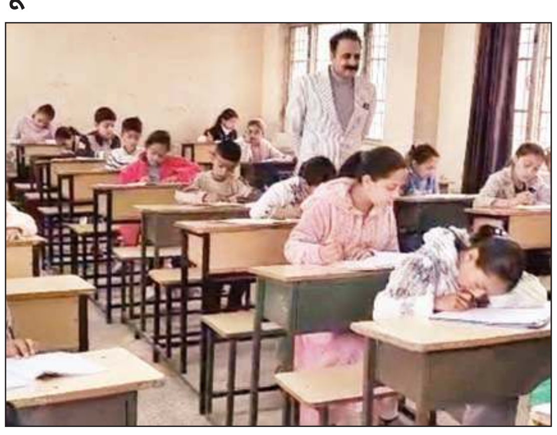

परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण करते डॉ. राजेश। अनंत ज्ञान

किन्नौर, लाहौल-स्पीति से पहुंचे अभ्यर्थी

यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा के लिए चंबा (होली, भरमौर, किल्लर-पांगी), कांगड़ा (दाड़ी), किन्नौर (निचार, पूह, रिकांग पियो) तथा लाहौल-स्पीति (कुकुमसेरी, काजा, केलांग) में आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए शिक्षा बोर्ड ने 959 अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी किए थे। वहीं इसी कड़ी में दाड़ी स्कूल में परीक्षा के लिए 44 अभ्यर्थियों को शार्टलिस्ट किया गया था। लेकिन परीक्षा हाल में 34 अभ्यर्थी पहुंचे, जबकि 10 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दाड़ी स्कूल में आयोजित हुई परीक्षा के लिए प्रदेश के जिला किन्नौर, लाहुल-स्पीति, चंबा और पांगी आदि क्षेत्रों के अभ्यर्थी पहुंचे थे।

होमस्टे प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को सशक्त बनाने की पहल

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, धर्मशाला। हिमालय उन्नति मिशन के अंतर्गत, सतत हिमालयी विकास के लिए आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रवि शंकर की प्रेरणा से कांगड़ा जिले के जिया में तीन दिवसीय होमस्टे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कांगड़ा जिले के चंगर और गुजरेहड़ा परिदृश्य के समुदायों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, साथ ही चंबा जिले के दूरस्थ पांगी क्षेत्र से भी प्रतिभागी शामिल हुए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य होमस्टे संचालन के विभिन्न पहलुओं पर प्रतिभागियों को जागरूक करना था। इसमें आतिथ्य, स्वच्छता, स्थानीय व्यंजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग, तथा पर्यटन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। हिमालय उन्नति मिशन के प्रोग्राम डायरेक्टर अमित मेहता ने बताया कि मिशन हिमालयी क्षेत्र में समग्र और समुदाय-आधारित विकास के लिए कार्य कर रहा है। कांगड़ा जिले के चंगर और गुजरेहड़ा परिदृश्यों में मॉडल लैंडस्केप डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत स्थानीय समुदायों की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण स्थानीय समुदायों को पर्यटन क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए एक सार्थक पहल है। कार्यक्रम के समापन पर, जिला कांगड़ा के उप निदेशक (पर्यटन) विनय धीमान ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए और होमस्टे विकास एवं पर्यटन के अवसरों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने हिमालय उन्नति मिशन के प्रयासों की सराहना की। राज्य होटल प्रबंधन संस्थान धर्मशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. राजन, केंद्रीय विश्वविद्यालय शाहपुर के पर्यटन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण भाटिया, और उप निदेशक (पर्यटन) कार्यालय से अधीक्षक पुरुषोत्तम ने मार्गदर्शन दिया। हिमालय उन्नति मिशन के प्रतिनिधि बलराम गर्ग ने कहा कि समुदाय आधारित ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से हम कृषि पर्यटन और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में कुल 25 प्रतिभागियों ने होमस्टे संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल सीखा।

नूरपुर के सोनू ने जीती एक लाख रुपए की माली

उपविजेता अंकु हाड़ा पंजाब को 81 हजार रुपए नकद इनाम देकर नवाजा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। खनियारा का ऐतिहासिक श्री इंद्रु नाग देवता छिंज मेली की बड़ी माली एक लाख रुपए नूरपुर के पहलवान सोनू ने जीती है। उन्होंने हाड़ा पंजाब के अंकु को पराजित किया। उप विजेता अंकु को नकद पुरस्कार के रूप में 81 हजार रुपए प्रदान की गई। धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने विजेता व उप विजेता पहलवानों को इनाम राशि वितरित की। उन्होंने कहा कि मेले मेलजोल व आपसी भाईचारे का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि खनियारा का मेला काफी प्राचीन है और यह संस्कृति को अभी भी संजोए हुए है।

उन्होंने पचास हजार रुपए अपनी तरफ से देने की घोषणा की और बताया कि अखाड़े के लिए पहले ही पांच लाख रुपए की राशि दी गई है। मेला कमेटी की तरफ से कैप्टन ईश्वर ठाकुर व अन्य पदाधिकारियों ने विधायक सुधीर शर्मा का स्वागत किया। उन्हें बताया कि इससे पहले 27 मार्च को श्री इंद्रु नाग देवता के मंदिर में हवन, पूजा अर्चना व खेलपात्र के साथ-साथ ध्वज चढ़ा। 28 मार्च शनिवार को को इंद्रु नाग देवता की छड़ी मुख्य मंदिर से पहले कोटासनी माता मंदिर व उसके बाद पटोला मैदान तक लाई गई और पटोला मैदान अखाड़ा में दंगल हुआ। 29 मार्च को श्री इंद्रु नाग देवता की छड़ी फिर से मैदान पहुंची। यहां पर नामी पहलवानों ने अपना दांव पेंच दिखाया। मेले के सफल आयोजन के लिए ग्रामीणों का सहयोग मिला है। वहीं, कमेटी के अध्यक्ष कैप्टन ईश्वर ठाकुर, महासचिव कमलेश चंद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज कुमार, लव कुमार छेत्री, परुषोत्तम चंद दाडनू, शिवराज थापा, कोषाध्यक्ष जगदीश चंद, सहायक कोषाध्यक्ष राजेश खरोटिया, उपकोषाध्यक्ष सुरजीत सिंह, उपकोषाध्यक्ष राजिंद्र कुमार हिप्पी, मुख्य सलाहकार बिचित्र सिंह, सलाहकार प्रशोत्तम चंद, प्रवक्ता देसराज पठानिया, वीर सिंह, प्रशोत्तम सोती, राजेंद्र जोगी, संजय भट्ट, शुभकरण, सूबेदार जगदीश चंद, नितिन कुमार, ठाकुर हरदीप सिंह, जोगिंद्र सिंह, हरदीप सिंह, हैप्पी गोल्डी, सुभाष भुंखू, सुभाष शर्मा, दर्शन कुमार, कमलेश कपूर, नीरज पाधा, गोल्डी हैप्पी सहित पूरी टीम मेहनत से जुटी है।

विधायक सुधीर शर्मा ने पहलवानों को बांटे पुरस्कार। अनंत ज्ञान

एससी-एसटी विकास निधि कानून के लिए पहली से शुरू होगी सामाजिक न्याय यात्रा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निधि के लिए विशेष कानून बनाने की मांग को लेकर 1 अप्रैल 2026 से प्रदेशभर में विधानसभा स्तर पर सामाजिक न्याय यात्रा शुरू की जाएगी। इस यात्रा की शुरुआत जिला चंबा से होगी। राज्य गठबंधन की ओर से प्रेस बयान में बताया कि यात्रा के दौरान हर घर दस्तक अभियान चलाया जाएगा और लोगों को इस कानून की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया जाएगा।

14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर संबंधित विधायकों के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में सरकार से चुनाव घोषणा पत्र में किए गए वादे के अनुसार एससी-एसटी विकास निधि कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की जाएगी। गठबंधन के अनुसार, इस मांग को लेकर मार्च 2023 में राज्य स्तर पर एक गठबंधन का गठन किया गया था। इसके बाद पिछले पांच वर्षों की योजनाओं और कार्यक्रमों का अध्ययन कर एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट के आधार पर 2023 के मानसून सत्र के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री और जनजातीय विकास मंत्री से चर्चा की गई। आगे चलकर 1 फरवरी 2024 को 15 से अधिक विधायकों के समर्थन पत्र के साथ प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। इसके बाद 14 मार्च 2024 को एक ड्राफ्ट बिल भी तैयार कर भोरंज के विधायक डॉ. सुरेश कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा गया। 19 दिसंबर 2024 को तपोवन में शीतकालीन सत्र के दौरान भी इस मुद्दे को दोबारा उठाया गया। गठबंधन का कहना है कि अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इसी कारण अब इस मुद्दे को जनआंदोलन का रूप देते हुए सामाजिक न्याय यात्रा शुरू की जा रही है।

आगाज शाहपुर में शहीद पवन कुमार के पिता ने किया तीन दिवसीय छिंज मेले का आगाज

1.51 लाख की माली के लिए आज भिड़ेंगे पहलवान

अनंत ज्ञान

कोहली, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में रविवार को पारंपरिक तीन दिवसीय छिंज मेले का आगाज हुआ, जिसमें खेल के साथ-साथ देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले के उद्घाटन समारोह में शहीद पवन कुमार के पिता गरजो राम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से मेले का शुभारंभ किया।

इस भावुक क्षण के दौरान पूरा शाहपुर मैदान भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। मेला कमेटी ने शहीद परिवार को यह विशेष सम्मान देकर समाज में वीरता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मेला कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि शाहपुर के ऐतिहासिक मैदान में दो दिवसीय विशाल दंगल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 30 मार्च को छोटा छिंज मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय और नवोदित पहलवान अपनी कुश्ती के जौहर दिखाएंगे। वहीं, मेले का मुख्य आकर्षण 31 मार्च को होने वाला बड़ा छिंज मेला रहेगा, जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार दंगल का रोमांच सातवें आसमान पर है क्योंकि 31 मार्च को होने वाली बड़ी माली की कुश्ती के लिए 1 लाख 51 हजार रुपए की राशि रखी गई है। इस प्रतिष्ठित खिताब और इनामी राशि को जीतने के लिए उत्तर भारत के पांच राज्यों हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के नामी पहलवान शाहपुर पहुंच रहे हैं। अभिषेक के अनुसार, अखाड़े में इन दिग्गजों के बीच होने वाली भिड़ंत इस बार के मेले का मुख्य केंद्र रहेगी। प्रशासन और मेला कमेटी ने दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए बैठने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और आम जनता में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। अब सभी की निगाहें 31 मार्च के फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां पांच राज्यों के सूरमा अपनी ताकत और तकनीक का लोहा मनवाएंगे। इस मौके पर हंसराज ठाकुर, बिंदा ठाकुर, अजय, कपिल, देवेंद्र ठाकुर, शमशेर ठाकुर, केवल, कुलजीत ठाकुर, केहर सिंह ठाकुर, शुभम, सुरेंद्र ठाकुर, अमन ठाकुर, महेंद्र पाधा, राजेंद्र पाधा, प्रेम सिंह ठाकुर, बलदेव ठाकुर आदि मौजूद रहे।

शाहपुर में तीन दिवसीय छिंज मेले का शुभारंभ करते शहीद पवन कुमार के पिता। अनंत ज्ञान

सुक्खू सरकार ने प्रदेश को आर्थिक और प्रशासनिक रूप से बर्बाद किया : राकेश

- कहा- 45 हजार करोड़ कर्ज लेने के बावजूद सरकार का खजाना खाली

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राकेश शर्मा ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार पर प्रदेश को आर्थिक और प्रशासनिक रूप से बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों को स्थाई नौकरी नहीं दी गई, विकास कार्य ठप हैं, और हिमाचल जैसी पहाड़ी राज्य की वित्तीय स्थिति आपातकाल की ओर बढ़ रही है। राकेश शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव में जो गारंटियां युवाओं, महिलाओं और किसानों को दी थी, वे आज तक पूरी नहीं हुईं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन गारंटियों को ठंडे बस्ते में डाल दिया, जबकि जनविरोधी फैसले लेकर और संस्थान बंद कर दिखाए। राकेश शर्मा ने कहा कि सुक्खू सरकार ने 45 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया, लेकिन बावजूद इसके प्रदेश की आर्थिक स्थिति खराब है। निजी अस्पतालों में हिमकेयर योजना को बंद किए जाने का भी उन्होंने विरोध किया। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि आपदा राहत के नाम पर केवल 165 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जबकि 4500 करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी। भाजपा प्रवक्ता ने प्रदेश के कर्मचारियों की देय पेंशन और एरियर भुगतान में देरी पर भी नाराजगी जताई और कहा कि सरकार ने खजाने का फिजूलखर्ची और सीपीएस पदों पर दुरुपयोग किया है। शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि सुक्खू सरकार उद्योगों को बर्बाद कर रही है और माफिया तंत्र उद्योगपतियों को डराकर उन्हें प्रदेश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहा है।

मेडिकल कॉलेज, बस स्टैंड और इंडोर स्टेडियम से जिले को मिलेगी नई पहचान

निर्माण कार्य ने किया अंतिम चरण में प्रवेश, जिले के विकास को मिलेगा बल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। विकास की पटरी को आगे बढ़ाने के लिए जिले में इस समय अरबों रुपए की परियोजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। इनमें से कुछ परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनसे न केवल जिले के विकास को नया बल मिलेगा, बल्कि इससे हिमाचल प्रदेश के सबसे छोटे जिले को एक नई पहचान भी मिलेगी।

इन्हीं परियोजनाओं में से एक है जोल सप्पड़ में बन रहा डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज (आरकेजीएमसी) हमीरपुर का नया कैंपस। इस मेडिकल कॉलेज को एक उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां आने वाले समय में 8 सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार ने मंजूरी प्रदान की है। जोल सप्पड़ में मेडिकल कॉलेज के विभिन्न भवनों एवं ब्लॉकों के लिए लगभग 500 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। नए परिसर में अकैडमिक ब्लॉक और अस्पताल भवन का कार्य पूरा हो चुका है। इसी परिसर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक, सभागार और अन्य भवनों के कार्य भी प्रगति पर हैं। यहां कैंसर केयर संस्थान के निर्माण के लिए 90 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। यहीं पर नर्सिंग कॉलेज, डेंटल कॉलेज, 200 बिस्तर का मदर-चाइल्ड अस्पताल, नशा मुक्ति एवं उपचार केंद्र, प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास और अन्य भवनों के निर्माण कार्य शुरू करने के लिए भी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

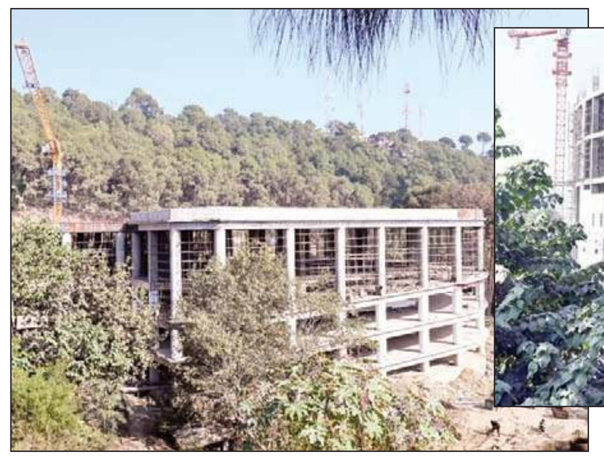

हमीरपुर जिले में तीन बड़ी परियोजनाओं मेडिकल कॉलेज, बस स्टैंड और इंडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य तेजी से जारी। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू का कहना है कि इस मेडिकल कॉलेज पर प्रदेश सरकार विभिन्न चरणों में 1000 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि खर्च करेगी। हमीरपुर को नई पहचान देने जा रही दूसरी बड़ी परियोजना है अंतर्राज्यीय बस अड्डे का निर्माण। प्रदेश के मध्य में स्थित हमीरपुर शहर में पिछले दो दशकों से एक नए एवं बड़े अंतरराज्यीय बस अड्डे की जरुरत महसूस हो रही थी, लेकिन किन्हीं कारणों से यहां नए बस अड्डे का कार्य आरंभ नहीं हो पा रहा था। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व जब हमीरपुर में नए अंतरराज्यीय बस अड्डे का निर्माण कार्य आरंभ हुआ तो जिलावासियों की एक बहुत बड़ी मांग पूरी होती नजर आई। आज इस बस अड्डे का कार्य युद्धस्तर पर जारी है और इस पर लगभग 125 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस बहुमंजिला बस स्टैंड में बसों और अन्य वाहनों के लिए पार्किंग के अलावा कई सरकारी और अर्ध सरकारी कार्यालयों के संचालन के लिए भी बेहतरीन व्यवस्था रहेगी। यह हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा बस अड्डा होगा और इसके माध्यम से हमीरपुर शहर को एक नई पहचान मिलेगी। जिले में अगर तीसरी बड़ी परियोजना की बात करें तो वह है, नादौन में निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम।

नादौन के खरीड़ी मैदान में लगभग 115 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस इंडोर स्टेडियम में कुल 17 खेलों के लिए वर्ल्ड क्लास सुविधाओं का प्रावधान किया जा रहा है। यह इंडोर स्टेडियम न केवल हिमाचल प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक वरदान साबित होगा, बल्कि नादौन सहित पूरे हमीरपुर जिले का नाम खेल जगत में रोशन करेगा। इन तीन बड़ी परियोजनाओं के अलावा भी जिले में करोड़ों रुपए की कई ऐसी परियोजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं, जोकि जिला के चहुमुखी विकास को बल देंगी।

न्यूज ब्रीफ

206 लड़कियों ने लगवाई एचपीवी वैक्सीन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर जिले में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय की ग्रीवा का कैंसर) से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी 6 स्वास्थ्य खंडों में 14-15 वर्ष की 206 लड़कियों ने टीका लगवाया। टीकाकरण के लिए 32 स्वास्थ्य संस्थानों में केंद्र स्थापित किए गए थे। स्वास्थ्य खंड बड़सर में 44, टौणी देवी में 43, भोरंज में 29, सुजानपुर में 21, नादौन में 16 और गलोड़ में 53 लड़कियों ने टीके लगवाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण चौधरी और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाना है, और सरकार ने यह टीका मुफ्त उपलब्ध कराया है।

हिमाचल की टीम ने किया फाइनल में प्रवेश

अनंत ज्ञान, जाहू। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 27-29 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय जूनियर फास्ट फाइव नेटबॉल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के लड़कों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार उप विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। टीम ने क्वार्टर फाइनल में पुडुचेरी को 28-13 से हराकर सेमीफाइनल में दिल्ली को 25-10 से मात दी। फाइनल मुकाबले में पंजाब के खिलाफ कांटे की टक्कर के बाद, हिमाचल प्रदेश को 29-28 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश नेटबॉल संघ के पदाधिकारियों ने इस शानदार उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई दी।

जौंटी गुज्जर और निशांत के बीच होगी बड़ी माली

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। झरलोग-पट्टा दंगल इस वर्ष भी 31 मार्च को आयोजित किया जाएगा। दंगल की प्रमुख कुश्ती दिल्ली के जौंटी गुज्जर और निशांत लाढ़पुरा के बीच होगी। इसके अलावा, सीधी कुश्तियों में विभिन्न अखाड़ों के पहलवान भी भाग लेंगे, जिससे दंगल का आकर्षण और बढ़ेगा। छोटी माली की कुश्ती हिमाचल के युवा पहलवानों के बीच होगी। इस वर्ष दंगल में हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाएगा। दंगल 12 बजे के बाद शुरू होगा और देर शाम तक चलेगा। दंगल के आयोजन में झरलोग, पट्टा, लडवीं, फाफन और सनेड़ गांवों का सहयोग रहता है। कमेटी के सदस्य क्षेत्रवासियों से दंगल में भाग लेने की अपील कर रहे हैं।

नायब तहसीलदार मंजीत ठाकुर का तबादला

अनंत ज्ञान, गलोड़। गलोड़ तहसील में पिछले एक साल से सेवाएं दे रहे नायब तहसीलदार मंजीत ठाकुर का तबादला बिलासपुर जिले के घुमारवीं तहसील के लिए कर दिया गया है। सरकार ने यह तबादला सरकारी सेवाओं को और अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया है। 15 दिन पहले मंजीत ठाकुर को बाबा बालक नाथ मंदिर दियोट सिद्ध में मंदिर अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था, लेकिन वे सिर्फ चार घंटे ही इस पद पर रहे। उनका कार्यक्षेत्र व्यापक रूप से चर्चित था, और मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में लोगों ने उनके तबादले की इच्छा जताई थी। अब, मंजीत ठाकुर घुमारवीं में अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

शिक्षक दलवीर की सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित

अनंत ज्ञान, भोरंज। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दरव्यार में सेवारत टीजीटी दलवीर सिंह डोगरा का सेवानिवृत्ति समारोह मनोह में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश टीजीटी कला संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल और हमीरपुर जिला के अध्यक्ष संजय वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में दलवीर सिंह डोगरा को टीजीटी संघ की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सुरेश कौशल ने कहा कि दलवीर सिंह डोगरा ने अपनी सेवाओं के दौरान बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी और संघ के साथ मिलकर शिक्षक वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य किया। उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद भी मार्गदर्शन और सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष संजय वर्मा, भोरंज ब्लॉक अध्यक्ष संजय रणौत, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक मेहर सिंह, महासचिव जोगिंद्र कुमार, अजीत सिंह, बीरवल शर्मा, पवन रांगड़ा, त्रिलोक चंद डोगरा व अन्य उपस्थित रहे।

हमीरपुर में अनियंत्रित होर्डिंग्स से शहर की सुंदरता पर लगा ग्रहण

हर्ष कालिया ने हार्डिंग्स की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण करने के लिए नगर निगम को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हमीरपुर शहर और इसके आसपास के इलाकों में अनियंत्रित होर्डिंग्स की बढ़ती संख्या ने शहर की सुंदरता को प्रभावित किया है। खासकर शिक्षा संस्थानों के दाखिलों के दौरान इन होर्डिंग्स का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है, जिससे पूरे शहर में अव्यवस्था फैल गई है। स्कूलों, अकादमियों और कोचिंग संस्थानों के विज्ञापन अब हर सड़क पर दिखने लगे हैं।

यह स्थिति पिछले साल भी उत्पन्न हुई थी, लेकिन तब नगर निगम ने बिना अनुमति के लगाए गए होर्डिंग्स को हटा दिया था। अब फिर से यह सिलसिला चालू हो चुका है और होर्डिंग्स ऐसी जगहों पर लगाए जा रहे हैं, जहां से न केवल दृश्य प्रदूषण बढ़ रहा है, बल्कि यातायात और चलने-फिरने में भी रुकावटें उत्पन्न हो रही हैं। नगर परिषद के पूर्व मनोनीत पार्षद डॉ. हर्ष कालिया ने इस मुद्दे को उठाया है और नगर निगम के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि इस पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि होर्डिंग्स और विज्ञापन अव्यवस्थित तरीके से शहर में लग रहे हैं, जो शहर की सुंदरता के लिए खतरा बन गए हैं। डॉ. कालिया ने बताया कि होर्डिंग्स से न केवल दृश्य प्रदूषण हो रहा है, बल्कि यह शहर के बुजुर्गों और बच्चों के लिए भी खतरे की वजह बन रहे हैं। उन्होंने नगर निगम से आग्रह किया है कि विज्ञापनों के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित किया जाए, और इन होर्डिंग्स के लिए सख्त नियम बनाए जाएं। इसके अलावा, जो संस्थाएं अनियंत्रित होर्डिंग्स लगाती हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाए और इस प्रक्रिया से प्राप्त राजस्व का उपयोग शहर के विकास कार्यों में किया जाए। डॉ. कालिया ने यह भी सुझाव दिया कि नगर निगम समय-समय पर सफाई अभियान चलाए और सार्वजनिक स्थानों पर विज्ञापन के लिए उचित अनुमति प्रक्रिया लागू करे, ताकि शहर की सुंदरता बनी रहे और शहरवासियों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

डॉक्टर कालिया ने होर्डिंग्स मुद्दे पर सौंपा ज्ञापन। अनंत ज्ञान

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, भोरंज। भोरंज के अंतर्गत स्थित कक्कड़ सहकारी सभा का 79वां वार्षिक साधारण अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभा के लगभग 450 सदस्यों ने भाग लिया, जिससे आयोजन की सफलता और बढ़ी। सभा के सचिव भवानी दत्त शर्मा ने बताया कि इस अधिवेशन का उद्देश्य पिछले वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा, वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करना और आगामी योजनाओं पर चर्चा करना था। सचिव ने वार्षिक प्रतिवेदन में सभा की आय-व्यय, योजनाओं की प्रगति और सदस्यों को दी गई सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत किया। सभा ने किसानों और स्थानीय लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिससे क्षेत्र का आर्थिक विकास हुआ। अधिवेशन के दौरान ऋण वितरण, कृषि सहायता, उपभोक्ता सेवाओं में सुधार और नई योजनाओं के विषय पर विचार-विमर्श हुआ। अधिवेशन के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सभी ने सहकारिता की भावना को सुदृढ़ करने और सभा के उज्जवल भविष्य के लिए संकल्प लिया।

पेंशनरों की मांगों को पूरा न करने पर पेंशनरों ने जताया आक्रोश

पेंशनर्स संघ का 29वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिम आंचल पेंशनर्स संघ का 29वां स्थापना दिवस रविवार को पेंशनर भवन, हमीरपुर में धूमधाम से मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष केसी गौतम ने की, जबकि मंच संचालन प्रदेश महासचिव ओम राज कंवर द्वारा किया गया। इस अवसर पर संघ के संस्थापक सदस्य विष्णु दत्त शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में संघ के 29 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला गया और संस्थापक सदस्यों के योगदान की सराहना की गई। संघ ने पेंशनरों के हित में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी और पेंशनरों की लंबित मांगों पर चर्चा की। प्रमुख मुद्दों में जनवरी 2016 से पेंशन संशोधन, महंगाई भत्ते का भुगतान, लंबित चिकित्सा बिलों और चिकित्सा भत्ते में बढ़ोतरी शामिल थे। प्रदेश अध्यक्ष केसी गौतम ने पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से शीघ्र कार्रवाई की अपील की। वहीं, मांगों को पूरा न करने पर आक्रोश जताया।

उन्होंने बताया कि संघ के चार कार्यकालों में मुख्यमंत्री से मिलकर पेंशनरों के लिए राहत प्राप्त की है, जिसमें महंगाई भत्ते का बढ़ोतरी और चिकित्सा बिलों के भुगतान का आश्वासन शामिल है। समारोह में संघ के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने पेंशनरों के भविष्य को लेकर अपने विचार साझा किए।

31 के बाद मेला ग्राउंड में सभी गतिविधियां को हों बंद : शैलेंद्र

◆ **सुजानपुर व्यापार मंडल ने प्रशासन से की मेला ग्राउंड खाली करवाने की मांग**

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर के व्यापारियों ने मेला ग्राउंड में चल रहे व्यापार को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि मेला की निर्धारित अवधि 25 मार्च तक थी, लेकिन एक सप्ताह अतिरिक्त मेला चलने दिया गया है। अब, 31 मार्च के बाद मेला ग्राउंड को पूरी तरह खाली किया जाना चाहिए और किसी भी सूरत में मेला नहीं चलने दिया जाएगा। शैलेंद्र गुप्ता ने बताया कि स्थानीय विधायक के साथ बातचीत के बाद 1 से 25 मार्च तक मेले को आयोजित करने की अनुमति दी गई थी, और प्रशासन ने इसके लिए लिखित आदेश जारी किए थे, लेकिन 25 मार्च के बाद भी मेला जारी रखा गया है।

व्यापारी वर्ग की सहमति से एक सप्ताह और मेला चलाने की अनुमति दी गई थी, परंतु अब 31 मार्च के बाद मेला ग्राउंड में किसी भी प्रकार की दुकानदारी न हो, इसके लिए प्रशासन को निर्देश दिए जाने चाहिए। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि 31 मार्च के बाद मेला ग्राउंड में सभी सुविधाएं, जैसे बिजली और पानी, बंद कर दी जाएं, और पार्किंग की पर्ची काटना भी बंद कर दिया जाए। गुप्ता ने कहा कि यदि प्रशासन इस पर कार्रवाई नहीं करता है, तो व्यापार मंडल और व्यापारी अपने स्तर पर मेला ग्राउंड खाली करवाने की कार्रवाई करेंगे, और अगर स्थिति नहीं सुधरती तो वे अपने प्रतिष्ठान बंद करके प्रशासन को चाबियां सौंप देंगे। व्यापारी वर्ग ने मेला ग्राउंड के व्यापार से लगातार प्रभावित होने की बात भी की है। बाजार में मंदी के कारण दुकानदारों को अपनी मासिक किराया भरने में कठिनाई हो रही है, साथ ही जीएसटी और अन्य खर्चों का बोझ भी बढ़ गया है। शैलेंद्र गुप्ता ने प्रशासन से अनुरोध किया कि 31 मार्च के बाद मेला ग्राउंड में सभी गतिविधियों को बंद किया जाए और उसे खाली करवा लिया जाए।

बाबा बालक नाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 22 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

◆ **खराब मौसम भी नहीं रोक सका श्रद्धालुओं की श्रद्धा, लाखों रुपए का चढ़ा चढ़ावा**

अनंत ज्ञान

एसके, बड़सर। उत्तरी भारत के विश्व प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मंदिर दियोटसिद्ध बाबा बालकनाथ मंदिर में चल रहे चैत्र माह के मेलों के दौरान श्रद्धालुओं की गहरी आस्था देखने को मिल रही है। देश-विदेश से लगभग 22 के करीब श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन करके बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। थे। हालांकि, सुबह-सुबह मौसम बहुत ज्यादा खराब होने के चलते भी श्रद्धालुओं के पांव नहीं रुके।

सारा मंदिर परिषद बाबा जी के उद्घोष से गूंज रहा था। गुफा दर्शनों के बाद श्रद्धालु महंत श्रीश्री 1008 राजेंद्र गिरि जी महाराज के निवास स्थान पर जाकर आशीर्वाद लेने के लिए पहुंच रहे थे। रविवार को मंदिर में हुई गिनती के अनुसार भक्तों ने लाखों रुपए का चढ़ावा अर्पित किया।

मंदिर प्रशासन द्वारा जारी विवरण के मुताबिक 29 मार्च को कुल 26,72,324 रुपए चढ़ावे के रूप में प्राप्त हुए, जबकि 13,04,950 रुपए दान स्वरूप जमा हुए। इस तरह कुल राशि 39,77,274 रुपए रही। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने सोना-चांदी भी अर्पित किया, जिसमें 5 ग्राम 165 मिलीग्राम सोना और 244 ग्राम 410 मिलीग्राम चांदी शामिल है। मंदिर में देश-विदेश से भी श्रद्धालु पहुंचे। विदेशी मुद्रा में इंग्लैंड पाउंड, यूएस डॉलर, यूरो, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया डॉलर सहित खाड़ी देशों की मुद्रा भी चढ़ावे में शामिल रही। चैत्र मेले के चलते प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मंदिर में माथा टेक रहे हैं। प्रशासन के अनुसार एक दिन में लगभग 20 से 22 हजार श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। मंदिर अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि चैत्र मेले के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि दर्शन के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बाबा बालक नाथ के दर्शनों के लिए जाते श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

रोष पनसाई, डोहग, डढ्ढूं, बेहा, मांजरा और दरताल के ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

तारकोल प्लांट शिफ्ट नहीं किया तो होगा आंदोलन

अनंत ज्ञान

धनेटा। मान खड्ड में बने तारकोल प्लांट से उठ रहे धुएं से लोग चिंतित हैं। लोगों का कहना है कि यह धुआं उनके स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। यह प्लांट हमीरपुर जिले के नादौन उपमंडल की पनसाई और धनेटा पंचायत की सीमा पर है। मान खड्ड में स्थापित यह तारकोल का मिक्सर प्लांट लोगों के जीवन पर बन आया है। मान खड्ड में चल रहा तारकोल (बिटुमिन) मिक्सर प्लांट अब स्थानीय लोगों के लिए चिंता का कारण बनता जा रहा है।

प्लांट से निकलने वाला काला धुआं और धूल आसपास के गांवों में फैलकर लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। पनसाई, डोहग, डढ्ढूं, बेहा, मांजरा के सैकड़ों लोगों को इस परेशानी से जूझना पड़ रहा है। यह प्लांट प्राथमिक स्कूल बेहा से महज 400 मीटर दूर है, आबादी से इसकी दूरी करीब 150 मीटर है, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनेटा से इसकी एरियल व्यू से दूरी महज एक किलोमीटर है। ऐसे में यहां से निकलने वाला यह धुआं हर किसी के लिए घातक साबित हो रहा है। स्थानीय निवासी एवं भाजयुमो के पूर्व प्रदेश सचिव जगदीप शर्मा का कहना है कि इस तारकोल मिक्सर प्लांट से दिनभर गाढ़ा काला धुआं निकलता रहता है, जो हवा के साथ आसपास के रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहा है। पनसाई पंचायत के आते गांवों डोहग, डढ्ढूं, बेहा व मांजरा के लोगों का आरोप है कि प्लांट संचालक द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस प्लांट को अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। ऐसा न करने पर यहां आंदोलन किया जाएगा।

धनेटा के साथ मान खड्ड में लगाया प्लांट। अनंत ज्ञान

ग्रामीण बोले- सांस लेने में हो रही दिक्कत

ग्रामीणों का कहना है कि इस धुएं से सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, तारकोल प्लांट से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) जैसे खतरनाक तत्व होते हैं, जो लंबे समय तक संपर्क में रहने पर दमा, फेफड़ों के संक्रमण और यहां तक कि हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह और शाम के समय धुआं ज्यादा घना हो जाता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। कई लोगों ने लगातार खांसी और एलर्जी की शिकायत भी की है।

इसी खड्ड से होती है कई गांवों के लिए पीने के पानी की सप्लाई

पनसाई पंचायत के पूर्व प्रधान दिनेश शर्मा का कहना है कि मान खड्ड का यह मामला सिर्फ एक पंचायत का नहीं, बल्कि ग्रामीण इलाकों में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण की बड़ी तस्वीर पेश करता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या आने वाले समय में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। नादौन बीडीसी के पूर्व चेयरमैन कमल दत्त शर्मा का कहना है कि यह लोगों के स्वास्थ्य से सीधा सीधा खिलवाड़ है। इसी खड्ड से कई गांवों को पीने का पानी सप्लाई होता है। प्रशासन से आग्रह है कि इसे अन्यत्र शिफ्ट किया जाए, ताकि लोगों के जीवन पर बुरा असर न पड़े।

मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है : रुचि सिंगला

गरीब असहाय सहायता संस्था भरेड़ी का वार्षिक अधिवेशन आयोजित

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज की गरीब असहाय सहायता संस्था भरेड़ी का वार्षिक अधिवेशन रविवार को स्थानीय केआरएम होटल में संस्था के अध्यक्ष अरुण कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें चंडीगढ़ ड्रीम प्रॉपर्टी के मालिक एवं अग्रसेन सभा के उपाध्यक्ष लोकेश सिंगला तथा उनकी धर्मपत्नी रुचि सिंगला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था के संस्थापक एवं सेवानिवृत्त खंड चिकित्साधिकारी डॉ. पीसी सैनी ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि संस्था ने बीते एक वर्ष में 86 गरीब व जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। पिछले 22 वर्षों में संस्था द्वारा लगभग 90 लाख रुपए की राशि जरूरतमंदों को वितरित की जा चुकी है। कार्यकारिणी सदस्यों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में 47 ग्रामीण प्रबंधक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में संस्था के सदस्यों की संख्या 2141 तक पहुंच चुकी है। मुख्य अतिथि रुचि सिंगला ने संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में संस्था से जुड़ने और समाज सेवा के कार्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।

साथ ही संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने 51 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान संस्था से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई तथा भविष्य में उनके मार्गदर्शन व सहयोग की अपेक्षा जताई गई। इस अवसर पर स्वरूप सैनी, एसएन शौरी, सलोचना अरोड़ा, महासचिव केसी सहगल, जेसी शर्मा, विधि चंद कौशल, ब्लॉक समिति अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गारला, वतन सिंह डोगरा, विद्यासागर शर्मा, रमेश कौशल, सिमरो कौशल, कश्मीर सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष रमेश कौशल, वीरेंद्र चौधरी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सुभाष कपिल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

70 महात्माओं का दल कांगड़ा के लिए रवाना

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा के मुगला स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन से रविवार प्रातः लगभग 70 युवा महिला और पुरुष निरंकारी महात्माओं का दल कांगड़ा के लिए रवाना हुआ। यह दल आगामी 30 अप्रैल, 1 और 2 मई को जिला कुल्लू में आयोजित होने वाली राज्यस्तरीय निरंकारी युवा संगोष्ठी के सांस्कृतिक और क्रीड़ात्मक प्रस्तुतियों के अंतिम चयन के लिए भेजा गया है। सत्संग भवन में साप्ताहिक सत्संग महात्मा डॉ. राजेंद्र की अध्यक्षता में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। साहो, जडेरा, राख, जांगी, मैहला और मंगला क्षेत्रों से आए संतों एवं महात्माओं ने सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज के संदेशों को भजनों और विचारों के माध्यम से प्रस्तुत कर युवाओं को प्रेरित किया। डॉ. राजेंद्र ने बताया कि चयन प्रक्रिया में अनुभवी निर्णायक मंडल द्वारा एकल, युगल और समूह प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया जाएगा। राज्यस्तरीय संगोष्ठी में हिमाचल प्रदेश और जम्मू के सैकड़ों युवा भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं में आध्यात्मिक चेतना, अनुशासन, नेतृत्व और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करना है।

बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की बैठक में संगठनात्मक मजबूती पर जोर

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा में संगठनात्मक मजबूती को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ, मंडल चंबा के अंतर्गत साहू, करीआ, खजियार और कोटी मंडलों की संयुक्त बैठक तड़ोली स्थित ठाकुर होम स्टे में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वेद व्यास ठाकुर ने की। इसमें संगठन के विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में बुद्धिजीवी वर्ग की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। वेद व्यास ठाकुर ने जोर देकर कहा कि 'समाज और राष्ट्र निर्माण में बुद्धिजीवियों की भूमिका निर्णायक होती है। संगठन को पार्टी की मूल विचारधारा के अनुरूप मजबूत बनाना समय की मांग है।' बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने, जमीनी सक्रियता बढ़ाने और नए सदस्यों को जोड़ने की रणनीति पर मंथन किया गया। अशोक शर्मा, देव राज शर्मा, मोहिंदर सिंह, चुनी लाल, प्रेम लाल और अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा समाज को नई दिशा व मजबूत आधार देती है

सुनील पहाड़ी, अनंत ज्ञान, सलूणी। सलूणी क्षेत्र में एकल अभियान संभाग हिमाचल (भाग चंबा) द्वारा रविवार को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम ने ग्रामीण शिक्षा व संस्कारों को लेकर नई ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया, जिससे स्पष्ट हुआ कि गांवों में शिक्षा के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। वक्ताओं ने बताया कि एकल अभियान बच्चों को प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उनमें नैतिक मूल्यों और संस्कारों का विकास भी कर रहा है। दूर-दराज के क्षेत्रों में यह अभियान उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है। एकल शिर्डी महिला समूह की सक्रिय भागीदारी ने शिक्षा के प्रसार को जन-आंदोलन बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष मदन ठाकुर मुख्यातिथि थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज को नई दिशा और मजबूत आधार देती है। एकल अभियान जैसे प्रयास प्रदेश के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर मुकेश शर्मा, रमेश अत्रि, अजय ठाकुर, व्यास देव, रमेश कुमार, महिंद्र सिंह, चमन सिंह, अनीता और सपना शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने ग्रामीण शिक्षा के प्रसार के लिए संकल्प लिया।

63 बालिकाओं को मिला सुरक्षा कवच

अनंत ज्ञान, चंबा। विकासखंड चूड़ी में रविवार को प्रतिकूल मौसम व दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद HPV (कैंसर रोधी) टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सुबह से हो रही बारिश और पहाड़ी इलाके की चुनौतियों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की तत्परता ने अभियान को प्रभावी बनाए रखा। अभियान के तहत ब्लॉक चूड़ी के दोनों कोल्ड चेन प्वाइंट सीसीपी मेहला और सीसीपी चूड़ी में बालिकाओं का टीकाकरण किया गया। सीसीपी मेहला में 35 और सीसीपी चूड़ी में 28 बालिकाओं को वैक्सीन दी गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. शिवराज सिंह ने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। उन्होंने 14-15 वर्ष आयु वर्ग की सभी बालिकाओं के अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण कराएं, ताकि भविष्य में गंभीर बीमारियों, विशेषकर कैंसर से सुरक्षा मिल सके। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि अभियान आगामी दिनों में और तेजी से चलाया जाएगा।

आठ महीने कैद पांगी, सुरंग फाइलों में दबी

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। पांगी घाटी आज भी 21वीं सदी में बुनियादी कनेक्टिविटी के लिए जूझ रही है। बड़े-बड़े विकास के दावों के बीच पांगी के लोग हर साल 8 महीने तक लगभग देश से कटे रहते हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि अब यह मुद्दा केवल विकास का नहीं, बल्कि अस्तित्व का बन चुका है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

पांगी कल्याण संघ चंबा के अध्यक्ष भगत बड़ोत्रा ने सरकारों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि 'पांगी को सिर्फ चुनावों में याद किया जाता है, बाकी समय इसे अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है।' उन्होंने कहा कि अगर अब भी ठोस निर्णय नहीं लिए गए, तो आने वाले समय में पांगी खाली हो सकता है। करीब 13 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित चेहणी सुरंग जिससे 88 किलोमीटर फासला जो कि किलाड़ को तीसा से कम करेगा, पांगी के लिए जीवनरेखा मानी जा रही है। वर्ष 2014 में इस परियोजना की प्री फिजीबिलिटी रिपोर्ट में तैयार की गई, लेकिन 12 साल बाद भी यह कागजों से बाहर नहीं निकल पाई है। उस समय 1990 करोड़ रुपए आंकी गई लागत अब बढ़कर 5000-6000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब हर साल अस्थायी व्यवस्थाओं पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं, तो स्थायी समाधान पर निर्णय लेने में देरी क्यों?

सर्दियों में हालात हो जाते हैं और भी भयावह

पांगी घाटी की वास्तविकता चौंकाने वाली है। साच पास मार्ग, जो चंबा से लगभग 190 किलोमीटर लंबा है, साल में केवल 3-4 महीने जुलाई से अक्तूबर तक ही खुल पाता है। इस दौरान भी यात्रा जोखिम भरी और समय लेने वाली होती है। सर्दियों में हालात और भयावह हो जाते हैं। उस समय पांगी के लोगों को चंबा मुख्यालय पहुंचने के लिए पहले जम्मू-कश्मीर या फिर लाहौल के उदयपुर से होते हुए अटल टनल के रास्ते कुल्लू जाना पड़ता है। यह यात्रा न केवल सैकड़ों किलोमीटर लंबी होती है, बल्कि समय, पैसा और जान-तीनों पर भारी पड़ती है। कई बार यह दूरी 700 से 1000 किलोमीटर तक पहुंच जाती है-सिर्फ एक जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए। सवाल उठता है-क्या यही 'विकास' है?

राजनीतिक उपेक्षा या सुनियोजित अनदेखी?

लगातार उपेक्षा से नाराज पांगी के लोग अब अलग विधानसभा क्षेत्र की मांग कर रहे हैं। 25-30 हजार की आबादी वाला यह क्षेत्र खुद को राजनीतिक रूप से हाशिए पर महसूस कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक पांगी का अपना प्रतिनिधि नहीं होगा, तब तक यहां की समस्याएं सिर्फ फाइलों में ही घूमेंगी।

करोड़ों खर्च, समाधान शून्य

हर साल साच पास को खोलने के लिए 4 से 5 करोड़ रुपए केवल बर्फ हटाने में खर्च किए जाते हैं। पिछले 20 वर्षों में मरम्मत पर सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। यदि यही स्थिति जारी रही, तो अगले 20-30 वर्षों में यह खर्च 5000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

स्वास्थ्य और शिक्षा, सबसे बड़ी त्रासदी

कनेक्टिविटी की कमी का सबसे दर्दनाक असर स्वास्थ्य और शिक्षा पर पड़ा है। न ही वहां पर सीटी स्कैन और न ही एमआरआई ई-सुविधा है तथा गंभीर मरीजों को कुल्लू या जम्मू-कश्मीर ले जाना पड़ता है, जहां की रस्ते टूटे व खराब हैं और अगर बर्फ पड़ी हो 4 से 5 फुट तब कई लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। घाटी में उच्च शिक्षा की सुविधाएं न के बराबर हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में युवा व परिवार पांगी छोड़ने को मजबूर हैं। पिछले 40-50 वर्षों में करीब 1000 परिवार या तो चंबा मुख्यालय या फिर कुल्लू में पलायन कर चुके हैं, जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरे की घंटी है।

हेली सेवा बंद, जनता लाचार

पहले चंबा से पांगी के बीच हेली टैक्सी सेवा चलती थी, जिससे मात्र 25 मिनट में सफर पूरा हो जाता था, लेकिन इसे बंद कर दिया गया। अब लोगों के पास खतरनाक सड़कों के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जो कि सरासर एक गलत फैसला था प्रशासनिक कार्यों चाहे न्यायिक हों या राजस्व के लिए लोगों को बार-बार चंबा जाना पड़ता है, जो किसी सजा से कम नहीं सिंगल लाइन एडमिनिस्ट्रेशन भी नहीं है जिसकी की सख्त जरूरत है

राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा सवाल

यह मुद्दा अब संसद तक पहुंच चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि चंबा-किलाड़-लेह कॉरिडोर का विकास न केवल क्षेत्रीय, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद अहम है। पांगी की भौगोलिक स्थिति इसे सामरिक दृष्टि से संवेदनशील बनाती है। पांगी घाटी लेह लद्दाख, पाकिस्तान एवं चीन जैसे एरियाज के आस पास ही स्थित है। पांगी के लोग अब वादों से नहीं, फैसलों से जवाब चाहते हैं। चेहणी सुरंग उनके लिए केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि जीवन और अस्तित्व की आखिरी उम्मीद है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले समय में पांगी की वादियां तो होंगी-पर उनमें बसने वाला कोई नहीं होगा। भगत बड़ोत्रा ने अंत में कहा कि चेहणी टनल जी एक मात्र रास्ता है पांगी के विकास का और वो पांगी घाटी की इस आवाज को हर पटल पर बुलंद करेंगे।

बकलोह में गूंजा शौर्य का जयघोष

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा के भटियात क्षेत्र के बकलोह में सेकंड फोर और फोर फोर बटालियन के भूतपूर्व सैनिकों ने रेजीमेंटल डे बड़े उत्साह और गौरव के साथ मनाया। इस अवसर पर 60 से अधिक पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों ने भाग लेकर वीरता और परंपरा की गौरवगाथा को जीवंत किया। कार्यक्रम में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इराक के बगदाद और बर्मा के मांडले में हासिल ऐतिहासिक विजय को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। बारिश के बावजूद पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों का उत्साह कम नहीं हुआ। कैप्टन पूर्ण सिंह थापा ने बताया कि विपरीत मौसम में भी सभी की भागीदारी उनकी एकजुटता का प्रतीक है। इस मौके पर महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, स्पून रेस और मटका फोड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कई भूतपूर्व सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। अंत में सभी डीजे की धुन पर झूमे, जिससे आयोजन उत्सव के माहौल में संपन्न हुआ।

अंतिम यात्रा भी अब सुरक्षित नहीं

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

चंबा। चंबा शहर का ऐतिहासिक मुक्तिधाम मार्ग इन दिनों बदहाली, अतिक्रमण और प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अब लोगों की अंतिम यात्रा भी इस रास्ते से सुरक्षित नहीं रह गई है। चंबा वेलफेयर एसोसिएशन ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन के अनुसार, इस मार्ग से शहर के लगभग 8 वार्डों के लोग अपने परिजनों की अंतिम यात्रा लेकर गुजरते हैं, लेकिन रास्ते की जर्जर हालत व बढ़ते अतिक्रमण ने इसे बेहद खतरनाक बना दिया है।

चौगान नंबर-3 के बीच स्थित वह पारंपरिक स्थल, जहां अर्थी को विश्राम व तर्पण के लिए रखा जाता है, अब संकुचित होकर अपनी पहचान खोता जा रहा है। इससे न केवल धार्मिक परंपराएं प्रभावित हो रही हैं, बल्कि लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंच रही है। पक्का टाला से भगौत स्थित मुक्तिधाम तक लगभग आधा किलोमीटर लंबा यह मार्ग वर्षों से बदहाल है। बार-बार घोषणाओं व योजनाओं के बावजूद आज तक इसका पुनर्निर्माण पूरा नहीं हो पाया, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश है। हाल ही में हुई बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए हैं श्मशान घाट के पास सीढ़ियां और मार्ग का हिस्सा टूट चुका है, जिससे हर कदम खतरे से भरा हुआ है। स्थिति यह है कि अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है, जहां जरा सी चूक किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

◆ **चंबा का मुक्तिधाम मार्ग बना जानलेवा**

चंबा वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की है कि मुक्तिधाम मार्ग को तुरंत अतिक्रमण मुक्त किया जाए, क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्य बिना देरी शुरू किया जाए, खतरनाक स्थानों पर सुरक्षा दीवार बनाई जाए और तब तक अस्थायी बैरिकेड्स लगाकर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। एसोसिएशन ने दो टूक कहा कि यह मार्ग केवल एक रास्ता नहीं, बल्कि चंबा की आस्था, परंपरा व मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

2.169 किलो चूरा पोस्त सहित सोलन का युवक काबू

अनंत ज्ञान, डलहौजी। जिला चंबा के डलहौजी क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी, जब 28 मार्च देर रात करीब दो बजे गोली के पास लगाए गए नाके पर एक कैंटर वाहन से 2.169 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद की गई। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के नेटवर्क पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, एसटीएफ चंबा व नूरपुर यूनिट की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान कैंटर को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से 2.169 किलो चूरा पोस्त (भुक्की) बरामद हुई। साथ ही पुलिस ने मौके से तकरीबन 10,500 रुपए नकद भी कब्जे में लिए। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। आरोपी की पहचान हरदेव सिंह निवासी गांव कल्याणपुर, डाकघर भरूणा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, यह खेप क्षेत्र में सप्लाई के लिए लाई जा रही थी, जिससे यह साफ होता है कि डलहौजी जैसे पर्यटन क्षेत्र भी अब नशा तस्करों के निशाने पर हैं। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एसटीएफ की यह कार्रवाई एएसआई परमेश शर्मा के नेतृत्व में नूरपुर व चंबा टीम द्वारा अंजाम दी गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है।

डेढ़ साल बाद जागी हिमाचल कांग्रेस ब्लॉक स्तर पर सुस्ती अभी भी बरकरार

अनंत ज्ञान

ओपी शर्मा, भरमौर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने करीब डेढ़ साल बाद प्रदेश कार्यकारिणी का गठन कर संगठनात्मक मोर्चे पर एक महत्वपूर्ण कदम जरूर उठाया है, लेकिन ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणियों का गठन, अब तक लंबित रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। पार्टी की ओर से पहली मर्तबा विधानसभा क्षेत्र भरमौर से अमित भरमौरी को पार्टी संगठन में महासचिव पद की जिम्मेदारी को दी गई है।

इसको लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी जरूर है, लेकिन संगठन की सक्रियता से भाजपा कांग्रेस से बहुत आगे दिख रही है। खास बात यह है कि प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए अब मात्र डेढ़ साल से कुछ अधिक समय ही शेष है, ऐसे में जमीनी स्तर पर संगठन का कमजोर रहना कांग्रेस के लिए बड़ा राजनीतिक नुकसान साबित हो सकता है। राजनीतिक जानकारों की माने तो किसी भी दल की असली ताकत बूथ, ब्लॉक व मंडल स्तर की सक्रियता से तय होती है। प्रदेश कार्यकारिणी का गठन शीर्ष स्तर पर संदेश जरूर देता है, लेकिन जब तक ब्लॉक व बूथ स्तर पर संगठन खड़ा नहीं होगा, तब तक कार्यकर्ता ऊर्जा, जनसंपर्क अभियान व चुनावी तैयारी पूरी मजबूती से आगे नहीं बढ़ पाएगी। यही वह क्षेत्र है जहां कांग्रेस फिलहाल पिछड़ती नजर आ रही है। दूसरी ओर, भाजपा लगातार संगठन विस्तार, मंडल बैठकों, मोर्चा सक्रियता व बूथ मैनेजमेंट पर फोकस बनाए हुए है। भाजपा की यही जमीनी सक्रियता उसे चुनावी समय में बढ़त दिलाने का काम करती है, जबकि कांग्रेस में लंबे समय तक संगठनात्मक ढांचे का अधूरा रहना कार्यकर्ताओं में निराशा, गुटबाजी और समन्वय की कमी को बढ़ा सकता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें, तो कांग्रेस के लिए यह समय केवल नामों की घोषणा का नहीं, बल्कि तुरंत ब्लॉक व बूथ स्तर पर संगठन खड़ा करने का है। यदि पार्टी ने इसमें और देरी की, तो विपक्ष के रूप में सरकार के खिलाफ माहौल होने के बावजूद उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा। साफ है कि चुनाव जीतने के लिए सिर्फ मुद्दे नहीं, मजबूत संगठन भी जरूरी है और फिलहाल हिमाचल कांग्रेस को इसी मोर्चे पर सबसे ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

धरवाला बाजार में सार्वजनिक शौचालय का अभाव बना समस्या

अनंत ज्ञान

धरवाला। धरवाला बाजार, जो क्षेत्र के प्रमुख व्यापारिक और पर्यटन केंद्रों में गिना जाता है, आज भी एक अत्यंत आवश्यक सुविधा सार्वजनिक शौचालय से वंचित है। इस गंभीर कमी के कारण स्थानीय निवासियों, दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों को रोजाना भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही वाले इस व्यस्त बाजार में स्वच्छ और सुलभ शौचालय की व्यवस्था न होना हैरान करने वाला है। विशेषकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति बेहद असुरक्षित और असहज बन जाती है, जिससे उनकी गरिमा और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस मूलभूत सुविधा के अभाव में ग्राहकों को असुविधा होती है, जिससे बाजार की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। कई बार लोग मजबूरी में खुले में शौच करने को विवश हो जाते हैं, जिससे न केवल स्वच्छता प्रभावित होती है, बल्कि पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों के बावजूद, ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर इस सुविधा का न होना प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है। यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो समस्या और विकराल रूप ले सकती है। स्थानीय जनता, व्यापार मंडल और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि धरवाला बाजार में शीघ्र आधुनिक और स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और क्षेत्र की स्वच्छता एवं गरिमा बनी रहे।

प्रशासन से अपील

जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों से स्थानीय लोगों ने आग्रह किया है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

◆ **स्थानीय लोगों व पर्यटकों को हो रही भारी परेशान**

ऊन के बुके-बैज बने आकर्षण

अनंत ज्ञान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। उपमंडल की मैन भरोला पंचायत के भालारिहड़ा में आयोजित मां शारदा मेले में इस बार स्थानीय महिलाओं की रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता की मिसाल देखने को मिली।

मेले के दौरान मुख्यातिथियों का स्वागत पारंपरिक फूलों के बजाय ऊन से तैयार किए गए आकर्षक बुके और बैज पहनाकर किया गया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा।इतना ही नहीं, मेले में पहुंचे देव पशाकोट कुट खेतडू को भी ऊन से तैयार विशेष हार भेंट किया गया। इस अनोखी पहल ने मेले को एक नई पहचान दी और स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों के प्रति लोगों की रुचि भी बढ़ाई। मेले में पहुंचे लोगों ने इन वूलन उत्पादों की जमकर सराहना की और इसे महिलाओं के हुनर का बेहतरीन उदाहरण बताया।बताया जा रहा है कि ये सभी वूलन बुके, बैज और हार ओम साईं नाथ क्लस्टर लेवल फेडरेशन चौंतड़ा से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद महिलाओं ने अपनी मेहनत और कौशल से इन उत्पादों को आकर्षक रूप दिया है, जो अब बाजार में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। खंड विकास अधिकारी चौंतड़ा अनुभव तनवर ने मेले के दौरान इन उत्पादों का अवलोकन किया और महिलाओं के कार्य की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बेहतरीन कार्य कर रही हैं और इस तरह के नवाचार अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन उत्पादों की सही तरीके से विपणन व्यवस्था की जाए तो यह महिलाओं के लिए स्थायी आय का मजबूत साधन बन सकता है।

◆ **महिलाओं के हुनर को मिली नई पहचान**

उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे आगे आकर अपने हुनर को पहचान दें और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाएं। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन की ओर से महिलाओं को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके।फेडरेशन की सचिव दीपा ने जानकारी देते हुए बताया कि ओम साईं नाथ क्लस्टर से जुड़ी करीब 1100 महिलाओं को अब तक स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका है। महिलाएं ऊन से बुके, बैज और अन्य सजावटी वस्तुएं तैयार करने के साथ-साथ अचार, आटा सहित विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पाद भी बना रही हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं द्वारा तैयार किए गए ये उत्पाद बीड़ स्थित पैराग्लाइडिंग लैंडिंग साइट पर लगाए गए बिक्री केंद्र पर उपलब्ध हैं।

◆ **1100 महिलाओं को अब तक स्वरोजगार से जोड़ा जा चुका**

यहां आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग इन उत्पादों की खरीददारी कर रहे हैं, जिससे महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए अच्छा बाजार मिल रहा है।मेले में इस पहल ने यह साबित कर दिया कि यदि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अपने हुनर के बल पर न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

पांच दिन बाद भी नहीं मिला लापता महिला का सुराग

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। धर्मपुर उपमंडल मुख्यालय सटे गांव म्योह से गत 25 मार्च को बैग लेकर लापता हुई महिला मधु देवी पत्नी राजेश कुमार का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उसके पति राजेश कुमार पुत्र रूप लाल का कहना है वह जीप चलाता है।

उसके ससुराल बेड़ी प्रेन में हैं। वह सामान लेकर बद्दी गया था और 25 मार्च को उसकी पत्नी मधु देवी के साथ दिन में पौने दो बजे बात हुई, जिसमें उसने घर कब तक पहुंचने के बारे में पूछा, जब राजेश कुमार ने शाम तक घर पहुंचने की बात कही, तो उसके बाद मधु अपने सास ससुर को बिना बताए एक बैग में सामान, नकदी व गहने लेकर फरार हो गई। घर पहुंचने पर जब पत्नी की गुमशुदगी के बारे में पता चला तो उसने सभी संभावित जगहों और रिश्तेदारी में फोन करके पूछताछ की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। राजेश कुमार का कहना है कि उसके पिता अधरंग के कारण बिस्तर पर हैं, जबकि मां भी बीमार है। पति का कहना है कि मधु ने आवेश में आकर महिला थाना मंडी में झूठी शिकायत कर दी थी, लेकिन थाना कर्मियों ने समझा बुझा कर उसे घर भेज दिया। उसके बाद पिछले साल उसने गाली-गलौज के आधार पर जोगेंद्र नगर में कोर्ट केस दायर कर दिया। 7 मार्च को पेशी में हाजिर होने के बाद कभी लड़ाई झगड़ा न करने की बात कह कर ससुराल आ गई फिर 25 मार्च को अचानक बिना बताए कहीं चली गई। महिला के पति का कहना है कि उसी दिन से धर्मपुर के रियूर गांव का एक बाईस वर्षीय लड़का भी गायब है, जो रिश्ते में मधु की भाभी का भाई लगता है। अन्वेषण अधिकारी विकास शर्मा का कहना है कि गुमशुदा महिला के बारे में सभी थानों को सूचना भेज दी गई है। संभावित ठिकानों पर भी दबिश दी है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है।

अनंत Classifieds

नाम दुरूस्ती

मैं, रवि कांत पुत्र श्री मुलख राज, उम्र 53 वर्ष, गांव चकवाड़ी, पोस्ट ऑफिस एवं सब तहसील राजा का तालाब, जिला कांगड़ा, हि.प्र. घोषणा करता हूं कि पंचायत रिकॉर्ड, रेवेन्यू रिकॉर्ड, राशन कार्ड, शिक्षा के अनुसार मेरे पुत्र का नाम वंशज चौधरी है, जोकि सही है। लेकिन आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम बंचिज दर्ज है। मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में वंशज चौधरी किया जाए। सभी संबंधित नोट करें।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

मुकदमा इन्द्राज सेहत नाम

पेशी- 08.04.2026

किशौरी लाल पुत्र श्री सालीगांम निवासी केटलू डाकखाना रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

बनाम

आम जनता

विषयः दरुस्ती नाम हि.प्र.रा. अधिनियम 1954 की जेर धारा 37 के तहत महाल केटलू, रजोल व भाटी मौजा रजोल में नाम दरुस्ती वारे।

उपरोक्त मुकदमा वारे प्रार्थी ने इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र गुजारा है जिसमें लिखा है उनके पिता का सही नाम सालीग्राम महाल केटलू मौजा रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र. है। जबकि महाल केटलू मौजा रजोल में उनका नाम सालो दर्ज है जोकि गलत इन्द्रराज हुआ है। प्राथी उक्त नाम को दरुस्त करके सालीग्राम पुत्र नगीना महाल केटलू मौजा रजोल में दर्ज करवाना चाहता है।

अत उक्त प्रार्थना पत्र के संदर्भ में उपरोक्त नाम की दरुस्ती वारे किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 08.04.2026 को दोपहर बाद 2 बजे हाजिर आ सकता है। हाजिर न आने की स्थिती में एकतरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे और बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा।

आज दिनांक 05/03/26 को को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

मुकदमा इन्द्राज सेहत नाम

पेशी- 08.04.2026

पूरन चंद पुत्र श्री लच्छमण दास निवासी केटलू डाकखाना रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.।

बनाम

आम जनता

विषयः दरुस्ती नाम हि.प्र.रा. अधिनियम 1954 की जेर धारा 37 के तहत महाल केटलू, रजोल व भाटी मौजा रजोल में नाम दरुस्ती वारे।

उपरोक्त मुकदमा वारे प्रार्थी ने इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र गुजारा है जिसमें लिखा है उनके पिता का सही नाम लच्छमण दास महाल केटलू मौजा रजोल तहसील शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र. है। प्राथी उक्त नाम को दरुस्त करके लच्छमण दास पुत्र श्री प्रभू महाल केटलू मौजा रजोल में दर्ज करवाना चाहता है। जबकि महाल केटलू मौजा रजोल में उनका नाम लच्छमण दर्ज है जो कि गलत इन्द्रराज हुआ है।

अत उक्त प्रार्थना पत्र के संदर्भ में उपरोक्त नाम की दरुस्ती वारे किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 08.04.2026 को दोपहर बाद 2 बजे हाजिर आ सकता है। हाजिर न आने की स्थिती में एकतरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे और बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा।

आज दिनांक 16/03/28 4 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगडा हि.प्र.।

मां हाटेश्वरी के मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

अनंत ज्ञान, नेरचौक। पांडवों के समय की प्रसिद्ध खंडपीठ मां हाटेश्वरी के मंदिर में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दूर-दूर से चलकर हजारों श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में हाजिरी भरी व मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसाद ग्रहण किया। मां के प्रति आस्था रखने वाले भक्तजनों ने कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया व बड़े ही श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मां के प्रांगण में भक्त जनों ने जागरण कर मां की महिमा का गुणगान भी किया। मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नंदलाल ठाकुर ने भंडारे के आयोजन के लिए सहयोग करने वाले सभी दानी सज्जनों का आभार प्रकट किया।

राजेश ने बनाया विधायक डॉ. जनक राज का शानदार रेखाचित्र

अनंत ज्ञान

भरमौर। पांगी घाटी के ऊदीन गांव के युवा कलाकार राजेश कुमार ने अपनी बेहतरीन कला का परिचय देते हुए भरमौर-पांगी के विधायक डॉ. जनक राज का एक शानदार रेखाचित्र तैयार किया है।

इस विशेष चित्र में विधायक डॉ. जनक राज को गाय के बछड़े के साथ बेहद जीवंत और आकर्षक अंदाज में उकेरा गया है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पूर्व विधायक डॉ. जनक राज ने गाय के बछड़े के साथ बिताए गए एक खूबसूरत पल को अपने मोबाइल में कैद किया था। उसी तस्वीर को आधार बनाकर युवा कलाकार राजेश कुमार ने अपनी कला और मेहनत से उसे रेखाचित्र का रूप दिया, जो अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। राजेश की इस उत्कृष्ट कला की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है। विधायक डॉ. जनक राज ने भी राजेश कुमार के इस प्रेम, सम्मान और स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा कलाकारों की ऐसी प्रतिभा क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि 'प्रिय राजेश, आपके प्रेम और स्नेह के लिए हृदय से आभार। आपकी कला अद्भुत है और आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

बाबा बालक नाथ मंदिर में भव्य शोभायात्रा

अनंत ज्ञान

पंडोह। चैत्र मास के पावन अवसर पर पंडोह स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर में चल रहे धार्मिक कार्यक्रमों के तहत आज भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे पंडोह क्षेत्र में बाबा बालक नाथ जी के जयकारों व भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। यह शोभायात्रा बाबा बालक नाथ मंदिर पंडोह से शुरू होकर पंडोह बाजार, बस स्टैंड और तीन पीपल तक निकाली गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बाबा जी का स्वागत किया। मार्ग में दीप क्लिनिक, राजू (तीन पीपल) और अंत में सैनी परिवार द्वारा पंडोह बाजार में शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए लंगर की विशेष व्यवस्था की गई, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर कमेटी द्वारा चैत्र मास के उपलक्ष्य में इस वर्ष भी विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को प्रातः 5:30 बजे प्रभात फेरी, सायं 7 बजे भजन-कीर्तन तथा रात्रि 8 बजे भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया है, जिससे इसकी भव्यता और भी बढ़ गई है। कमेटी के सदस्यों अश्वनी पठानिया और तरुण धवन ने शोभा यात्रा में शामिल हुए सभी श्रद्धालुओं तथा जगह-जगह स्वागत करने वाले भक्तों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 7 अप्रैल को नेशनल हाईवे पर राजमहल-चावल का विशाल भंडारा भी शामिल है।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित इन धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर बाबा बालक नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र में भाईचारे और एकता को भी मजबूत कर रहा।

मूर्खों से बहस करके कोई भी व्यक्ति बुद्धिमान नहीं कहला सकता। मूर्ख पर विजय पाने का एकमात्र उपाय यही है कि उसकी ओर ध्यान नहीं दिया जाए।
-संत ज्ञानेश्वर

संपादकीय

सड़क सुरक्षा सर्वोपरि

केंद्र की मोदी सरकार देश में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में हाल ही में लोकसभा में पेश किया गया 'जन विश्वास बिल' एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस बिल का उद्देश्य न केवल कारोबार को आसान बनाना है, बल्कि आम लोगों के जीवन को भी अधिक सुगम और सुरक्षित बनाना है। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से जुड़े 717 कानूनों को सरल बनाने का प्रस्ताव अपने आप में एक बड़ा कदम है।

इस बिल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें लोगों की जिंदगी पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। वर्षों से चली आ रही जटिल और कई बार अप्रासंगिक हो चुकी प्रक्रियाओं को सरल बनाना समय की मांग थी। निश्चित रूप से इससे आम नागरिकों को अनावश्यक कानूनी उलझनों से छुटकारा मिलेगा। हालांकि, इस सरलता के साथ-साथ सरकार ने सख्ती का भी एक मजबूत तंत्र तैयार किया है, जो इस बिल को और अधिक प्रभावी बनाता है।

विशेष रूप से सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रावधान इस बिल की विशेषता बनकर उभरे हैं। देश में लगातार बढ़ते सड़क हादसे हमेशा चिंता का विषय रहे हैं। हर दिन सैकड़ों लोग इन दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते बैठते हैं या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। कई मामलों में तो लोग जीवनभर के लिए दिव्यांग भी हो जाते हैं, जिससे न केवल उनकी जिंदगी प्रभावित होती है, बल्कि उनके पूरे परिवार पर इसका गहरा असर पड़ता है। ऐसे में सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा नियमों को कड़ा करना एक आवश्यक और सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

नए प्रावधानों के तहत यदि कोई चालक वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है और उसे 10,000 रुपए तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। यह बदलाव पहले की व्यवस्था से बिलकुल अलग है, जहां केवल चालान भरकर आसानी से छूट मिल जाती थी। अब यह स्पष्ट संदेश है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

इसी प्रकार वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों को लेकर भी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने पर 10,000 रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान निश्चित रूप से लोगों को जागरूक और जिम्मेदार बनाएगा। आज जब देश के कई शहर गंभीर प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं, तब इस तरह के कड़े कदम उठाना लाजिमी हो जाता है। हालांकि, जहां एक ओर सख्ती दिखाई गई है, वहीं कुछ मामलों में राहत भी प्रदान की गई है। ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद भी 30 दिनों तक उसे मान्य रखने का प्रावधान लोगों को अनावश्यक परेशानियों से बचाएगा। इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति समय रहते अपना लाइसेंस नवीनीकरण करवा लेता है, तो उसकी वैधता उसी दिन से मानी जाएगी, जिस दिन पुराना लाइसेंस समाप्त होगा। यह व्यवस्था प्रशासनिक लचीलापन और नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है।

बिल में केवल सड़क सुरक्षा या लाइसेंस संबंधी बदलाव ही नहीं हैं, बल्कि सरकारी परिसरों में अवैध रूप से रहने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, और मवेशियों से जुड़े मामलों में सुधार जैसे और भी कई अन्य प्रावधान शामिल किए गए हैं। यह दर्शाता है कि सरकार व्यापक स्तर पर व्यवस्था में सुधार लाने की दिशा में काम कर रही है। हालांकि, इस बिल का विरोध भी होना तय है। विपक्ष इसे आम जनता पर सख्ती बढ़ाने वाला कदम बता सकता है, वहीं कुछ वाहन चालक भी कड़े जुर्मानों और दंडात्मक प्रावधानों से असहज महसूस करेंगे लेकिन यह समझना जरूरी है कि किसी भी समाज में अनुशासन और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्ती आवश्यक होती है। यदि नियमों को हल्के में लिया जाएगा, तो उसके परिणाम भी गंभीर होंगे। दरअसल, सड़क पर चलना सबकी सुरक्षा का विषय है। एक व्यक्ति की लापरवाही कई लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में कठोर नियम ही लोगों को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। दुनिया के कई विकसित देशों में कड़े ट्रैफिक नियमों के कारण ही सड़क हादसों की संख्या नियंत्रित है।

कुल मिलाकर, 'जन विश्वास बिल' केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि एक सोच में बदलाव का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि विकास के साथ-साथ सुरक्षा और अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। सरकार ने अपनी ओर से एक मजबूत ढांचा तैयार किया है, अब यह जिम्मेदारी नागरिकों की है कि वे इन नियमों का पालन करें और एक सुरक्षित समाज के निर्माण में योगदान दें।

यदि हम सच में अपनी और दूसरों की जिंदगी को महत्व देते हैं, तो हमें इन नियमों को बोझ नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच के रूप में देखना होगा। तभी इस बिल का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सकेगा। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय महिला निशानेबाज खिलाड़ी

यशस्विनी सिंह देसवाल
जन्म : 30 मार्च,1997

यशस्विनी सिंह देसवाल भारतीय महिला निशानेबाज हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनका जन्म 30 मार्च 1997 को हरियाणा के पंचकुला में हुआ। बचपन में 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स देखकर उन्हें शूटिंग के प्रति प्रेरणा मिली और मात्र 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस खेल में कदम रखा। उनके पिता, जो एक पुलिस अधिकारी हैं, ने उनके अभ्यास के लिए घर पर ही शूटिंग रेंज बनवाई, जिससे उन्हें बेहतर प्रशिक्षण मिला।

यशस्विनी ने शुरुआती दौर में ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्कूल नेशनल्स और 58वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप (2014) में कई स्वर्ण पदक जीते। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 2014 में यूथ ओलंपिक में भाग लिया और छठा स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने 2014 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक तथा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में टीम को कांस्य पदक दिलाया।

उनका करियर लगातार आगे बढ़ता रहा। 2016 में उन्होंने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में रजत पदक और दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता। 2017 आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतते हुए जूनियर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

अंतरराष्ट्रीय पहचान उन्हें 2019 में मिली, जब उन्होंने ISSF विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसके बाद 2021 में नई दिल्ली में आयोजित ISSF विश्व कप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और स्वर्ण पदक हासिल किया, जहां उन्होंने मनु भाकर को हराया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में यशस्विनी से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। यह उनका पहला ओलंपिक था। ■

कविता

गाय की व्यथा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

रवि कुमार, बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

शरीर में पीड़ा, आंखों में पानी। छम-छम रोती, गऊ माता सयानी।
मैं भी थी कभी पंचगव्य खान, भूतकाल का तो कर लो ध्यान।
जीर्ण-शीर्ण अवस्था मेरी, न कर घोर अपमान, श्रेष्ठ मनु संतान।
मां को यूं न कर दरकिनार, दूध-मक्खन से पाला है लाल।
मृत्युशैया बेला आयेगी मेरी याद, बेसुध पड़ा इच्छुक होगा गऊदान,
तेरे ऊपर अपने कुछ एहसान, मनुसंतान न बन अनजान।
मेरे खातिर गोशाला तो बनवा, पॉलीथिन में न डाल खाद्य पदार्थ,
बन महाभारत का श्रेष्ठ धनुर्धर पार्थ। पॉलीथिन गलता नहीं पेट में,
चरने दे घासणियां, बंजर खेत में। संडे हो या मंडे,
निर्बल शरीर सहता जोर के डंडे। गो सदन खोल सरकार करे आगाज,
जनसहयोग बिना अधूरे ये काज। मेरा भी तो नहीं कसूर,
भूख-प्यास से बेहाल हूं हुजूर। मानी जाती हूं 33 कोटि देव निवास,
लगा रखी है आपसे आस। मेरे पुत्र हल जोतें, धरती उगले सोना ।
तेरे कामों के कारण, बुढ़ापे में पड़ा विलख कर रोना ।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

निजी स्कूलों की महंगी फीस, बड़े दावे और हकीकत

आज के दौर में शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक तेजी से बढ़ता हुआ व्यवसाय भी बन चुकी है। शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, निजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनके साथ-साथ बढ़ रही है उनके प्रचार-प्रसार की रणनीतियां। अखबारों, होर्डिंग्स, सोशल मीडिया और यहां तक कि स्थानीय कार्यक्रमों में भी स्कूलों के आकर्षक विज्ञापन देखने को मिलते हैं। हर स्कूल अपने आप को सर्वश्रेष्ठ, भविष्य निर्माता और सफलता की गारंटी देने वाला संस्थान बताता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या ये दावे वास्तविकता से मेल खाते हैं, या फिर यह केवल अभिभावकों की उम्मीदों और भावनाओं का लाभ उठाने का एक तरीका है?

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र लेखक

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज का अभिभावक पहले से कहीं अधिक जागरूक है, लेकिन साथ ही वह अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उतना ही चिंतित भी है। वह चाहता है कि उसका बच्चा एक अच्छे स्कूल में पढ़े, बेहतर सुविधाएं प्राप्त करे और जीवन में आगे बढ़े। इसी सोच के चलते वह अक्सर अपनी आय से अधिक खर्च करने के लिए भी तैयार हो जाता है। कई परिवार ऐसे हैं जो अपनी जरूरतों में कटौती करके, कर्ज लेकर या अतिरिक्त काम करके बच्चों की फीस भरते हैं। उनके मन में यह विश्वास होता है कि महंगे स्कूल में पढ़ाई का मतलब है बेहतर शिक्षा और निश्चित सफलता। निजी स्कूल इसी मनोविज्ञान को समझते हैं और अपने प्रचार में इसका भरपूर उपयोग करते हैं। वे अपने कैंपस, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लासरूम, एयर-कंडीशंड सुविधाओं, खेल गतिविधियों और अन्य आधुनिक संसाधनों को प्रमुखता से दिखाते हैं। इसके साथ ही, वे प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कानून और रक्षा सेवाओं में सफलता के बड़े-बड़े दावे भी करते हैं। कई बार विज्ञापनों में कुछ चुनिंदा छात्रों की उपलब्धियों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है, जैसे वह पूरे स्कूल के स्तर को दर्शाती हों, लेकिन जब हम इन दावों को गहराई से परखते हैं, तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। वास्तविकता यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत बहुत कम होता है। चाहे वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा हो, इंजीनियरिंग की प्रतिष्ठित परीक्षाएं हों, या फिर कानून और रक्षा सेवाओं से जुड़ी परीक्षाएं-इनमें सफल होने वाले छात्रों की संख्या अक्सर सीमित होती है। कई बार तो पूरे साल में गिने-चुने छात्र ही इन परीक्षाओं को पास कर पाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्कूल द्वारा किए गए दावे वास्तविकता के अनुरूप हैं? यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी केवल स्कूल की पढ़ाई के आधार पर संभव नहीं होती। अधिकतर छात्र अलग से कोचिंग संस्थानों का सहारा लेते हैं, जहां उन्हें विशेष रूप से इन परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है। वे अतिरिक्त समय, मेहनत और संसाधन लगाते हैं। ऐसे में यदि कोई स्कूल इन छात्रों की सफलता का पूरा श्रेय अपने ऊपर लेता है, तो यह अभिभावकों को गुमराह करने जैसा हो सकता है।

बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी किसी स्कूल की गुणवत्ता को मापने का एक प्रमुख आधार होते हैं, लेकिन यहां भी अक्सर देखा जाता है कि बहुत कम छात्र ही 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर पाते हैं। 95 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले छात्रों की संख्या तो और भी कम होती है। यदि कोई स्कूल खुद को क्षेत्र का अग्रणी संस्थान बताता है, तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि उसके परिणाम भी उसी स्तर के हों। लेकिन कई बार यह अपेक्षा पूरी नहीं हो पाती। फीस का मुद्दा इस पूरे विषय का सबसे संवेदनशील पहलू है। निजी स्कूलों की फीस लगातार बढ़ती जा रही है, और कई मामलों में यह मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो जाती है। फीस के अलावा भी कई तरह के अतिरिक्त खर्च होते हैं-जैसे परिवहन शुल्क, यूनिफॉर्म, किताबें, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क आदि। कुल मिलाकर, एक बच्चे की शिक्षा पर होने वाला खर्च काफी अधिक हो जाता है। यहां यह समझना जरूरी है कि स्कूलों को अपने संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। अच्छे शिक्षक, आधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, और सह-पाठय, म गतिविधियां-इन सभी का एक खर्च होता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब फीस और शिक्षा की गुणवत्ता के बीच संतुलन नहीं होता। यदि स्कूल अत्यधिक फीस ले रहा है, तो उससे यह अपेक्षा करना गलत नहीं है कि वह उसी स्तर की गुणवत्ता भी प्रदान करे।

सरकार ने बढ़ती फीस की समस्या को देखते हुए कई राज्यों में नियम और कानून बनाए हैं तथा फीस रेगुलेशन कमेटियां गठित की हैं, जिनका उद्देश्य स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाना है। हालांकि, व्यवहार में इनका प्रभाव सीमित दिखाई देता है, क्योंकि कई अभिभावकों को अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होती और वे अकेले विरोध करने से हिचकिचाते हैं।

ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे केवल विज्ञापनों के आधार पर निर्णय न लें, बल्कि स्कूल की वास्तविक गुणवत्ता, शिक्षकों का स्तर और परिणामों का गंभीरता से मूल्यांकन करें। यदि स्कूल पारदर्शिता नहीं बरत रहा हो, तो अभिभावकों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए और जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए। साथ ही यह समझना जरूरी है कि सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे का समग्र विकास करना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विश्व विख्यात बाबा बालक नाथ के चैत्र मास मेलों की महिमा और महत्व

विश्व विख्यात सिद्ध बाबा बालक नाथ का मंदिर हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर व बिलासपुर की पहाड़ी सीमाओं पर स्थित है। हिमाचल प्रदेश की पावन भूमि को देवभूमि कहा जाता है, जहां हर पर्व, हर मेला और हर परंपरा में आस्था की गहरी जड़ें दिखाई देती हैं। इन्हीं धार्मिक परंपराओं में बाबा बालक नाथ के चैत्र मास में लगने वाले मेले विशेष महत्व रखते हैं। यह मेले न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक हैं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय, बड़सर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आस्था का केंद्र: बाबा बालक नाथ को भगवान शिव का अवतार माना जाता है। उनका प्रमुख धाम दियोटसिद्ध मंदिर में स्थित है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। विशेष रूप से चैत्र मास (मार्च-अप्रैल) में यहां भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसे चैत्र मेला कहा जाता है।

चैत्र मास का धार्मिक महत्व : हिंदू धर्म में चैत्र मास को नववर्ष का आरंभ माना जाता है। इसी मास में नवरात्र का भी आगमन होता है, जो शक्ति की उपासना का प्रतीक है। इस पवित्र समय में बाबा बालक नाथ के दरबार में दर्शन करने का विशेष महत्व होता है। श्रद्धालु मानते हैं कि इस समय बाबा के दर्शन करने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

मेले की परंपराएं : चैत्र मास के दौरान दियोटसिद्ध में लगने वाला मेला अत्यंत भव्य होता है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए बाबा के दरबार तक पहुंचते हैं। कई भक्त नंगे पांव यात्रा करते हैं, जो उनकी श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, भंडारे और कीर्तन का आयोजन किया जाता है। भक्तजन 'जय बाबा बालक नाथ' के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। मेले के दौरान साधु-संतों का भी आगमन होता है, जो धार्मिक प्रवचन देकर लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

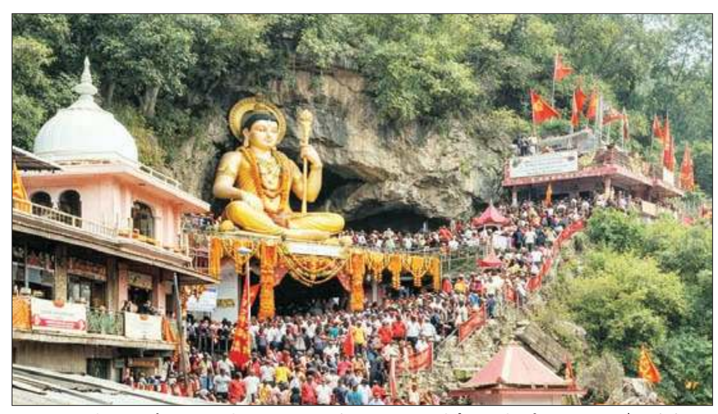

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व : ये मेले केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक हैं। यहां विभिन्न जातियों, वर्गों और क्षेत्रों के लोग एक साथ मिलकर पूजा करते हैं, जिससे भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है। मेले में लोक संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है। हिमाचली लोकगीत, नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाते हैं। स्थानीय कलाकारों को अपनी कला दिखाने का अवसर मिलता है।

आर्थिक दृष्टि से महत्व : चैत्र मेले का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मेले के दौरान हजारों की संख्या में लोग आते हैं, जिससे छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

खाने-पीने के स्टॉल, धार्मिक वस्तुओं की दुकानें और हस्तशिल्प उत्पादों की बि, ी से स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होती है। इस प्रकार यह मेला क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत : इस मेले में शामिल होना केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मिक शांति प्राप्त करने का माध्यम भी है। यहां का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है, जो व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करता है। भक्तजन मानते हैं कि बाबा के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना कभी व्यर्थ नहीं जाती। यही कारण है कि हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होती जा रही है।

आधुनिक समय में मेले का स्वरूप : चैत्र मास में लगने वाला बाबा बालक नाथ का मेला समय के साथ और अधिक व्यवस्थित एवं आकर्षक बन गया है। प्रशासन द्वारा स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात और चिकित्सा जैसी सुविधाओं में सुधार किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलती है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी लोकप्रियता देश-विदेश तक फैल रही है। यह मेला आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम है, जो लोगों को अपनी परंपराओं से जोड़ते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

निजी स्कूलों का विस्तार और सरकारी शिक्षा का गिरता स्तर : विकास या असंतुलन?

आज हम बड़सर क्षेत्र के धटवाल इलाके की बात कर रहे हैं, जहां हाल ही में एक नया निजी स्कूल खुला है। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। उद्घाटन के दौरान मिठाइयां बांटी गईं, लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और जनप्रतिनिधियों ने इसे विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

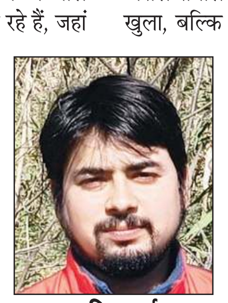

साहिल शर्मा
बाहल अर्जुन (चकमोह)
जिला हमीरपुर (हि.प्र.)

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

शिक्षा से जुड़ी हर नई पहल निश्चित रूप से उम्मीद लेकर आती है, लेकिन इसी खुशी के बीच एक जरूरी सवाल भी उठता है कि क्या हम कुछ महत्वपूर्ण बातों को नजरअंदाज कर रहे हैं?

एक तरफ नए निजी स्कूलों का स्वागत हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों की स्थिति धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। कई सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है। कहीं शिक्षकों की कमी है, तो कहीं पढ़ाई का स्तर पहले जैसा नहीं रहा। कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जहां भवन तो मौजूद है, लेकिन उनमें पहले जैसी रौनक नहीं बची। असल सवाल यह नहीं है कि नया स्कूल क्यों खुला, बल्कि यह है कि जो पहले से मौजूद सरकारी स्कूल हैं, उनका क्या हाल है? गांव के लोग अब एक तरह की मजबूरी में निर्णय ले रहे हैं। जब उन्हें लगता है कि सरकारी स्कूलों में अपेक्षित शिक्षा नहीं मिल रही, तो वे निजी स्कूलों की ओर रुख करते हैं।

यह फैसला आसान नहीं होता, क्योंकि इसके साथ आर्थिक बोझ जुड़ा होता है। हर परिवार इतना सक्षम नहीं होता कि वह निजी स्कूलों की फीस आसानी से वहन कर सके, फिर भी बच्चों के भविष्य के लिए लोग यह कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

धीरे-धीरे यह मजबूरी एक सोच में बदल जाती है और लोग मानने लगते हैं कि निजी स्कूल ही बेहतर विकल्प हैं। इसी प्र, या में सरकारी स्कूल पीछे छूटते जाते हैं। एक समय था जब गांव के सरकारी स्कूल ही शिक्षा का मुख्य केंद्र होते थे। वहीं से पढ़कर बच्चे आगे बढ़ते थे और समाज में अपनी पहचान बनाते थे, लेकिन आज यह तस्वीर बदलती नजर आ रही है। यह भी सच है कि कहीं न कहीं हम खुद भी इस बदलाव के जिम्मेदार हैं। हम सरकारी स्कूलों को नजरअंदाज करते हैं और फिर उन्हें कमजोर बताने लगते हैं। यह एक ऐसा चक्र बन गया है, जिसमें जिम्मेदारी केवल सरकार पर डालना पर्याप्त नहीं है। समाज और अभिभावकों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकारी स्कूल केवल शिक्षा देने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे समाज में समान अवसर का प्रतीक हैं। यहां हर वर्ग का बच्चा बिना भेदभाव के शिक्षा प्राप्त कर सकता है। लेकिन जब ये स्कूल कमजोर होते हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर पड़ता है।

जरूरत इस बात की है कि हम विकास को उसके सही अर्थों में समझें। केवल नए स्कूल खोल देना ही विकास का पैमाना नहीं हो सकता, बल्कि पहले से मौजूद सरकारी स्कूलों को मजबूत और प्रभावी बनाना भी उतना ही आवश्यक है। आज कई सरकारी स्कूल शिक्षकों की कमी, संसाधनों के अभाव और घटती छात्र संख्या जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। यदि इन कमियों को दूर करने पर गंभीरता से काम किया जाए और निजी स्कूलों के साथ-साथ सरकारी संस्थानों को भी समान प्राथमिकता दी जाए, तो शिक्षा व्यवस्था अधिक संतुलित, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बन सकती है।

वर्तमान स्थिति के पीछे कई कारण है-शिक्षकों की कमी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव, और अभिभावकों का निजी स्कूलों की ओर बढ़ता झुकाव। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि निजी स्कूल ही बेहतर विकल्प हैं, जिससे सरकारी स्कूलों पर विश्वास कम होता जा रहा है।

यह प्रवृत्ति चिंताजनक है, क्योंकि हर परिवार निजी शिक्षा का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं होता। ऐसे में समाज का एक बड़ा वर्ग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह सकता है। यह समस्या केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक चिंता का विषय बनती जा रही है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, समाज और अभिभावक मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सड़क हादसों का बढ़ता भयावह संकट : मानव जीवन पर असमय मौतों का तांडव

देश में सड़क हादसे अब मानव जीवन के लिए अभिशाप बनते जा रहे हैं। प्रतिदिन तेज रफ्तार, लापरवाही और नियमों की अवहेलना के कारण सड़कें मानव रक्त से लाल होती हैं।

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक, मंडी

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

बस, ट्रक और डंपर की टक्करों में लोग पल भर में मौत का शिकार हो जाते हैं। हाल ही में आंध्रप्रदेश के मार्कपुरम जिले में बजरी से भरे डंपर और बस की टक्कर से 13 लोगों की मौत और दर्जनों घायल हुए। इसी तरह, 3 नवंबर 2025 को जयपुर और रंगारेड्डी में भीषण दुर्घटनाओं में कुल 37 लोग मारे गए।

जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने कई गाड़ियों को टक्कर मारी और रंगारेड्डी में मिट्टी से भरे डंपर ने राज्य परिवहन की बस में यात्रियों को दबा दिया। सड़कों पर मौतों का यह सिलसिला नया नहीं है। 24 अक्तूबर 2025 को आंध्रप्रदेश के कुरनुल जिले में बस और दोपहिया वाहन की टक्कर में 22 लोग मारे गए। 14 अक्तूबर 2025 को राजस्थान के जैसलमेर में बस में आग लगने से 22 यात्रियों की मौत हुई। 2019 में उत्तर प्रदेश के आगरा में बस खाई में गिर गई, जिसमें 29 लोग मारे गए। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में भी यात्री बसों के हादसों में दर्जनों लोग अकाल मौत का शिकार हुए।

सड़कों पर बढ़ती मौतों के कई कारण हैं। तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, शराब या नशे में वाहन चलाना, लापरवाह चालक, सड़क संरचना की कमी और फर्जी लाइसेंस ये मुख्य कारण हैं।

अधिकांश हादसे मानवीय गलती के कारण होते हैं, जैसे सीट बेल्ट न लगाना, नियमों का उल्लंघन और अधूरी वाहन सुरक्षा। सर्दियों में धुंध के कारण भी हादसे बढ़ जाते हैं। प्रशासनिक उपाय भी अक्सर नाकाफी साबित होते हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा सप्ताह आयोजित किया जाता है, लेकिन जागरूकता स्थायी नहीं रहती। पुलिस द्वारा चालान काटे जाते हैं, हाईवे पेट्रोलिंग की जाती है, लेकिन ये हादसों को रोकने में पर्याप्त नहीं। दुर्घटना के बाद केवल मुआवजे और रिपोर्टिंग तक सीमित उपाय किए जाते हैं।

स्थायी समाधान के लिए आवश्यक है कि सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाए। लाइसेंस देने में पारदर्शिता और कड़ी परीक्षा आवश्यक है, ताकि अप्रशिक्षित वाहन चालक सड़कों पर न उतरें। सड़क सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता अभियान पूरे साल चलाना चाहिए। वाहन और सड़क मानकों की नियमित जांच हो। शराब या नशे में वाहन चलाने वालों को सख्त दंड मिले। प्राथमिक चिकित्सा सुविधा और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किया जाए। ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार पर लगाम लगाई जाए। जनता का सहयोग भी अनिवार्य है। यदि लोग यातायात नियमों का पालन करें-सीट बेल्ट पहनें, हेलमेट लगाएं, निर्धारित गति का पालन करें तो सड़क पर मौतों के तांडव को रोका जा सकता है। सरकार और प्रशासन को भी इस दिशा में कड़े और प्रभावी कदम उठाने होंगे। सड़कों पर हो रहे हादसे केवल संख्या नहीं हैं, यह मानव जीवन की हानि हैं। हर दिन अनगिनत परिवार बेकसूर लोगों की अकाल मृत्यु से त्रस्त हैं। सड़क हादसों को रोकने का स्थायी उपाय केवल जागरूकता, कड़ाई से नियमों का पालन और सुरक्षित सड़क संरचना ही हो सकती है। मानव जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। यदि उचित कदम नहीं उठाए गए तो देश की सड़कें लगातार खून से लाल बनी रहेंगी और अनगिनत परिवारों के जीवन में अनावश्यक दुख बढ़ता रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

दुधमुंहे बच्चे को घर छोड़कर हेरोइन लेने गए पति-पत्नी किए गिरफ्तार

डैहर के अलसू चौक में पुलिस ने दंपती को 5.637 ग्राम चिट्टे सहित पकड़ा

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। जिला मंडी पुलिस के अंतर्गत पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम ने डैहर के अलसू चौक में चैकिंग के दौरान 2 आरोपियों से 5.637 ग्राम हेरोइन बरामद की है। मामले में आरोपी पति-पत्नी हैं और घर पर अपने दुधमुंहे बच्चे को बुजुर्गों के पास छोड़कर हेरोइन लेने पंजाब गए हुए थे।

इसी दौरान वापसी पर सुंदरनगर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेरोइन लेने के आदी भी बताए जा रहे हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम चेकिंग के दौरान डैहर के अलसू चौक में मौजूद थी। इसी दौरान एक कार में बैठे में आरोपियों की चेकिंग में 5.637 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपियों की शिनाख्त अमिषा गुलेरिया (27) पत्नी अभिषेक गुलेरिया और अभिषेक गुलेरिया (32) पुत्र प्रदीप कुमार निवासी गांव और डाकघर कलौहड़ तहसील सुन्दरनगर जिला मंडी के तौर पर हुई है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी विनोद कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

हेरोइन लेने गए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। अनंत ज्ञान

444 ग्राम चरस सहित युवक किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर पुलिस ने किरतपुर-मनाली फोरलेन पर पुंघ में नाकाबंदी के दौरान 27 वर्षीय सर्तजिन धावा को 444 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी लेह, लद्दाख का निवासी है और मोटर साइकिल नंबर डीएल-8एसडीएन-8031 पर सवार था। पुलिस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए उसे कोर्ट में पेश किया। एसपी मंडी विनोद कुमार ने बताया कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और पुलिस इस दिशा में सख्ती बरत रही है। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों में सहयोग करें और समाज को इस बुराई से मुक्त बनाने में मदद करें।

सरकाघाट विस क्षेत्र के पवन लगातार दूसरी बार बने प्रदेश कांग्रेस महासचिव

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। हिमाचल कांग्रेस कमेटी ने संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सरकाघाट विस क्षेत्र से जुड़े प्रखर युवा नेता पवन ठाकुर को लगातार दूसरी बार प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई है। पवन ठाकुर लंबे समय से कांग्रेस संगठन के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र संगठन एनएसयूआई से की और धीरे-धीरे संगठन में अपनी मेहनत, समर्पण और कार्यशैली के दम पर मजबूत पहचान बनाई। पूर्व में वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सचिव के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं और संगठन को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनकी जमीनी स्तर पर सक्रियता, कार्यकर्ताओं से मजबूत जुड़ाव और संघर्षशील छवि को देखते हुए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है। पवन ठाकुर की नियुक्ति को संगठन में नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया है कि पवन ठाकुर अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के बल पर संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे और प्रदेश में कांग्रेस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश भर से बधाइयों का तांता लगा हुआ है। बता दें कि गरीबो जरूरतमंदो की मदद के लिए सदेव अग्रणी रहने वाले पवन मसेरन के रहने वाले हैं और भांवला में भी उनका घर और कार्यालय है।

यदोपति ठाकुर बने हिमाचल कांग्रेस कमेटी के महासचिव

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। हिमाचल कांग्रेस के युवा नेता यदोपति ठाकुर को केंद्रीय कांग्रेस हाईकमान ने पिछले चुनाव में टिकट काटने के बाद इस बार एचपीसीसी का सदस्य बनाकर सम्मान दिया है। उन्हें सरकाघाट विधानसभा से हिमाचल कांग्रेस कमेटी का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में हर्ष की लहर है।

यदोपति ठाकुर की नियुक्ति उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, जमीनी संघर्ष और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतिफल है। छात्र राजनीति से अपने सफर की शुरुआत करने वाले यदोपति ठाकुर दो बार एनएसयुआई के निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष और युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उल्लेखनीय है कि नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची में सबसे युवा होने के बावजूद, उनका सांगठनिक अनुभव और कार्यकुशलता अत्यंत प्रेरणादायक है। कम उम्र में मिली यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके संघर्षशील व्यक्तित्व और युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ का स्पष्ट प्रमाण है।

पूर्ण विश्वास व्यक्त किया गया है कि यदोपति ठाकुर के ऊर्जावान नेतृत्व में हिमाचल कांग्रेस संगठन को एक नई दिशा और अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। उनकी इस नियुक्ति से प्रदेश के युवाओं की आवाज और अधिक बुलंद होगी और आने वाले समय में कार्यकर्ताओं में एक नए उत्साह का संचार होगा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं दी गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

रास्ता रोककर की मारपीट, दो मामले दर्ज

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। मंडी जिला के तहत पुलिस थाना हटली में गांव लोहारडा, डाकघर समैला से जुड़े मारपीट और विवाद के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पहले मामले में शिकायतकर्ता 61 वर्षीय प्रकाश चन्द ने आरोप लगाया है कि लाल चंद और मीना ने उनका रास्ता रोका, उनके साथ मारपीट की, गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी दी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। वहीं दूसरे मामले में मीना देवी पत्नी रमेश चंद ने शिकायत दर्ज करवाई कि कृष्ण चंद, प्रकाश चंद, सुनीता देवी और राहुल ने उनका रास्ता रोका, मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। इस पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है और तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

सरकाघाट में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट के बलद्वाड़ा ब्लॉक में प्रदेश सरकार द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर दी गई है। यह अभियान 29 मार्च, 5 अप्रैल और 12 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को मुफ्त टीके लगाए जाएंगे। बीएमओ डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल सरकाघाट सहित 9 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह अभियान एक साथ शुरू हुआ। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने टीकाकरण के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाया। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों को निर्धारित तिथियों पर टीका अवश्य लगवाएं, ताकि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम किया जा सके।

सर्वाइकल कैंसर बचाव की लगाई वैक्सीन

अनंत ज्ञान, लेदा। प्रदेशभर में रविवार से एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान शुरू कर दिया गया है, जिसके तहत 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए यह वैक्सीन लगाई जा रही है। पीएचसी लेदा में भी यह वैक्सीन रविवार से शुरू कर दी गई है, जिसे भारत सरकार द्वारा लागू किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले दूसरे सबसे आम कैंसरों में शामिल है और हर वर्ष इससे बड़ी संख्या में महिलाओं की मृत्यु होती है, ऐसे में यह वैक्सीनेशन अभियान इसकी रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम माना जा रहा है।

सरकाघाट में आयुष मेले का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट के राजकीय डिग्री कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत सात दिवसीय आयुष मेले का शुभारंभ किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन एसडीएम कृष्ण कुमार शर्मा ने किया, जबकि कार्यक्रम उप-निदेशक डॉ. राजन, जिला आयुष अधिकारी संजय शर्मा और उपमंडलीय आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. हेमलता के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। मेले में आयुर्वेद और पंचकर्म जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पहले दिन औषधीय गुणों से भरपूर आहार प्रदर्शनी विशेष आकर्षण रही, जिसमें ब्लू टी, आयुष क्वाथ, कांजी और षडंगपानीय जैसे पेय प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की जानकारी दी गई। मेले में शुगर और बीपी जांच के साथ कपिंग थैरेपी जैसी सेवाएं भी लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पंजाब के कोहली ने जीता हरी बैहना दंगल

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट उपमंडल की ग्राम पंचायत हरी बैहना में आठ दिवसीय मेले का समापन रविवार को विशाल दंगल के साथ हुआ। जय लखदाता छिंज कमेटी के सहयोग से आयोजित इस दंगल में राजस्थान, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा से आए पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त कैप्टन अशोक कुमार उपस्थित रहे। छोटी माली के फाइनल में जम्मू के जरनेल ने हरियाणा के रणबीर को हराकर खिताब जीता और 15,000 रुपये प्राप्त किए। बड़ी माली में पंजाब के सुदाम कोहली ने जम्मू के युद्धवीर को हराकर जीत हासिल की और 25,000 रुपये का पुरस्कार जीता। दंगल ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया।

सरोआ गांव की बेटी गीतांजलि ने पास की टीजीटी मेडिकल परीक्षा

अनंत ज्ञान

◆ **कारपेंटर पिता की बेटी ने चमकाया क्षेत्र का नाम, बनी प्रेरणा**

पंडोह। सराज विधानसभा क्षेत्र के गांव सरोआ की बेटी गीतांजलि ने टीजीटी मेडिकल परीक्षा पास कर यह साबित कर दिया कि अगर हौसले मजबूत हों तो गरीबी भी रास्ता नहीं रोक सकती। 27 वर्षीय गीतांजली आज पूरे क्षेत्र के लिए मिसाल बन गई हैं। गीतांजलि के पिता खेम सिंह एक साधारण कारपेंटर हैं, जो दिन-रात कड़ी मेहनत कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते रहे। सीमित आमदनी के बावजूद उन्होंने कभी अपनी बेटी की पढ़ाई में कमी नहीं आने दी। लकड़ी का काम करते-करते, पसीना बहाकर उन्होंने अपनी बेटी के सपनों को आकार दिया।

उनकी मेहनत, त्याग और समर्पण ही आज इस सफलता की असली नींव है। माता रूकमणी एक गृहिणी हैं, जिन्होंने हर कदम पर बेटी का हौसला बढ़ाया। गीतांजलि ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरोआ से प्राप्त की और आगे चलकर बीएससी की पढ़ाई राजकीय वल्लभ कॉलेज मंडी से पूरी की। घर की आर्थिक स्थिति साधारण होने के बावजूद गीतांजली ने कभी हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने टीजीटी मेडिकल परीक्षा पास कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। गीतांजलि का एक भाई भी है, जो ग्रेजुएशन के बाद आगे की पढ़ाई कर रहा है।

गीतांजलि की यह सफलता सिर्फ एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो परिस्थितियों के आगे खुद को कमजोर समझ लेते हैं। यह कहानी बताती है कि एक कारपेंटर पिता के मजबूत इरादे और बेटी की लगन मिलकर किसी भी सपने को हकीकत बना सकते हैं।

छम्यार स्कूल के तीन मेधावी विद्यार्थियों को मिले चार ई-वाउचर

भीम बसेडू राजपूत, अनंत ज्ञान, महादेव। श्रीनिवास रामानुजन स्टूडेंट डिजिटल योजना के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छम्यार के तीन मेधावी विद्यार्थियों को कुल चार ई-वाउचर प्राप्त हुए हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 की दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों जिज्ञासा, गगन और विशाल को इस योजना के तहत ई-वाउचर प्रदान किए गए, वहीं सत्र 2024-25 की 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में भी विशाल ने बेहतर अंक प्राप्त कर पुन: इस वर्ष का ई-वाउचर हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों को 16,000 रुपये तक के ई-वाउचर दिए जाते हैं, जिनका उपयोग लैपटॉप या टैबलेट खरीदने में किया जा सकता है, ताकि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को और बेहतर ढंग से आगे बढ़ा सकें। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य चांद राम ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया है।

जधरयानी में देर रात घर में आग लगी; दो कमरे और सामान जलकर हुआ राख, परिवार सुरक्षित

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत गुमहु के वार्ड जधरयानी में एक घर में अचानक आग लगने से भारी नुकसान हो गया। यह घटना देर रात 12 बजे की है, जब रबी चंद पुत्र कांशी राम निवासी गांव तमलेड के मकान में अचानक आग भड़क उठी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के समय परिवार के सदस्य घर के नीचे मंजिल सो रहे थे।

इसी दौरान पड़ोसियों ने घर से उठती आग की लपटें देखीं और तुरंत शोर मचाकर परिवार को सतर्क किया। पड़ोसियों की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य तुरंत घर से बाहर निकले। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिवार ने सबसे पहले गैस सिलेंडर को बाहर निकाला, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया हालांकि आग काफी भीषण थी, जिससे घर के दो कमरों की छत, उसमें रखा सामान, इमारती लकड़ी और टूलू पंप जलकर राख हो गए। पीड़ित परिवार के अनुसार इस अग्निकांड में करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

जधरयानी में घर में आग से हुआ नुकसान। अनंत ज्ञान

वहीं, स्थानीय लोगों की कड़ी मुस्तैदी और सामूहिक प्रयास से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे और बड़ा नुकसान होने से बच गया। घटना के बाद परिवार सदमे में है और उन्होंने प्रशासन व सरकार से राहत एवं सहायता प्रदान करने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से आग्रह किया है कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे इस कठिन परिस्थिति से उबर सकें।

इस बारे में ऑफिस कानूनगो गिंदर पाल शर्मा से बात करने पर उन्होंने बताया कि हल्का पटवारी द्वारा जो रिपोर्ट भेजी गई है उसे उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है व राहत नियमाबली के मुताबिक राहत राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

सरकाघाट सीएसडी कैंटीन बनी आधुनिक

सेल्फ सर्विस लिकर सुविधा शुरू, सैनिकों व पूर्व सैनिकों को मिलेगा लाभ

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। लगभग चार दशकों की लंबी प्रतीक्षा के बाद सरकाघाट स्थित सीएसडी कैंटीन में आखिरकार सेल्फ सर्विस लिकर सुविधा शुरू हो गई है। इस नई व्यवस्था से न केवल वर्तमान सैनिकों बल्कि हजारों पूर्व सैनिकों को भी अपनी पसंद की वाइन और बियर आसानी से चुनने का अवसर मिलेगा। कैंटीन के आधुनिकीकरण के साथ अब उपभोक्ता आधुनिक मॉल की तर्ज पर खुद अपनी पसंद का ब्रांड चुन सकेंगे। पहले लिकर पेटियों में बंद होने के कारण ग्राहकों को सीमित विकल्प मिल पाते थे, लेकिन अब यह समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है।

इस पहल का श्रेय कैंटीन प्रबंधक कैप्टन रविंद्र कुमार चौहान को जाता है, जिन्होंने अक्टूबर 2025 में पदभार संभालने के बाद कैंटीन के अपग्रेडेशन का प्रस्ताव हेडक्वार्टर को भेजा था। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद बीते सप्ताह से यह नई सुविधा शुरू कर दी गई है। कैंटीन प्रबंधन के अनुसार पहले जहां केवल 20 ब्रांड उपलब्ध थे, वहीं अब 50 से अधिक वाइन और बियर के ब्रांड ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। कीमतों की बात करें तो यहां शराब की शुरुआत लगभग 330 रुपए से होती है, जबकि प्रीमियम श्रेणी में रामपुर सिंगल माल्ट जैसी ब्रांड करीब 5000 रुपए में उपलब्ध है, जो खुले बाजार में लगभग 12,000 रुपए तक बिकती है।

सरकाघाट सीएसडी कैंटीन में वर्तमान में लगभग 14,000 कार्ड होल्डर पंजीकृत हैं, जबकि धर्मपुर, संधोल और बलद्वाड़ा क्षेत्रों से भी करीब 6,000 उपभोक्ता यहां सेवाएं लेते हैं। इस प्रकार हर माह करीब 20,000 ग्राहक लिकर सेक्शन का उपयोग करते हैं।

एक्स सर्विसमैन लीग ने जताया आभार

सरकाघाट एक्स सर्विसमैन लीग ने इस नई व्यवस्था के लिए आर्मी हेडक्वार्टर और कैंटीन प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है। लीग के पदाधिकारियों ने कहा कि सेल्फ सर्विस लिकर काउंटर खुलने से हजारों सैनिकों और पूर्व सैनिकों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है।

वृद्धों के लिए विशेष सुविधा

कैंटीन प्रबंधन ने 80 वर्ष से अधिक आयु के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए विशेष काउंटर की व्यवस्था भी की है। इसके साथ ही उनके साथ एक सहायक को भी आने की अनुमति दी गई है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा मिल सके।

पारदर्शी व्यवस्था करना पहला लक्ष्य : प्रबंधक

सीएसडी कैंटीन प्रबंधक कैप्टन रविंद्र कुमार चौहान ने कहा कि लिकर काउंटर में डिस्प्ले करने का यह आधुनिकीकरण क्षेत्र के सैनिकों व पूर्व सैनिकों के लिए एक बड़ी सुविधा के रूप में सामने आया है, जिससे उन्हें अपनी मनपसंद ब्रांड मिलेगी बल्कि उनकी खरीदारी का अनुभव अब पहले से सरल व सुविधाजनक हो गया है।

बास्केटबॉल स्पर्धा के लिए पुरुष और महिला टीम चयनित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। जिला मंडी अंडर -19 स्टेट पुरुष एवं महिला बास्केटबॉल टीम के लिए चयन हेतु ट्रायल पीएम श्री राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सरकाघाट के खेल मैदान में आयोजित किया गया जिसमे पूरे जिला मंडी से 40 पुरुष एवं 25 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमे से दोनों वर्गों के 12 - 12 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया जो की भरेड़ी हमीरपुर में 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक आयोजित होगी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगी इस चयन में महासचिव अशोक भुट्टो, तकनीकी अधिकारीराजू ख़ान, पंकज नेगी राष्ट्रीय खिलाड़ी, दिनेश कुमार, चंदन कटोच, विनय भलवाल,अजय परवारी, संजय ठाकुर की निगरानी में इस चयन प्रक्रिया को पूरा किया चयन प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात तकनीकी अधिकारी राजू ख़ान ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन गुणवत्ता के आधार पर हुआ हे और उम्मीद है खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

शतरंज प्रतियोगिता में संयम, चैतन्य गोस्वामी और सूर्यांश ने मारी बाजी

शतरंज स्पर्धा में 71 प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। पहली अप्रैल से शुरू होने वाले लघु शिवरात्रि मेले से पहले जोगिंद्रनगर में पहली बार शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्थानीय व्यापार मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 71 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी बुद्धिमत्ता, रणनीति और धैर्य का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को तीन वर्गों—अंडर-13, अंडर-17 व सीनियर ओपन—में विभाजित किया गया, जिससे हर आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखा सकें। पूरे दिन मुकाबलों का रोमांच बना रहा व दर्शकों ने भी खेल का आनंद लिया। विशेष रूप से लड़कियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व कई मुकाबलों में शानदार रणनीति दिखाई, जिससे प्रतियोगिता का स्तर ऊंचा हुआ। अंडर-13 वर्ग में संयम ठाकुर ने प्रथम स्थान हासिल किया व कैरव गुप्ता उपविजेता रहे। अंडर-17 में चैतन्य गोस्वामी विजेता बने, जबकि सिमरन राव ने उपविजेता का स्थान पाया। सीनियर ओपन वर्ग में सूर्यांश ठाकुर ने खिताब अपने नाम किया और गौरव राणा उपविजेता रहे। समापन समारोह में मेला कमेटी अध्यक्ष और स्थानीय एसडीएम मनीष चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विजेताओं को ट्रॉफी और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पहली सांस्कृतिक संध्या में कुलदीप व रिषभ भारद्वाज के गानों पर झूमे दर्शक

अनंत ज्ञान

◆ **नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ में एसडीएम ने की बतौर मुख्य अतिथि शिरकत**

सरकाघाट। एसडीएम सरकाघाट कृष्ण कुमार शर्मा ने 28 मार्च से 3 अप्रैल तक मनाए जा रहे सात दिवसीय नलवाड़ मेला बरच्छवाड़ की पहली सांस्कृतिक संध्या में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस मौके ग्राम पंचायत बरच्छवाड़ की पूर्व प्रधान निशा कुमारी ने उन्हें शॉल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नलवाड़ मेला की प्रथम सांस्कृतिक संध्या के स्टार कलाकार रिषभ भारद्वाज ने आंख से आंख मिलाओ, हाय मैं तो मर ही जावां, मेरे सपनों की रानी, ओ मेरे दिल के चैन, गुलाबी आंखें जो तेरी देखी, जिन्ने मेरा दिल लुट्टेया, कजरा मुहब्बत वाला, ले के पहला पहला प्यार, बापू जिम्मेदार, चिट्टे सूट ते दाग, टाईम टेबल और जुगनी जैसे हिन्दी और पंजाबी गीत गाकर दर्शकों को झुमाया। इससे पहले कुलदीप कुमार की सुरीली आवाज ने भी खूब वाहवाही बटोरी। इस दौरान बीडीओ सरकाघाट कार्तिकेय डोगरा, अखिल गुप्ता, जीवन लाल गुप्ता, रितेश ठाकुर, सतीश कुमार, निशा कुमारी, प्रेम सागर, जितेन्द्र कुमार, विकास शर्मा, रवि लोचन, के सी ठाकुर, एडवोकेट भूप सिंह, आशिष बनयाल, अमित सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

102-108 एंबुलेंस कर्मचारी 5 अप्रैल से करेंगे हड़ताल

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। प्रदेश में 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी यूनियन ने लंबित मांगों और कथित शोषण के विरोध में हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन के अनुसार 5 अप्रैल रात 8 बजे से 11 अप्रैल 2026 सुबह 8 बजे तक प्रदेशभर में एंबुलेंस सेवाएं प्रभावित रहेंगी। यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा और 12 घंटे ड्यूटी के अतिरिक्त समय का भुगतान भी नहीं होता। भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा योजनाओं में भी अनियमितताएं हैं। कर्मचारियों को मानसिक दबाव, बेवजह तबादले और इस्तीफे का दबाव झेलना पड़ता है। यूनियन ने सभी मांगों को लागू न करने पर हड़ताल की चेतावनी दी है। इसमें नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों की बहाली, न्यूनतम वेतन, अतिरिक्त समय का दोगुना भुगतान, श्रमिक कानूनों का पालन और बीमा योजनाओं में सुधार की मांग शामिल है। सरकार और कंपनी प्रबंधन को पूरी जिम्मेदारी तय की गई है।

सराहनीय पहल डॉ. चंद्रमुखी ने 100 पुस्तकें प्रायोजित कर स्कूलों की लाइब्रेरी तक पहुंचाने का उठाया बीड़ा

विनोद बहल की 'लाड़ी री झणांग' बनी चर्चा का केंद्र

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। नगर की 500वीं स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच मंडयाली भाषा के संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल सामने आई है। मंड्याली कवि विनोद बहल की हास्य कविता संग्रह 'लाड़ी री झणांग (पत्नी की लताड़)' ने कम समय में ही व्यापक पहचान बना ली है और यह पहल क्षेत्रीय बोली को नई ऊर्जा देने का माध्यम बन रही है। पिछले माह 28 फरवरी को सरदार पटेल विश्वविद्यालय के सभागार में टांकरी लिपि प्रशिक्षण शिविर के दौरान इस पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा किया गया था। एक माह के भीतर ही यह पुस्तक पाठकों के बीच चर्चा का विषय बन गई और इसकी गूंज विदेशों तक पहुंच गई।

मंडी के मूल निवासी और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डॉक्टर व समाजसेवी डॉ. चंद्रमुखी कपूर कपासी, जिनका संदेश भी पुस्तक में प्रकाशित है, ने मंडयाली बोली के संरक्षण व प्रचार-प्रसार के लिए एक अभिनव अभियान शुरू किया है। उनका कहना है कि आज के युवा घरों में मंड्याली बोलने से दूर होते जा रहे हैं, जिससे यह बोली लुप्त होने की कगार पर है। यूनेस्को द्वारा जारी सूची में भी मंडयाली को 'एंडेंजर्ड डायलेक्ट' के रूप में शामिल किया गया है।

डॉ. कपासी ने 100 पुस्तकों को प्रायोजित करते हुए नगर निगम क्षेत्र के सरकारी व निजी स्कूलों की लाइब्रेरी में इसे उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। साथ ही नगर की विभिन्न संस्थाओं और प्रबुद्ध वर्ग को भी यह पुस्तक भेंट की जा रही है, ताकि मंड्याली भाषा के प्रति नई पीढ़ी में जिज्ञासा और लगाव बढ़े।लेखक विनोद बहल ने बताया कि पुस्तक में 55 हास्य कविताएं शामिल हैं, जिनमें मंडी की जीवनशैली, खानपान, रीति-रिवाज, त्योहार और आधुनिक सामाजिक परिवेश को रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। खास बात यह है कि प्रत्येक कविता के साथ हिंदी अनुवाद भी दिया गया है, जिससे गैर-मंड्याली पाठक भी इसे आसानी से समझ सकते हैं।

मेयर कार्यालय में गरिमामय पुस्तक भेंट समारोह आयोजित

इसी कड़ी में मेयर वीरेंद्र भट्ट के कार्यालय में एक गरिमामय पुस्तक भेंट समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सेशन जज तेजिंदर वैद्य, दीन सहायक ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश वैद्य, मंडी अर्बन बैंक के अध्यक्ष रवि वैद्य, सिटीजन काउंसिल के प्रधान हरीश वैद्य, पूर्व महिला आयोग चेयरपर्सन कृष्णा टंडन, गीता कक्षा प्रभारी निरंजना देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कपूर वाईपी कपूर ने मुख्य अतिथि मेयर वीरेंद्र भट्ट, विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेश वैद्य (प्रधान खत्री सभा), निगम पार्षद अलकनंदा हांडा और राजेंद्र मोहन को पारंपरिक टोपी व मफलर पहनाकर सम्मानित कर किया। इस अवसर पर लेखक विनोद बहल को भी सम्मानित किया गया।

मंडयाली भाषा में संबोधन और संस्कृति पर दिया जोर

पुस्तक भेंट करते हुए। अनंत ज्ञान

मुख्यातिथि वीरेंद्र भट्ट ने अपने संबोधन में मंडयाली भाषा में ही विचार रखते हुए कहा कि डॉ. चंद्रमुखी कपासी और विनोद बहल जैसे लोगों के प्रयासों से स्थानीय बोली को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने आह्वान किया कि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ें, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व कर सकें। इस अवसर पर नरेश मल्होत्रा (कन्वीनर, इंटैक मंडी चैप्टर), ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन के प्रधान अनिल शर्मा, अजय सहगल, उमेश भारद्वाज, महेंद्र पाल वैद्य (पालू भाई), रवि वैद्य (प्रधान, सनातन धर्म सभा मंडी) तथा हरीश वैद्य (अध्यक्ष, मंडी नागरिक सभा) सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं व विधायकों ने भ्रष्टाचार की हदें कर दी हैं पार : बंबर ठाकुर

पूर्व विधायक व हाल ही में कांग्रेस पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर आसीन हुए बंबर ठाकुर से दैनिक अनंत ज्ञान समाचार पत्र के जिला बिलासपुर प्रभारी अरुण डोगरा रीतू ने खास बातचीत की। बातचीत में बंबर ठाकुर ने पार्टी की नीतियों, आगामी योजनाओं को लेकर अपनी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला प्रस्तुत है उसके कुछ अंश:

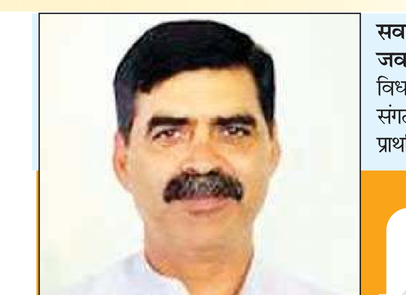

बंबर ठाकुर

सवाल: आपको कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनाए जाने पर क्या कहना चाहेंगे?

जवाब: मैं कांग्रेस नेतृत्व का दिल से आभार प्रकट करता हूं। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करता हूं।

सवाल: इस नई जिम्मेदारी को आप कैसे देखते हैं?

जवाब: यह मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। अब मेरा दायित्व और बढ़ गया है, जिसे मैं पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाऊंगा।

सवाल: आने वाले समय में आपकी प्राथमिकताएं क्या रहेंगी?

जवाब: आने वाले 18 महीनों में हम बिलासपुर जिला व सदर विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने पर जोर देंगे। संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरना हमारी प्राथमिकता होगी।

बंबर ठाकुर
कांग्रेस पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष।
अनंत ज्ञान विशेष बातचीत

सवाल: 2027 के चुनाव को लेकर आपकी क्या रणनीति है?

जवाब: हमारा लक्ष्य स्पष्ट है– 2027 में कांग्रेस का 'मिशन रिपीट'। इसके लिए हम जमीनी स्तर पर काम करेंगे और हर कार्यकर्ता को सक्रिय करेंगे।

सवाल: आपने भाजपा नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, इस पर क्या कहेंगे?

जवाब: भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व विधायकों ने भ्रष्टाचार की हदें पार कर दी हैं। जनता के पैसे की लूट मचाई जा रही है, जिसे अब उजागर करना जरूरी हो गया है। सोमवार को मैं प्रमाण सहित भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार का खुलासा करूंगा। इसके बाद विधानसभा में जाकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपूंगा।

सवाल: क्या इस दौरान कोई विरोध प्रदर्शन भी होगा?

जवाब: जी हां, विधानसभा परिसर के बाहर एक घंटे का धरना भी दिया जाएगा, ताकि जनता की आवाज मजबूती से उठाई जा सके।

सवाल: कार्यकर्ताओं और जनता के लिए आपका संदेश क्या है?

जवाब: मैं सभी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करें। हम मिलकर प्रदेश में बेहतर शासन और विकास सुनिश्चित करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

लाइसेंसी खनन गतिविधियों की समय-सीमा में संशोधन

अनंत ज्ञान, ऊना। जिले में अवैध खनन व अनियंत्रित परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी ऊना जतिन लाल ने लाइसेंसी खनन गतिविधियों को लेकर पूर्व में जारी आदेशों में संशोधन करते हुए नए निर्देश जारी किए हैं। यह निर्णय पुलिस विभाग की अनुशंसा पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत लिया गया है। संशोधित आदेशों के अनुसार, शाम 7 से सुबह 6 बजे तक खनन से संबंधित सभी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वहीं, खनन, उत्खनन और लोडिंग जैसी गतिविधियां केवल सुबह 6 से शाम 7 बजे के बीच ही की जा सकेंगी। इसके अतिरिक्त, खनन सामग्री की टिपरों/ट्रकों के माध्यम से ढुलाई की सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक ही अनुमति होगी। जिला दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया है सभी खनन कार्य केवल वैध परमिट व लाइसेंस के अनुरूप ही किए जाएंगे। आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस विभाग और खनन विभाग संयुक्त रूप से नियमित निरीक्षण करेंगे तथा अवैध खनन और बिना अनुमति परिवहन के मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले आदेशों तक प्रभावी रहेगा।

सीनियर क्रिकेट टीम के ट्रायल्स स्थगित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। रविवार को लगातार हो रही बारिश के कारण सीनियर (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बिलासपुर टीम के लिए आयोजित ट्रायल्स स्थगित कर दिए हैं। यह जानकारी देते हुए बिलासपुर क्रिकेट संघ सचिव विशाल जगोता ने बताया कि आयोजकों द्वारा ट्रायल्स की पूरी तैयारियां कर ली गई थी, लेकिन रविवार को सुबह से हो रही बारिश के चलते ट्रायल स्थगित करने पड़े है। उन्होंने बताया कि अब यह चयन प्रक्रिया 3 अप्रैल को होगी। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोशिएशन के तत्वावधान में होने वाली सीनियर (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बिलासपुर टीम का चयन प्रक्रिया में चीफ कन्वीनर उमेश गौतम, जबकि कन्वीनर आरके रघु और चयनकर्ताओं में आशीष कपिल, जितेंद्र ठाकुर, विनेंद्र डोगरा और विशाल रतवान को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि बिलासपुर सीनियर क्रिकेट टीम अपना पहला मैच 10 अप्रैल को ऊना में कुल्लु के साथ खेलेगी। उन्होंने सभी इच्छुक खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि वे 3 अप्रैल को लुहणू मैदान में रिपोर्ट करें।

देश सेवा के गौरवपूर्ण क्षणों को किया याद

अनंत ज्ञान, बंगाणा। डोगरा वेटरन्स-71 आर्मर्ड रेजिमेंट का भव्य पुनर्मिलन (री-यूनियन) कार्यक्रम रविवार को बंगाणा के एक निजी होटल में बड़े उत्साह व गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर करीब 45 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया और वर्षों पुरानी यादों को ताजा करते हुए आपसी भाईचारे को और मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान वेटरन्स ने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा किए और देश सेवा के गौरवपूर्ण क्षणों को याद किया। साथ ही उन्होंने सेना में बिताए अनुशासन, समर्पण व संघर्ष के दिनों को भावुकता के साथ साझा किया, जिसने पूरे माहौल को यादगार बना दिया। इस आयोजन ने न केवल पुराने साथियों को एक मंच पर एकत्रित किया, बल्कि उपस्थित युवाओं को भी देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में आपसी सौहार्द, सम्मान और गर्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का समापन भविष्य में भी इस प्रकार के पुनर्मिलन आयोजित करने के संकल्प के साथ हुआ, ताकि पूर्व सैनिकों के बीच यह आत्मीय संबंध और भी सुदृढ़ होता रहे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी गठन का स्वागत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला कांग्रेस कमेटी बिलासपुर की अध्यक्ष अंजना धीमान ने प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के गठन का स्वागत करते हुए बिलासपुर के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता रामलाल ठाकुर व राजेश धर्माणी को पॉलिटिकल अफेयर कमेटी में स्थान मिलना गर्व की बात है। वहीं, बंबर ठाकुर को उपाध्यक्ष तथा विवेक कुमार और विकास ठाकुर को महासचिव बनाए जाने से संगठन को मजबूती मिलेगी। अंजना धीमान ने इसके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार तथा उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी नवनियुक्त नेताओं को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा से निर्वहन कर कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाएंगे।

ट्रस्ट का उद्देश्य गरीब व मानवता की सेवा : अभिषेक

अनंत ज्ञान, बंगाणा। ऊना जिले के बंगाणा स्थित होटल कर्ण राज में सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट द्वारा आयोजित विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक राणा ने किया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य जनसेवा है श संस्था लंबे समय से जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में जुटी है। राणा ने बताया कि ट्रस्ट बुजुर्गों की देखभाल, चिकित्सा शिविरों के आयोजन श आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कुटलैहड़ के पूर्व विधायक दविंदर कुमरी भुट्टो ने ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की और डेरा बाबा रूद्रानंद आश्रम में भी जल्द शिविर लगाने का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम में डॉक्टरों व स्टाफ को सम्मानित किया गया।

बूथ लंझता-40 में 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बूथ लंझता-40 में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर मंडल व युवा मोर्चा पदाधिकारियों सहित करीब 20 कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना व राष्ट्रहित के विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम वैचारिक संवाद के रूप में सामने आया, जिसने युवाओं में ऊर्जा व संगठनात्मक एकजुटता को बढ़ावा दिया। इस दौरान शक्ति केंद्र प्रमुख राम कृष्ण शर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला मीडिया प्रभारी डॉ. ऋतिक शर्मा ने कहा कि 'मन की बात' देश को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में बूथ स्तर पर एसआईआर कमेटी का गठन भी किया गया, जिससे संगठन को मजबूती मिलेगी।

हनुमान मंदिर डियारा सेक्टर में सुंदर कांड का आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। नगर के प्राचीन हनुमान मंदिर में शनिवार शाम सुंदर कांड व भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन हुआ। इसमें श्रद्धालु राम भक्ति में सराबोर नजर आए। श्री हनुमान जी सुंदर कांड कीर्तन मंडली ने दो घंटे तक भक्ति का सुंदर माहौल बनाया। मंडली की प्रमुख मीना कुमारी व किरण बाला ने बताया कि कार्यक्रम में कई महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने जानकारी दी कि ऐसे धार्मिक आयोजन पूरे जिले में निरंतर किए जा रहे हैं। यह श्रृंखला श्रीराम नवमी से लेकर हनुमान जयंती तक जारी रहेगी। दो अप्रैल को हनुमान जयंती पर सुबह नौ बजे से विशेष सुंदर कांड, प्रसाद वितरण व भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम के समापन पर प्रीतिभोज में श्रद्धालुओं ने कहलूरी धाम का आनंद लिया।

नेत्र जांच शिविर में 100 मरीजों की हुई जांच

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। रोटरी क्लब ऊना द्वारा ट्रक यूनियन ऊना के समीप निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें करीब 100 लोगों की आंखों की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ एडवोकेट सुरेश ऐरी ने किया व क्लब की इस पहल की सराहना की। विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक डॉ. अनिल काकड़े ने आधुनिक उपकरणों से जांच कर मरीजों को उपचार संबंधी सलाह दी। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक चले शिविर में वाहन चालकों सहित आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। क्लब अध्यक्ष यशपाल ठाकुर ने बताया कि संस्था लगातार जनसेवा में जुटी है। शिविर की सफलता में ट्रक यूनियन के प्रधान सुरजीत सिंह व उनकी टीम का विशेष योगदान रहा।

माता चिंतपूर्णी के चरणों में नवाया शीश

विकास शर्मा, अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। रविवार को माता चिंतपूर्णी के दरबार में भारतीय सेना की 6 डोगरा रेजिमेंट के कमान अधिकारी, कर्नल रवींद्र सिंह रावत ने परिवार सहित माता के चरणों में शीश नवाया। उन्होंने रेजिमेंट की ओर से भेंट किए गए 40 किलो के पीतल शेरों की प्रतिमाओं का अनावरण कर स्मृति पट्टिका के माध्यम से कृतज्ञता व्यक्त की। यह शेर बटालियन की वीरता व 'हाजीपीर' बैटल ऑनर की याद दिलाता है। पूर्व सैनिकों व श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना की। कर्नल रावत ने कहा कि माता का आशीर्वाद सैनिकों को कर्तव्य पथ पर साहस और शक्ति प्रदान करे। यह आयोजन रेजिमेंट की परंपराओं को जीवित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

भक्तों को कैरी बैग भेंट कर प्रेरित किया जा रहा

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने के संकल्प के साथ रविवार को आपदा मित्र एवं स्टेट अवार्ड से सम्मानित संदीप कुमार ने डेरा बाबा नकोदर दास गद्दी धर्मसाल महंता में हाजिरी भरी। इस दौरान उन्होंने गद्दी के वर्तमान महंत उपेंद्र पाराशर से विशेष मुलाकात कर पॉलिथीन के विरुद्ध चलाए जा रहे अपने जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की। संदीप कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए महंत उपेंद्र पाराशर ने बताया कि डेरा द्वारा भी पॉलिथीन के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि गद्दी में आने वाले श्रद्धालुओं को प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर 'बाबा नकोदर दास' के नाम वाले विशेष कैरी बैग भेंट किए जाते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भक्तों को पॉलिथीन का प्रयोग न करने और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित करना है।

संतोषगढ़ में 24 घंटे में तीन हादसे, गैस टैंकर टिप्पर भिड़ंत से हड़कंप, तीन चालक घायल

अनंत ज्ञान

एलपीजी गैस टैंकर व टिप्पर के बीच हुई टक्कर। अनंत ज्ञान

टाहलीवाल। ऊना जिले के संतोषगढ़ क्षेत्र में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

रविवार सुबह संतोषगढ़ पुल पर एक बड़ा हादसा सामने आया, जब एक एलपीजी गैस टैंकर व दो टिप्परों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे में तीनों वाहनों के चालक घायल हो गए। टक्कर के बाद चालक गाड़ियों के अंदर बुरी तरह फंस गए थे। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए वाहनों के क्षतिग्रस्त हिस्सों को तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के चलते कुछ समय के लिए पुल पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया व लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची व स्थिति को संभालते हुए यातायात को बहाल करवाया। इससे एक दिन पहले शनिवार रात को भी गोशाला चौक पर एक बड़ा हादसा हुआ था, जहां तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा। इस घटना में भारी नुकसान हुआ, हालांकि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

वहीं, रविवार सुबह ही तीसरी घटना संतोषगढ़ कन्या स्कूल के पास सामने आई, जहां संतोषगढ़ से खानपुर की ओर जा रहा एक ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। इस हादसे में भी वाहन क्षतिग्रस्त हुआ और सवारों को चोटें आईं। लगातार हो रहे इन हादसों ने प्रशासन व स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव व तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही, सड़क सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किए बिना ऐसे हादसों पर लगाम लगाना मुश्किल होगा।

3 वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, ऊना/अंब। ऊना जिले के अंब उपमंडल के अंतर्गत गांव में तीन साल की मासूम बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, पीड़िता का इलाज क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में चल रहा है। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार घटना 27 मार्च की है। क्षेत्र में रहने वाले एक प्रवासी परिवार की दो बेटियों को पड़ोस का ही एक व्यक्ति कन्या पूजन के लिए अपने घर ले गया था। कुछ समय बीतने के बाद किसी अन्य महिला ने बच्ची की मां को सूचना दी कि उसकी बेटी के साथ कोई हादसा हो गया है। हादसे की सूचना पाकर बच्ची के माता-पिता तुरंत मौके पर पहुंचे व घायल अवस्था में बच्ची को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए। अस्पताल में मौजूद चिकित्सक ने बच्ची का चिकित्सकीय परीक्षण किया, तो स्पष्ट हुआ कि बच्ची के शरीर पर मौजूद चोटें किसी दुर्घटना की नहीं, बल्कि कथित यौन शोषण का परिणाम हैं। चिकित्सकों के इस खुलासे के बाद परिजनों के होश उड़ गए। बच्ची की गंभीर स्थिति और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उसे तुरंत क्षेत्रीय अस्पताल ऊना रेफर कर दिया गया, जहां उसे चिकित्सीय निगरानी में रखा गया है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचित किया गया। डीएसपी अंब ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

राज्यस्तरीय साहित्यकार संगोष्ठी में साहित्य और समाज पर चर्चा

संगोष्ठी में भाग लेते साहित्यकार व कवि। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। गोबिंद सागर झील (सतलुज नदी) में इतिहास रचते हुए पहली बार फ्लोटिंग जेट्टी पर राज्य स्तरीय साहित्यकार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह अनूठा कार्यक्रम लाडली फाउंडेशन और गोबिंद सागर एडवेंचर एंड वॉटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ।

इसमें बिलासपुर, मंडी, कांगड़ा, शिमला व हमीरपुर से आए साहित्यकारों व समाजसेवियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह रहा कि संगोष्ठी पानी के बीच फ्लोटिंग जेट्टी पर आयोजित की गई, जो अपने आप में ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों सराज अख्तर, शालिनी शर्मा और निर्मला ने माता वैष्णो देवी से लाई चुनरी से सभी साहित्यकारों को सम्मानित किया। मुख्य वक्ता के रूप में कांगड़ा से डॉ. इप्शिता धीमान व शिमला से गीता सुद ने साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि ऐसी संगोष्ठियां सृजन, संवाद और चिंतन का सशक्त मंच होती हैं। उन्होंने साहित्य के विभिन्न आयामों गद्य, कथा, नाटक और कविता पर प्रकाश डाला।

मंडी से सारिका सूद और हेमा ठाकुर ने पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव पर चिंता जताते हुए भारतीय संस्कृति के संरक्षण व राष्ट्र निर्माण में साहित्य की भूमिका पर बल दिया। वहीं, बिलासपुर से आशा कुमारी ने 'हम राष्ट्र के हैं और राष्ट्र हमारा है' सूत्र वाक्य के माध्यम से राष्ट्र सुदृढ़ीकरण और समग्र विकास पर अपने विचार रखे। साहित्यकार दीक्षा शर्मा, मीनू पटियाल व अंशु माला शर्मा ने भारतीय परंपरा व पाश्चात्य संस्कृति की तुलना करते हुए साहित्य के इतिहास और उससे जुड़े त्याग को याद किया। यह आयोजन न केवल साहित्यिक विमर्श का मंच बना, बल्कि बिलासपुर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण भी साबित हुआ, जहां सतलुज नदी की गोद में पहली बार इस प्रकार की राज्य स्तरीय संगोष्ठी आयोजित कर नई मिसाल कायम की गई।

ऊना में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू, 4500 बालिकाओं को लगेगा टीका

अनंत ज्ञान

ऊना। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जिला ऊना में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत रविवार को सिविल अस्पताल अंब से की गई। इस अभियान के तहत करीब 4500 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार वर्मा की अध्यक्षता में डॉ. मनीष मिश्रा की पुत्री कुमारी मन्नत मिश्रा को पहला टीका लगाकर किया गया। इस अवसर पर उन्हें सम्मानित भी किया गया। डॉ. वर्मा ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए यह टीकाकरण अभियान देशभर में शुरू किया गया है। इसके तहत जिला ऊना में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं का टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले में लगभग 4500 बालिकाओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जानकारी दी कि 5 अप्रैल तथा 12 अप्रैल को विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि जो बालिकाएं पहले दिन टीका नहीं लगवा पाईं, उन्हें भी इसका लाभ मिल सके। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाएं और अपनी बेटियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी अंब डॉ. राहुल कतना, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रिचा कालिया, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक दिनेश कुमार, शीला देवी सहित स्वास्थ्य विभाग का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

त्रिलोक जम्वाल ने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार पर उठाए गंभीर सवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार स्वास्थ्य क्षेत्र का बजट करीब एक हजार करोड़ रुपए घटा दिया गया है, जबकि सरकार रोबोटिक सर्जरी जैसे बड़े दावे कर रही है। जमीनी हकीकत यह है कि अस्पतालों में डॉक्टरों और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है तथा मरीजों को पर्ची बनवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। विधानसभा में कटौती प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल बिलासपुर में रोजाना 700–800 ओपीडी होने के बावजूद मरीजों को 2–ढाई घंटे लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। अस्पताल में केवल एक एंबुलेंस है और शव वाहन की सुविधा भी नहीं है। शौचालयों की हालत भी बेहद खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि बरमाणा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहां दुर्घटनाओं की आशंका रहती है, वहां का पीएचसी बंद कर दिया गया।

प्रवक्ता संघ ने पदोन्नत हुए प्रिंसिपल की जल्द नियुक्ति करने की मांग उठाई

अनंत ज्ञान

गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ ने दिसंबर माह में पदोन्नत हुए प्रिंसिपल को जल्द नियुक्ति करने की मांग की है।

राज्य अध्यक्ष अजय नेगी, मुख्य संरक्षक लोकेंद्र नेगी, मुख्य मार्गदर्शन राजेश सैनी, मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा, राज्य महासचिव इंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि संघ के प्रयासों के साथ 30 दिसंबर 2025 को प्रिंसिपल की प्रोमोशन की लिस्ट लंबे समय के बाद निकाली गई, लेकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी अभी तक इन प्रधानाचार्य की नियुक्ति नहीं की गई है। यह अभी भी उन्हीं विद्यालयों में कार्य कर रहे हैं, जहां यह प्रवक्ता के रुप में सेवा दे रहे थे। विभाग ने लिस्ट निकालने के बाद यह प्रधानाचार्य की नियुक्ति के लिए यह तर्क दिया था कि पदोन्नत प्रवक्ताओं को अगर स्टेशन दे दिए जाए, तो इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी इसीलिए इन्हें प्रवक्ता के रूप में ही सत्र खत्म होने तक कार्य करने दिया जाए। वहीं मौजूदा समय में अब विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं भी खत्म होने के कगार पर हैं, लेकिन अभी तक इन पदोन्नत प्रधानाचार्य की नियुक्ति नहीं की गई है। प्रधानाचार्य के रूप में पदोन्नत होने के बावजूद इन्हें अपने स्कूलों में प्रवक्ता के रूप में कार्य करना पड़ रहा है। स्कूल प्रवक्ता संघ ने विभाग से मांग की है कि इन पदोन्नत हो चुके प्रवक्ताओं को प्रधानाचार्य के रूप में जल्द नियुक्ति की जाए, ताकि तकरीबन 800 विद्यालयों में खाली पड़े प्रधानाचार्य के पदों को भरा जा सके व उन विद्यालयों का कार्य सुचारु रूप से चल सके। सचिव राजन शर्मा ने कहा कि स्कूलों में प्रिंसिपलों की जल्द तैनाती के लिए प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल लेक्चरर संघ के प्रदेश प्रधान अजय नेगी व महासचिव इंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व में एक–दो दिन में शीघ्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से भेंट करेगा।

बार, क्लब व रेस्टोरेंट अब रात 11 बजे तक खुले रह सकेंगे

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला ऊना में बार, क्लब, पब, आहाते व रेस्टोरेंट के संचालन समय को लेकर पूर्व में जारी आदेशों में संशोधन किया गया है। डीसी ऊना जतिन लाल ने पुलिस विभाग की अनुशंसा पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत नए निर्देश जारी किए हैं। संशोधित आदेशों के अनुसार, अब इन सभी लाइसेंसधारी प्रतिष्ठानों को रात 11 बजे तक खुले रहने की अनुमति होगी। पूर्व आदेशों में शराब परोसने वाले इन प्रतिष्ठानों के लिए संचालन समय रात 10 बजे तक निर्धारित किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 11 बजे कर दिया गया है। डीसी ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रतिष्ठानों को निर्धारित शर्तों, लाइसेंस प्रावधानों और कानून–व्यवस्था संबंधी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले आदेशों तक प्रभावी रहेगा।

शुभारंभ बिलासपुर जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

2735 किशोरियों का होगा टीकाकरण

अनंत ज्ञान

अभियान का शुभारंभ करते उपायुक्त राहुल कुमार। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। डीसी बिलासपुर राहुल कुमार ने रविवार को क्षेत्रीय अस्पताल परिसर से ह्यूमन पेपीलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान आगामी 5 अप्रैल तथा 12 अप्रैल को भी जारी रहेगा।

इस विशेष टीकाकरण अभियान का उद्देश्य 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करना है। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी (टीकाकरण) डॉ. दीपक सहित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि ह्यूमन पेपीलोमा वायरस (एचपीवी) एक सामान्य वायरस है, जो आगे चलकर महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। समय पर टीकाकरण इस बीमारी की रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है और यह अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि जिले के चार चिकित्सा खंडों के अंतर्गत कुल 30 स्वास्थ्य संस्थानों को इस अभियान के लिए चिन्हित किया गया है, जिसके माध्यम से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 2735 किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। डीसी ने कहा कि यह टीका पूर्णत: सुरक्षित, प्रभावी व वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह टीका सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग की किशोरियां इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने जिले के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बेटियों को एचपीवी टीकाकरण के लिए चिन्हित अपने नजदीकी सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा क्षेत्रीय अस्पताल में ले जाकर यह टीका अनिवार्य रूप से लगवाएं व अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। उन्होंने एचपीवी टीकाकरण को लेकर लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाहों या भ्रांतियों पर ध्यान न देने तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही जानकारी पर ही विश्वास करने का आह्वान किया। किसी कारणवश अभियान के दौरान जो किशोरियां छूट जाएंगी, उनका टीकाकरण आगामी 19 अप्रैल, 10 मई और 24 मई तथा 21 जून 2026 को किया जाएगा।

बागछाल पुल से ड्रग्स माफिया को आसान रास्ता: जीतराम कटवाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने प्रदेश में तेजी से पांव पसार रहे चिट्टे जैसे घातक नशे पर नकेल कसने को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं। विधानसभा में कटौती प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बागछाल पुल बनने से पंजाब के कीरतपुर से शाहतलाई, बड़सर, हमीरपुर व कांगड़ा की दूरी 60 किलोमीटर कम हुई है, जिससे यह रास्ता ड्रग्स माफिया के लिए आसान और सुरक्षित हो गया है। उन्होंने कहा कि पुल खुलने के करीब दो साल बाद भी वहां खोली गई पुलिस चौकी मात्र दो कर्मचारियों के साथ बेअसर है। अक्सर एक कर्मचारी छुट्टी पर रहता है, जिससे चौकी अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रही। उन्होंने बागछाल में पुलिस चौकी को कारगर ढंग से शुरू करने की मांग की। विधायक ने नशा रोकथाम के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की वकालत करते हुए कहा कि उपमंडल स्तरीय समितियों का अध्यक्ष किसी अधिकारी के बजाय वरिष्ठ विधायक को बनाया जाए। साथ ही पंचायती राज संस्थाओं व शहरी निकायों के जनप्रतिनिधियों को मॉनिटरिंग कमेटियों में शामिल कर उन्हें वर्कशॉप दी जाए।

बंगाणा में चिकित्सा शिविर में 988 लोगों ने करवाई जांच

अनंत ज्ञान

राजेश ठाकुर, बंगाणा। ऊना जिले के बंगाणा क्षेत्र में आयोजित विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर में लोगों का भारी उत्साह देखने को मिला।

सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट द्वारा पीजीआई व मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 988 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर सुबह सात बजे ही शुरू हो गया था, लेकिन उससे पहले ही मरीजों व बुजुर्गों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे लोगों ने समय पर पंजीकरण करवाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। हड्डी रोग, चर्म रोग व नेत्र रोग विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित उपचार की सलाह दी। जांच के बाद मरीजों को मौके पर ही निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। इसके साथ ही जरूरतमंदों को मुफ्त चश्मे भी वितरित किए गए, जिससे विशेषकर बुजुर्गों को काफी राहत मिली। कई लोगों ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण वे लंबे समय से जांच नहीं करवा पा रहे थे, लेकिन इस शिविर ने उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराईं। शिविर में आए मरीजों व उनके परिजनों के लिए विशेष रूप से पहाड़ी धाम का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया व आयोजकों के सेवा भाव की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन व व्यवस्था बनाए रखते हुए मरीजों की हर संभव सहायता की। विभिन्न काउंटरों तक पहुंचाने से लेकर उपचार प्रक्रिया को सुचारू रखने तक, हर स्तर पर सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। इस शिविर के सफल आयोजन में कुटलैहड़ भाजपा मंडल तथा विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यकर्ताओं ने पूरे दिन सेवा भाव से व्यवस्थाओं को संभाला और मरीजों की सहायता की। शिविर के आयोजक वरिष्ठ समाजसेवी दविंदर कुमार भुट्टो की लोगों ने जमकर सराहना की।

कुल्लू घाटी में सेब के फूलों की बहार, खिल उठे बागवानों के चेहरे

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान स्पैशल

मोहन कपूर, पतलीकूहल। देवभूमि कुल्लू की सुरम्य वादियों में एक बार फिर सेब के बगीचे सफेद और गुलाबी फूलों से महक उठे हैं।

घाटी के निचले और मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फ्लावरिंग का दौर चरम पर है, जिसे देख बागवानों की उम्मीदें परवान चढ़ने लगी हैं। लंबे सूखे के बाद ऐन वक्त पर हुई बारिश ने जमीन में नमी लौटा दी है, जिससे इस बार बेहतर फ्रूट सेटिंग व बंपर पैदावार की आस जगी है। फिलहाल कुल्लू की आर्थिकी की धुरी सेब अपने सबसे खूबसूरत व नाजुक दौर से गुजर रहा है। स्थानीय बागवानों भूपेंद्र, अशोक, चंद्र, अमर सिंह, डिंपल नेगी का कहना है कि बारिश ने मिट्टी में नमी तो बना दी है, जिससे फूल अच्छे खिले हैं, लेकिन अब हमें धूप की जरूरत है, अगर एक या दो हफ्ते तक मौसम मेहरबान रहा, तो सेब की फसल अच्छी हो सकती है।

सफेद और गुलाबी फूलों से महके सेब के बगीचे। अनंत ज्ञान

बारिश के अलर्ट से पोलिनेशन का संकट

जहां एक तरफ फूलों की बहार ने खुशहाली की दस्तक दी है। वहीं, बागवानों के सामने मौसम की चुनौती खड़ी हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले कुछ दिनों में घाटी में बारिश की संभावना जताई है। फ्लावरिंग के समय अत्यधिक बारिश या ओलावृष्टि फूलों को झाड़ सकती है, जिससे फसल को भारी नुकसान का डर है। बारिश के कारण मधुमक्खियों द्वारा होने बाले परागण प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो सकती है जिससे फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बागवान सुबह-शाम कर रहे बगीचों की निगरानी

बागवान सुबह-शाम अपने बगीचों की निगरानी कर रहे हैं और इंद्र देव से प्रार्थना कर रहे हैं कि मौसम का मिजाज अनुकूल रहे, ताकि साल भर की उनकी मेहनत सफल हो सके। इस साल की शुरुआत में सूखे ने बागवानों की चिंताएं बढ़ा दी थीं, लेकिन फ्लावरिंग से ठीक पहले हुई पर्याप्त बारिश और बर्फबारी ने वरदान का काम किया है। जमीन में नमी बरकरार रहने से पौधों को पर्याप्त पोषण मिल रहा है। बागवानों का मानना है कि यदि मौसम ने आगे भी इसी तरह साथ दिया, तो इस साल सेब की फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों ही पिछले कुछ वर्षों की तुलना में बेहतर हो सकती है।

सरकारी स्कूल लेकिन सुविधाएं प्राइवेट से भी बेहतर

अनंत ज्ञान भुंतर। जिला कुल्लू की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, शिरढ़ ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। 1 अप्रैल 2026 से दाखिले प्रारंभ होंगे। यह स्कूल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा का मजबूत विकल्प बनकर उभरा है। विद्यालय में आईसीटी आधारित स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशाला, रीडिंग रूम और एक्टिविटी रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे छात्रों को प्रैक्टिकल और अनुभवात्मक शिक्षा मिलती है। स्कूल में टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी और प्लंबिंग जैसे व्यावसायिक कोर्स भी शुरू किए गए हैं, जिससे विद्यार्थी रोजगार के लिए तैयार हो सकें। प्रधानाचार्य ने बताया कि उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और आत्मनिर्भर नागरिक तैयार करना है। स्वच्छ वातावरण, इको क्लब और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

मंत्री विक्रमादित्य सिंह के कुल्लू-मनाली दौरे की घोषणा के बाद लोगों ने रखी अपनी मांगें

सफर में शरीर की '206 हड्डियां हिल जाती हैं'

लेफ्ट बैंक रोड को डबल लेन बनाने की सख्त आवश्यकता बताई

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह द्वारा सोशल मीडिया पर कुल्लू-मनाली के लेफ्ट बैंक रोड की बदहाली का संज्ञान लेने व विधानसभा सत्र के बाद स्वयं निरीक्षण करने की घोषणा ने घाटी के लोगों में एक नई उम्मीद जगाई है।

मंत्री की इस पोस्ट को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किए जाने के बाद, कुल्लू जिले के कोने-कोने से ग्रामीणों ने अपनी व्यथा सुनाई है। जनता ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि केवल मुख्य मार्ग ही नहीं, बल्कि घाटी की अन्य उपेक्षित सड़कों की भी सुध ली जाए। जनता का कहना है कि पर्यटन सीजन सिर पर है, लेकिन सड़कों की हालत ऐसी है कि गाड़ियों के पुर्जे ढीले हो रहे हैं और सफर सुरक्षित नहीं रह गया है। लोगों ने मंत्री से अपील की है कि वे जमीनी हकीकत देखने के लिए खुद इन सड़कों पर आएं। **किसने कहां से क्या कहा?** सोशल मीडिया पर दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा है। यहां उन प्रमुख नामों व उनकी मांगों का विवरण है, जिन्होंने मंत्री के समक्ष गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि कुल्लू-मनाली लेफ्ट बैंक रोड की हालत बहुत खराब है। एक बारिश होते ही सड़क खत्म हो जाती है। ललित व संतोष के अनुसार भुंतर-मणिकर्ण-बरशैणी मार्ग (लगभग 50 किमी) की बदहाली का मुद्दा उठाया। ललित का कहना है कि 25-30 सालों से इस रोड पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। शोभा व गोपाल ने बताया कि हामटा रोड की कड़वी सच्चाई बताते हुए कहा कि यह भारत का सबसे महंगा रोड टैक्स (14 किमी का 200) वसूलता है, लेकिन सुविधा शून्य है। सफर में शरीर की '206 हड्डियां हिल जाती हैं'। वीर कोंडल के अनुसार मणिकर्ण व रायसन से मनाली तक की खराब स्थिति बताई और पतलीकूहल के पास 90 डिग्री की खतरनाक कटिंग व गिरते पत्थरों का स्थायी समाधान मांगा। सोनम गरफा ने ब्रान 0 प्वॉइंट से आगे जल निकासी न होने और ऊपर से हो रहे स्लाइड (भूस्खलन) की तस्वीरें साझा करते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग को चेतावनी दी। राजेश राणा ने बताया कि मुख्य बाजार भुंतर से खोखन रोड (मात्र 500 मीटर) एक साल से बंद पड़ा है, जिससे 5 गांवों के लोग परेशान हैं। अमर सिंह और प्रकाश पीके ने मांग की कि मंत्री मनाली के पर्यटन स्थलों की सभी सड़कों व लगवैली के अंदरूनी इलाकों का दौरा जरूर करें।

लाल चंद व मोहन लाल शर्मा ने मनाली टापू रोड की बदहाली व लेफ्ट बैंक रोड को डबल लेन बनाने की सख्त आवश्यकता बताई। संजू मियां ठाकुर ने व्यंग्य करते हुए कहा कि सड़कों के गड्ढों के कारण गाड़ियां अब घोड़े की तरह 'खटा-खट' करने लगी हैं। मदान देहरिया ने टोल प्लाजा के पास डोभी गांव और प्राइमरी स्कूल से पैराग्लाइडिंग ग्राउंड तक के 800 मीटर मार्ग की खस्ता हालत पर ध्यान आकर्षित किया। नरिंदर कुमार और ठाकुर गोपाल कृष्ण ने शालिन रोड, बरोर पारशा और आलुग्राउंड से छियाल लिंक रोड की मरम्मत की मांग की। कृष्ण भार्गव व कृषन देव ने हिडिंबा रोड और पुरानी मनाली की सड़कों में सुधार की अपील की। रोहित ठाकुर ने तंज कसते हुए लिखा कि शायद 'पीडब्ल्यूडी विभाग इस रोड पर अंतिम सांसें ले रहा है।' सभी ने आशा जताई है कि मंत्री विक्रमादित्य सिंह तक उनकी मांगें पहुंचेंगी और सड़कों के सुधार के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कुल्लू बिजली मंडल-एक की बड़ी कार्रवाई

घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का एक करोड़ से अधिक का बिजली बिल बकाया

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड के कुल्लू बिजली मंडल-1 के तहत आने वाले 2596 उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। मंडल के अंतर्गत घरेलू और वाणिज्यिक इन 2596 उपभोक्ताओं पर बिजली बिल की देनदारी एक करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है।

राजस्व की इस भारी कमी को देखते हुए विभाग ने अब 1000 रुपए से अधिक देनदारी वाले उपभोक्ताओं को नोटिस थमाना शुरू कर दिया हैं। कुल्लू व आसपास के पर्यटन क्षेत्रों में स्थित कुल 652 वाणिज्यिक श्रेणी में आने वाले उपभोक्ताओं पर 500 से 10000 तक बिल बकाया है। इसके साथ ही, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के 1944 घरेलू उपभोक्ताओं ने भी लंबे समय से बिल जमा नहीं कराए हैं। 1000 से 5000 बिल वाले उपभोक्ता -2157, 500 से 10000 तक के -286, 1000 से 2000 तक वाले -94, 2000 से 3000 वाले-29 व 3000 से 50000 वाले -30 उपभोक्ता हैं। जिनमें वाणिज्यिक श्रेणी वाले 652 जबकि घरेलू श्रेणी वाले 1944 हैं।

विभाग की चेतावनी

बिजली मंडल-1 के एसडीओ अक्षत सूद के अनुसार जिन उपभोक्ताओं का बिल लंबे समय से लंबित है, उन्हें अंतिम नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि 31 मार्च से पहले बिजली बिलों की अदायगी सुनिश्चित करें अन्यथा बिना किसी आगामी सूचना के बिजली मीटर कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

◆ **विभाग ने 2596 घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को जारी किए नोटिस**

डाबे राम, पूजा व पंकज के गानों पर झूमा पतलीकूहल

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। पतलीकूहल में मां दुर्गा काली के सम्मान में आयोजित तीन दिवसीय राम नवमी दुर्गा अष्टमी मेले का समापन हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ हुआ।

आयोजनकर्ता आशियां ग्रुप व मेला कमेटी के सफल प्रयासों से मेला पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्र भर से भारी संख्या में श्रद्धालु व दर्शक पहुंचे। अंतिम सांस्कृतिक संध्या लोकगायक डाबे राम कुल्लवी, पूजा आर्य और पंकज काका के नाम रही। डाबे राम कुल्लवी ने अपने प्रसिद्ध कुल्लवी गीतों 'झूरी लोड़ी दिलै री वूझणूं आली', 'हीयुआ रे लागे पूणे' और 'तारा लाडीये' से माहौल को पहाड़ी रंग में रंग दिया। वहीं गायिका पूजा आर्य ने 'बालू री भागिये', 'चंद्रुए' और 'रिमझिम बरखा लागी' जैसे लोकप्रिय गीतों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों की फरमाइश पर उन्होंने हिंदी गीत भी प्रस्तुत किए, जिन्हें खूब सराहा गया।

पंकज काका ने कुल्लवी, नेपाली और फिल्मी गीतों के जरिए समां बांधा। मेला स्थल पर उमड़ी भीड़ और तालियों की गूंज ने आयोजन की सफलता को दर्शाया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान राजीव ठाकुर, जय चंद, भागदास महंत और सुरेंद्र भोला ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। आशियां ग्रुप के अध्यक्ष संजय अंगरूप व मेला कमेटी के सदस्यों ने मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथियों ने मेले को आपसी भाईचारे, संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। समापन अवसर पर मां दुर्गा काली के सम्मान में भंडारे का आयोजन भी किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सफल आयोजन में आशियां ग्रुप के सदस्यों अली जॉन सिंह प्रेमी, डोला राम, गगन पॉल, हेमंत कुमार, मयूर मदान और सिमरन भारद्वाज का विशेष योगदान रहा, जिनकी मेहनत और समर्पण से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

मेले के सफल आयोजन में मां दुर्गा काली कमेटी की अहम भूमिका रही। कमेटी के अध्यक्ष बलबीर, कोषाध्यक्ष हीरालाल, सचिव महेंद्र पिलपा और उपप्रधान नरेंद्र पिल्पा सहित सलाहकार सोहन लाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। गुर देवी राम और पुजारी अमर देव की देखरेख में धार्मिक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से संपन्न किए गए। अधिष्ठाती माँ दुर्गा काली अपने अस्थाई स्थान से देवालय लौट आई, जिससे पूरे क्षेत्र में आस्था का वातावरण बना रहा।

मां दुर्गा काली के संदेश में श्रद्धालुओं को एकजुट होकर रहने और आपसी सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया गया। माँ ने संकेत दिया कि कुछ अनहोनी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिनसे बचने के लिए मानव को अपनी गलतियों से सीख लेना आवश्यक है। माँ दुर्गा काली ने यह भी कहा कि देवभूमि में देवी-देवताओं के स्थानों के साथ छेड़छाड़ न करें, क्योंकि यही शक्ति स्वरूप देवता समस्त विपदाओं से रक्षा करते हैं। मां दुर्गा काली का आशीर्वाद सभी के साथ है, लेकिन मनुष्य को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए धर्म और परंपराओं का पालन करना चाहिए।

पूर्व सांसद डॉ. आरसी खुंटिया बने इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अनंत ज्ञान

भुंतर। इंडियन नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, फॉरेस्ट एंड वुड वर्कर्स फेडरेशन का जनरल बॉडी चुनाव अधिवेशन भव्य रूप से भारत जोड़ो भवन, बेंगलुरु में आयोजित हुआ।

इसमें देशभर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हिमाचल प्रदेश कुल्लू से जिला अध्यक्ष खीमी राम चौहान ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व डॉ. जी संजीवा रेड्डी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) ने किया। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. आरसीखुंटिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंटक एवं फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहे।

अधिवेशन में असंगठित श्रमिकों के हित में 13 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु पर वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव विशेष सराहना प्राप्त हुआ। चुनाव समिति ने डॉ. आरसी खुंटिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसमें खीमी राम चौहान ने सक्रिय भूमिका निभाई।

नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगदीश माली को कार्यकारी अध्यक्ष, दादाराव डोंगरे उपाध्यक्ष, इकबाल सिंह मिन्हास महासचिव, एम. विजय नायक महासचिव, अमजद हसन संयुक्त महासचिव, मदन ढाल कोषाध्यक्ष, किशोर जेना उपाध्यक्ष और दिनेश बेंगलुरु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए। महिला विंग की अध्यक्ष प्रणवती मिश्रा ने इकबाल सिंह मिन्हास को राष्ट्रीय महासचिव बनाया। अधिवेशन का समापन एकजुटता और मजबूती के साथ हुआ, जिसमें फेडरेशन ने देशभर के असंगठित श्रमिकों के अधिकार, गरिमा और कल्याण की रक्षा के अपने संकल्प को दोहराया।

आनी में आयुष मेले का आयोजन, स्वास्थ्य सेवाओं का मिला लाभ

औषधीय पौधों की प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

अनंत ज्ञान

आनी। ग्राम पंचायत बखनाओं के राजा रघुवीर सिंह स्टेडियम मैदान आनी में आयुष ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य आयुष मेले का आयोजन किया गया।

मेले में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर, योग शिविर, औषधीय पौधों की प्रदर्शनी तथा पौधों का वितरण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, ऋतु अनुसार खान-पान, दिनचर्या, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और पंचकर्म के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में शुगर, रक्तचाप (बीपी) और हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को दवाइयां भी मुफ्त वितरित की गईं। कार्यक्रम में उपमंडलाधिकारी नागरिक आनी लक्ष्मण सिंह कनेत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति हमारी प्राचीन धरोहर है, जिसे अपनाकर हम स्वस्थ और निरोग जीवन जी सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करें। कार्यकारी आयुष उपमंडल चिकित्सा अधिकारी आनी डॉ. हरीश शर्मा ने बताया कि इस मेले का उद्देश्य आम जनता को आयुष विभाग की योजनाओं और सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद न केवल रोगों के उपचार में सहायक है, बल्कि यह स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों का आयोजन कर अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएंगी। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी आयुष चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मेले में औषधीय पौधों का वितरण कर लोगों को घर-घर आयुर्वेद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

आनी में आयुष मेले के दौरान लोगों को औषधीय पौधे वितरित करते हुए। अनंत ज्ञान

बालीचौकी पंचायत में आयोजित हुआ मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 300 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के ढालपुर स्थित रघुनाथ हॉस्पिटल कुल्लू द्वारा ग्राम पंचायत बालीचौकी में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इसमें क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस शिविर का शुभारंभ एसडीएम बालीचौकी बचित्तर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन दलीप सिंह ठाकुर तथा ग्राम पंचायत बालीचौकी के निर्वतमान प्रधान चितर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों की आवश्यकता पर बल दिया। शिविर में रघुनाथ हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिसमें डॉ. सुमेध कौल (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ),डॉ. संजय सहाय (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. नासिर अली (जनरल एवं एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जन),डॉ. गीता कौल (सीनियर मेडिकल ऑफिसर) शामिल रहे। इस स्वास्थ्य शिविर में 300 से अधिक मरीजों की निशुल्क जांच व परामर्श किया गया। स्त्री रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग व सामान्य सर्जरी से संबंधित समस्याओं का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। साथ ही मरीजों को निशुल्क दवाइयां व आवश्यक जांच सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गईं। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इसमें रघुनाथ हॉस्पिटल की टीम पूरी तरह सफल रही। रघुनाथ हॉस्पिटल प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए ग्राम पंचायत बालीचौकी, सभी गणमान्य अतिथियों, चिकित्सा टीम तथा स्थानीय जनता का आभार व्यक्त किया। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का संकल्प दोहराया, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें।

विकास कार्यों में निगरानी व समन्वय जरूरी: अनुराग शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा से डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा ने परिधि गृह में शिष्टाचार भेंट की। डीसी ने सांसद का कुल्लू आगमन पर स्वागत किया। भेंट के दौरान सांसद ने जिला कुल्लू में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से आम जनता तक पहुंचे। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर निरंतर निगरानी व समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता व गति बनाए रखने के निर्देश भी दिए। डीसी ने सांसद को ब्यास नदी में चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर किए जा रहे ड्रेजिंग कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन कार्यों का उद्देश्य नदी के प्रवाह को सुचारू बनाए रखना तथा बाढ़ जैसी संभावित आपदाओं से सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, जिले में कूड़ा निष्पादन व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रयासों व व्यवस्थाओं से भी अवगत कराया गया। बैठक के दौरान जिले में संचालित साहसिक खेल गतिविधियों व पर्यटन क्षेत्र के विकास पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा से शिष्टाचार भेंट के दौरान डीसी कुल्लू व अन्य गणमान्य लोग। अनंत ज्ञान

डीसी ने बताया कि जिला कुल्लू में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं, जिनमें एडवेंचर टूरिज्म, आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण तथा पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता में शामिल है। सांसद ने जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विकास कार्यों को जनहित के अनुरूप व अधिक प्रभावी बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा की कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। सांसद ने जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आपदा के समय जिस तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कार्य किया, उससे प्रभावित लोगों को समय पर राहत पहुंची व राहत व पुनर्वास कार्यों में तेजी आई। उन्होंने प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आपदा की घड़ी में त्वरित व समन्वित कार्रवाई अत्यंत आवश्यक होती है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सेस राम आजाद सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ को दिया व्यापक प्रशिक्षण, पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया पर जोर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण-2026 को सुव्यवस्थित व सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला लाहौल-स्पीति में बीएलओ सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी किरण भड़ाना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी एवं मीडिया नोडल अधिकारी कुनिका ऐकर्स ने जानकारी देते हुए बताया कि 21-लाहौल एवं स्पीति (अनुसूचित जनजाति) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में नियुक्त सभी बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ को फोटोयुक्त मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण-2026 से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को मतदाताओं के बीच फार्मों के वितरण और उनके सही तरीके से संग्रहण की प्रक्रिया के बारे में सरल एवं स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही मतदाता सूची पुनरीक्षण के नियमों, इसकी आवश्यकता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसके महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जिससे उन्हें कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जैसे ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण-2026 का कार्यक्रम घोषित किया जाएगा, सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि आम जनता को प्रक्रिया की पूरी जानकारी मिल सके। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी एवं कार्यकारी तहसीलदार (निर्वाचन) विकास कुमार, निर्वाचन कानूनगो रजत बुशैहरी, वरिष्ठ सहायक सुरिंद्र कुमार तथा सहायक प्रोग्रामर मनीष प्रभाकर द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

परेशानी डंगे न लगाने से ग्रामीणों में रोष, भ्रष्टाचार के चलते सरकारी पैसे का किया जा रहा दुरुपयोग

सलपट गांव में हो रहा भूमि कटाव, ग्रामीणों में खौफ

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

कमलेश वर्मा, केलांग। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के सलपट गांव में हो रहे भूमि कटाव के कारण ग्रामीणों में खौफ का माहौल है। साथ ही डंगे न लगने से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पर जरूरत थी, वहां पर काम नहीं हो रहा है। एक साल से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग व विधायक के ध्यान में कई बार इस समस्या का हल निकालने के लिए कहा कि यहां डंगे लगाया जाए या आरसीसी की जाए पर किसी ने कुछ नहीं किया। पूरे डंगे समेत सड़क गिरने लगी है। स्थानीय निवासी लक्ष्मण ठाकुर, निवर्तमान प्रधान ग्राम पंचायत सलपट काकू शर्मा, अजीत व महिला मंडल सदस्य थोपी व लक्ष्मी देवी ने बताया कि जहां जरूरत है वहां कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग व सरकार काम सिर्फ अपने लोगों को फायदा देने के लिए ही जहां बोले वहां डंगे लग रहे हैं। उन्होंने कहा भ्रष्टाचार के चलते सरकारी पैसे का दुरूपयोग किया जा रहा है। सलपट गांव की सड़क पर काम न होना सरकार की विफलता व लापरवाही का कारण है। ग्रामीणों ने बताया कि सलपट गांव में बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त सड़क के पुनर्निर्माण को लेकर स्थानीय विधायक व लोक निर्माण विभाग बिलकुल भी गंभीर दिखाई नहीं दे रहे हैं। अनुकूल मौसम के बावजूद धरातल पर कार्य होते हुए नजर नहीं आ रहे हैं।

सड़क में गिरा डंगा, जिससे हादसे का खतरा सता रहा। अनंत ज्ञान

सलपट गांव के लोग आज भी लोक निर्माण विभाग के कार्यों की प्रतीक्षा में हैं। लोगों ने उम्मीद जताई थी कि मौसम खुलने के बाद कार्य शुरू होगा, लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी कार्य शुरू नहीं किया गया है। इससे गांव की जनता में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार ने प्रदेश में सड़क परियोजनाओं के लिए दिल खोलकर बजट उपलब्ध करवाया है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सरकार उस धनराशि का भी सही ढंग से उपयोग नहीं कर पा रही। सलपट गांव की जनता का आक्रोश अब चरम पर पहुंच चुका है और यदि लोक निर्माण विभाग ने जल्द कार्य शुरू नहीं किया तो विधायक और लोक निर्माण विभाग को जनता के इस आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

> **घाटी** में बर्फ पड़ने व अधिक ठंड होने के कारण कार्य करने में देरी हुई है, अब इसका कार्य अप्रैल से शुरू किया जाएगा जिस में आरसीसी के साथ डंगा भी लगाया जाएगा।
> **अक्षय, सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग उदयपुर।**

कुल्लू जिले में 14 से 15 वर्ष की आयु की किशोरियों को लगा एचपीवी वेक्सीन टीका

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू में स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है। यह अभियान रविवार से शुरू हो गया है। इसके तहत 14 व 15 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों को टीका लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले के कोल्ड चेन स्थल निर्धारित किए गए हैं।

अधिकतर स्थलों पर वैक्सीन भी उपलब्ध करवाई गई है। खास बात यह है कि बाजार से करीब 11000 रुपए में मिलने वाला एचपीवीट टीका अब अस्पतालों में निशुल्क लगाया जा रहा है। इससे पहले सर्वाइकल कैंसर के लिए सरकारी स्तर पर दवाइयां दी जाती थी। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व और इसके लाभों के बारे में जानकारी भी दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रंजीत ठाकुर ने बताया कि अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग की पूरी तैयारी हो गई है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वह अपनी 14 और 15 वर्ष की बेटियों का टीकाकरण अवश्य करवाएं, ताकि उन्हें भविष्य में होने वाले गंभीर रोगों से बचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रंजीत ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग कुल्लू में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की कुल 4216 किशोरियों का पंजीकरण स्वास्थ्य विभाग में किया है। यह जीवन रक्षक टीका निशुल्क लगाया जा रहा है। एचपीवी वैक्सीन एक सुरक्षित व प्रभावी टीका है, जो ह्यूमन पेपिल्लोमा वायरस के संक्रमण से बचाता है। यह वाइरस महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) का मुख्य कारण माना जाता है और यह जननागों के मस्सों और अन्य कैंसर से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

चुनाव लड़ने के चाहवानों को सोलन नगर निगम के वार्डों के रोस्टर का इंतजार

ओपन वार्ड आरक्षित हुए तो निवर्तमान पार्षदों को तलाशनी पड़ेगी नई जमीन

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। प्रदेश में पंचायतीराज और निकाय चुनाव की तैयारियां के बीच प्रशासन ने नगर निगम सोलन का चुनावी रोस्टर बना लिया है। चुनाव लड़ने के चाहवानों को निगम के वार्डों के रोस्टर का इंतजार है। एक दो दिन में यह आधिकारिक तौर पर घोषित होगा। रोस्टर 2011 की जनगणना के मुताबिक बनाया गया है। ऐसे में सोलन नगर निगम का रोस्टर डीसी जल्द जारी कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक रोस्टर में अधिकतर ओपन वार्ड आरक्षित होने वाले हैं। ऐसे में ओपन वार्ड से जीतकर आए पार्षदों को पैर तले चुनावी जमीन खिसक जाएगी। पर उनके पास अन्य वार्डों में किस्मत आजमाने का विकल्प रहेगा। वहीं आरक्षित वार्ड ओपन होने से कई वर्षों से चुनाव लड़ने की बाट जोह रहे दावेदारों को नई उम्मीद जगी है। वहीं ओपन वार्ड से जीत कर आए पार्षदों की चिंता भी बढ़ गई है। पहले शहरी विभाग के प्रधान सचिव ने जनगणना में देरी से वार्डों में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति और ओबीसी सही आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने का हवाला दिया था। पर हाईकोर्ट के दखल से अब वर्ष को 2011की जनगणना के मुताबिक ही सोलन नगर निगम का रोस्टर बनेगा। वर्तमान में नगर निगम सोलन के कुल 17 वार्डों में 9 सीट पर कांग्रेस, 7 सीट पर भाजपा और 1 सीट पर निर्दलीय पार्षद काबिज है।

चुनाव आयोग कभी भी पंचायती राज चुनाव और नगर निगमों के चुनाव करवाने की घोषणा कर सकता है। ऐसे में अब नगर निगम सोलन के वार्डों का रोस्टर 31 मार्च से पहले घोषित करना जरूरी है। इससे वार्डों के ओपन या आरक्षित होने की उम्मीद लगाए बैठे दावेदारों को चुनाव में उतरने का अवसर मिलेगा।

ऐसा था पूर्व में चुनाव रोस्टर

पिछला रोस्टर भी 2011 की जनगणना के आधार पर रोस्टर तय हुआ था। जिसमें 50 फीसदी वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित थे, जबकि अन्य वार्ड ओपन और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था।

रोस्टर में वार्ड -1 अनुसूचित जाति, वार्ड-2 महिला ओपन, वार्ड-3 महिला ओपन, वार्ड-4 महिला ओपन, वार्ड-5 ओपन, वार्ड-6 महिला आरक्षित, वार्ड-7 अनुसूचित महिला आरक्षित, वार्ड-8 ओपन, वार्ड-9 ओपन, वार्ड-10 महिला आरक्षित, वार्ड-11 ओपन, वार्ड-12 महिला आरक्षित, वार्ड-13 आरक्षित अनुसूचित जाति, वार्ड-14 ओपन, वार्ड-15 महिला ओपन, वार्ड-16 आरक्षित अनुसूचित जाति महिला और वार्ड-17 ओपन है।

वर्तमान में वार्डों का संभावित चुनाव रोस्टर

वार्ड नंबर-1 महिला ओपन, वार्ड नंबर-2 ओपन पुरुष, वार्ड नंबर-3 ओपन पुरुष, वार्ड नंबर-4 एससी महिला, वार्ड नंबर-5 महिला ओपन, वार्ड नंबर-6 पुरुष ओपन, वार्ड नंबर-7 महिला ओपन, वार्ड नंबर-8 एससी पुरुष, वार्ड नंबर-9 महिला ओपन, वार्ड नंबर-10 पुरुष ओपन, वार्ड नंबर-11 महिला ओपन, वार्ड नंबर-12 ओपन पुरुष, वार्ड नंबर-13 महिला ओपन, वार्ड नंबर-14 महिला ओपन, वार्ड नंबर-15 ओपन पुरुष, वार्ड नंबर-16 ओपन पुरुष, वार्ड नंबर-17 एससी पुरुष।

सोलन में 'आप' की बैठक, मजबूत प्रत्याशी उतारने का ऐलान

प्रेम कुमार, कंडाघाट। सोलन विधानसभा क्षेत्र के आम आदमी पार्टी संगठन की बैठक रविवार को लोक निर्माण विश्राम गृह कंडाघाट में आयोजित की गई। इसमें पार्टी के सोलन जिला व ब्लॉक के अध्यक्ष जतिन मुसाफिर, राज्य प्रवक्ता एडवोकेट राजीव शर्मा और संगठन मंत्री ललित कोंडल विशेष तौर से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, कार्यकारिणी के विस्तार, गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलाने पर विचार किया। चर्चा के बाद प्रस्ताव पारित किया कि आगामी विस चुनाव में सोलन विस से पार्टी मजबूत व लोगों से जुड़ा प्रत्याशी को उतारेगी। जिलाध्यक्ष जतिन मुसाफिर ने कहा कि आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है। प्रदेश प्रवक्ता ने सोलन में भाजपा-कांग्रेस के परिवारवाद व इनमें नूरा कुश्ती होने की बात कही। आम आदमी पार्टी प्रदेश के लोगों का तीसरा व ईमानदार विकल्प हैं। इस दौरान रणधीर सिंह, जोगिंदर, गगन, कश्मीर सिंह, मनजिंदर, चेतन, नरेश, रुपेश सहित कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाहन नप चुनाव : वार्ड आरक्षण तय, बदली सियासी तस्वीर

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर नाहन में वार्ड आरक्षण की तस्वीर साफ होते ही चुनावी माहौल गरमा गया है। शनिवार को ड्रा ऑफ लॉट्स के जरिए नाहन नगर परिषद के वार्डों का आरक्षण तय कर दिया गया, जिसके बाद कई पुराने दावेदारों का गणित बिगड़ गया है, जबकि कई नए चेहरों के लिए राजनीति में उतरने का रास्ता खुल गया है। सबसे ज्यादा हलचल उन वार्डों में देखी जा रही है, जहां इस बार महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षण तय हुआ है। आरक्षण सूची सामने आते ही अब नाहन में चुनावी रणनीति, वार्ड स्तर की जोड़-तोड़ और संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

◆ **नए चेहरों के लिए राजनीति में उतरने का खुल गया रास्ता**

नाहन में ऐसे बदली तस्वीर

नाहन नगर परिषद के कुल 13 वार्डों के लिए आरक्षण प्रक्रिया एसडीएम नाहन राजीव संख्यान और नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार की मौजूदगी में पूरी की गई।

नाहन में वार्ड नंबर-3 शांति संगम, 4 शमशेर गंज, 5 अमरपुर, 11 जगन्नाथ मंदिर और 13 वाल्मीकि बस्ती को महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है।

वार्ड नंबर-9 मियां मंदिर को अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित किया गया है।

वार्ड नंबर-8 रानीताल और 12 नौणी का बाग को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रखा गया है।

वार्ड नंबर-1 ढाबों मोहल्ला, 2 हरिपुर, 6 नया बाजार, 7 अपर स्ट्रीट और 10 कच्चा टैंक को अनारक्षित रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

चुरवाधार में बस चालक से मारपीट, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, राजगढ़। राजगढ़ से लगभग 5 किलोमीटर दूर चुरवाधार में सरकारी बस चालक के साथ मारपीट और गाली-गलौच का मामला सामने आया, जिसने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। जानकारी के अनुसार बस अपने निर्धारित रूट पर चल रही थी, तभी कुछ स्थानीय लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि इसके बाद कुछ युवकों ने बस की खिड़की खोलकर चालक पर हमला किया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग हरकत में आ गए। स्थानीय लोगों और कर्मचारी संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि इस तरह की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल नहीं उठातीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता पैदा करती हैं। विद्याचंद नेगी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ राजगढ़ थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

43 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू चार अप्रैल को

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला रोजगार कार्यालय सोलन में मैसर्ज देव भूमि फल एवं सब्जी किसान उत्पादक कंपनी में फील्ड ऑफिसर, सोशल मीडिया एग्जीक्यूटिव, पैंट्री बॉय व ड्राइवर के 21 पद तथा स्काई मरचेंट इंटरनेशनल शिमला में मेनेजमेंट ट्रेनी व मार्केटिंग ट्रेनी के 22 पदों पर भर्ती के लिए 4 अप्रैल, 2026 को कैंपस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी जगदीश कुमार ने दी। उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, बेसिक कंप्यूटर नॉलेज व आयु 20 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ईईएमआईएस पर कैंडिडेट लॉगइन टेब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सके हैं। प्रत्येक आवेदक का नाम रोजगार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर की बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण की शुरुआत

अनंत ज्ञान, अर्की। सिविल अस्पताल अर्की में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु जागरूक करना एवं टीकाकरण सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत लक्षय पब्लिक स्कूल अर्की की छात्रा कृति शर्मा को पहला एचपीवी टीका लगाकर की गई। कृति शर्मा ने सबसे पहले टीकाकरण करवाकर अन्य छात्राओं के लिए एक सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने उसकी सराहना की और अन्य छात्राओं को भी आगे आकर टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. मुक्ता रस्तोगी, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अर्की, विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि 14 से 15 वर्ष की आयु की बालिकाओं के लिए यह टीका अत्यंत लाभकारी है और इसे सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

अर्की स्कूल में बाल वाटिका से कक्षा जमा दो तक प्रवेश एक अप्रैल से आरंभ

अनंत ज्ञान, अर्की। अर्की उप-नगर के तीन विद्यालयों को मिलाकर एक विद्यालय बने एससीवीटी राजकीय माध्यमिक विद्यालय अर्की में एक अप्रैल, 2026 से सीबीएसई के तहत प्रवेश बालवाटिका से जमा दो तक आरंभ होगा। यह प्रक्रिया 10 अप्रैल तक चलेगी। प्रधानाचार्य राजकुमार गौतम ने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अनुसार इस वर्ष से विद्यालय में बालवाटिका से जमा दो कक्षा तक सीबीएसई के अंतर्गत एक ही छत के अधीन पढ़ाई होगी। इसके लिए सभी तैयारियां विभागीय निर्देशानुसार पूर्ण कर ली गई है। सभी कक्षाओं में छात्र तथा छात्रा दोनों को प्रवेश प्रदान किया जाएगा। कक्षा बालवाटिका से जमा दो तक 40 विद्यार्थियों का एक सेक्शन बनाया गया है। छठी कक्षा से जमा दो कक्षा तक विद्यालय को दो और तीन सेक्शन आवंटित किए गए हैं । विद्यालय को प्रति सेक्शन विद्यार्थियों की संख्या निर्धारित की गई है 10 अप्रैल तक 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा । बालवाटिका से कक्षा आठवीं तक निशुल्क शिक्षा रहेगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष रत्न सिंह पाल के साथ सोलन ग्रामीण मंडल ने सुनी पीएम की 'मन की बात'

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन विधानसभा के सोलन ग्रामीण मंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' के 132वें एपिसोड को विभिन्न बूथों पर उत्साहपूर्वक सुना गया। इसी क्रम में बूथ नंबर-116 (सेर) पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रत्न सिंह पाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (आईटी विभाग) अरुष गुप्ता भी विशेष रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम मंडल महामंत्री विजय ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। मुख्य अतिथि ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने एवं राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी बूथों पर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई थीं।

भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर नाहन की सैकड़ों बीघा जमीन पर अवैध कब्जा बारे डीसी को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, नाहन। देश मे पूरी के बाद प्राचीनतम धाम भगवान श्री जग्गनाथ मंदिर नाहन की सैकड़ों बीघा जमीन पर सालों से अवैध कब्जों की भरमार हो रही है। इस मामले में जिला प्रशासन की और से कारवाई करने के लिए शनिवार को डीसी सिरमौर एंव मंदिर समिति की अध्यक्ष प्रियंका वर्मा से पूर्व पार्षद विक्रम वर्मा की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाई है। वर्मा ने बताया कि डीसी से कहा गया है कि मंदिर की शहर में ही आसपास गावों में भी अथाह अचल संपत्ति की पैमाइश कराई जाए। अवैध कब्जे छुड़ा कर इस संपति का सदुपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि पूरी के बाद यह धाम भी विश्व प्रसिद्ध है। आज यह धाम अनदेखी के कारण सौन्दर्यकरण के लिए भी तरस रहा है। ऐसे में अब डीसी को यह सुझाव दिया गया है कि इस धाम सौंदर्यकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

सरकारी ठेकेदारों को कार्य पूर्ण करने पर भी पैसा नहीं दे रही सरकार : रावत

अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान करते हुए कहा कि जब से प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ है तब से ही सरकारी ठेकेदारों को कार्य पूर्ण करने पर भी जल शक्ति विभाग जल जीवन मिशन के बिलों का भुगतान नहीं कर रहा है।

इतना ही नहीं लोक निर्माण विभाग एवं अन्य विभागों से भी सरकारी ठेकेदारों को समय रहते हुए बिलों का भुगतान नहीं हो रहा है। जिससे ठेकेदारों के पास लगे मजदूरों को अपने परिवार का पालन पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रावत ने बताया कि ऐसी सरकार हमने आज तक कभी नहीं देखी है जो काम करने पर भी ठेकेदारों को पैसे नहीं दे रही है। रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू प्रदेश की जनता का पैसा अपनी मौज मस्ती एवं अपने मित्रों की मौज मस्ती पर लूटा रहे हैं, जबकि प्रदेश की जनता इस निकम्मी एवं भ्रष्ट सरकार से बहुत दुखी है। इतना ही नहीं प्रदेश के छोटे एवं मझौले कर्मचारी भी इस सरकार से बहुत दुखी है क्योंकि उनको भी समय रहते हुए अपना वेतन नहीं मिलता है।

◆ **जनता निकम्मी एवं भ्रष्ट सरकार से दुखी**

ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस बुकिंग 45 की बजाए 30 दिन की जाए

रसोई गैस के दाम और बुकिंग अवधि बढ़ने से लोग झेल रहे दोहरी मार

अनंत ज्ञान

राजगढ़। ग्रामीण परिवेश में 45 दिन उपरांत रसोई गैस बुक करवाने के तय मापदंडों को घटाकर 30 दिन करने की मांग बढ़ती जा रही है, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस के बिना काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। राजगढ़ क्षेत्र के राकेश कुमार, नेक राम, प्रीतम ठाकुर, मनोहर सिंह, जयराम सहित अनेक लोगों का कहना है कि सरकार ने एक तरफ रसोई गैस के दाम में बढ़ोतरी कर दी है, दूसरी ओर बुक करने की अवधि को भी 30 दिन से बढ़ाकर 45 दिन कर दी गई है। अर्थात ग्रामीण दोहरी मार झेल रहे हैं । इनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान में जलाने वाली लकड़ी का अभाव हो गया है। रसोई गैस के कारण लोगों ने ईंधन की लकड़ी एकत्रित करना भी छोड़ दिया है। दूसरी ओर ग्रामीण परिवेश में अधिकतर परिवार संयुक्त रूप से रहते हैं, जहां एक रसोई गैस सिलेंडर करीब 20 से 25 दिन तक बड़ी मुश्किल से चलता है।

रसोई गैस बुक करने के लिए 45 दिन निर्धारित होने से अनेक परिवारों में रसोई गैस की समस्या उत्पन्न हो गई है विशेषकर जो कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं उन्हें रसोई गैस न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जबकि ग्रामीण परिवेश में कोई होटल ढाबा भी नहीं होता है। लोगों का कहना है कि जिस प्रकार रसोई गैस की समस्या गंभीर बनती जा रही है जिससे वनों पर भी दबाव बढ़ेगा और पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ जाएगा। हालांकि गैस एजेंसी राजगढ़ में रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिनके द्वारा राजगढ़ व साथ लगते क्षेत्र की 49 पंचायतों में रसोई गैस सिलेंडर वितरित किए जाते हैं। क्षेत्र के लोगों ने सरकार से मांग की है कि रसोई गैस सिलेंडर को पहले की भांति आपूर्ति की जाए।

> **भारत** सरकार द्वारा 45 दिन उपरांत रसोई गैस बुक की अवधि तय की है, वही इसे कम कर सकते हैं
> **पदमदेव, निरीक्षक, खाद्य एवं आपूर्ति राजगढ़**

1250 से अधिक स्कूल बंद, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ : चंदेल

अनंत ज्ञान, अर्की। आम आदमी पार्टी अशोक चंदेल प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में मौजूदा कांग्रेस सरकार द्वारा बीते तीन वर्षों में 1250 से अधिक स्कूलों को बंद या मर्ज करना बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण कदम है। आम आदमी पार्टी इस फैसले की निंदा करती है और इसे सीधे तौर पर प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय मानती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूर-दराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों का बंद होना न केवल बच्चों की शिक्षा तक पहुंच को कठिन बना रहा है, बल्कि इससे ड्रॉपआउट दर बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। छोटे बच्चों को अब लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कई परिवार अपने बच्चों की शिक्षा ही छुड़ाने पर मजबूर हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध : संजय अवस्थी

अर्की विस क्षेत्र में 16 आयुष केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' में किया स्तरोन्नत

अनंत ज्ञान

कृष्ण रघुवंशी, अर्की। अर्की विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ आयुष पद्धति के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वह ग्राम पंचायत प्लानिया में आयुष विभाग द्वारा आयोजित आयुष मेले के शुभारंभ अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के 16 आयुष स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में विकसित किया गया है, जहां अब पैरा-सर्जिकल प्रक्रियाएं जैसे अग्निकर्म, रक्तमोक्षण और सूक्ष्म पंचकर्म जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। कि इन केंद्रों में ग्रामीणों को घर के नजदीक ही मधुमेह, रक्त जांच सहित अन्य परीक्षण नि:शुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। विशेष रूप से वृद्धजनों के लिए 'वयोमित्र' ओपीडी की व्यवस्था की गई है। सरकार आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में भी प्रगति कर रही है, जिसमें रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत व अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना शामिल है। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए। आयुष मेले में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लगभग 200 लोगों ने पंजीकरण करवाया, जहां उन्हें नि:शुल्क परामर्श, दवाइयां और जांच सुविधाएं दी गईं। अवस्थी ने लोगों को अश्वगंधा, गिलोय व मोरिंगा जैसे औषधीय पौधे वितरित किए व जामुन का पौधा भी रोपित किया। उन्होंने विभिन्न स्थानीय संस्थाओं के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा करते हुए स्वयं सहायता समूह प्लानिया को 2 लाख, महिला मंडल भवन चइयां के लिए 1 लाख रुपए व बथालंग विद्यालय के बॉक्सिंग रिंग के लिए अतिरिक्त धनराशि देने की बात कही।

जनसमस्याएं सुनते विधायक संजय अवस्थी। अनंत ज्ञान

कालाअंब में हिम सेफ्टी ग्लास इंडस्ट्री का बॉयलर फटा, बड़ा हादसा टला

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर के औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में रविवार सुबह को औद्योगिक हिम सेफ्टी ग्लास इंडस्ट्री में तकनीकी खराबी के चलते बॉयलर फटने की घटना सामने आई। राहत की बात यह रही कि फैक्ट्री में मौजूद सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। हालांकि घटना में कुछ कर्मचारियों को मामूली खरोंचें आई हैं, जबकि जानकारी के अनुसार हादसे से फैक्टरी को करीब 3 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान भी जताया जा रहा है। उस समय फैक्ट्री में सुबह की शिफ्ट के दौरान नियमित रूप से शीशा निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी बीच अचानक तकनीकी खराबी के कारण फैक्ट्री का बॉयलर फट गया, जिससे यूनिट के भीतर तेज धमाके जैसी स्थिति बनी और उससे जुड़ा ऊपरी धातु आवरण (बायलर का ढक्कन) अलग होकर दूर सड़क पर जा गिरा। संबंधित विभागों और पुलिस को भी घटना की जानकारी दे दी गई। फैक्ट्री के सीएमडी उपेंद्र दहिया ने बताया कि घटना के दौरान मौजूद सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

सोलन माल रोड मारपीट केस में दो गुटों के छह आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन के माल रोड स्थित गर्ल्स स्कूल के पास दो गुटों के बीच हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना पुराने विवाद के चलते हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस थाना सदर, सोलन में शिकायत दर्ज करवाई थी।

शिकायतकर्ता साहिल वर्मा ने बताया कि 25 मार्च को चिल्ड्रन पार्क में उसके मित्र अक्षत और अब्बु के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसे फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई। 28 मार्च को अजय के कहने पर वह अपने दोस्तों के साथ गर्ल्स स्कूल के बाहर पहुंचा, जहां पहले से मौजूद दूसरे गुट ने उसे घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों के पास डंडे, खुखरी और तलवार जैसे हथियार थे और उन्होंने उसे जबरन खींचकर वी-2 क्षेत्र की ओर ले जाकर मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। इस मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अब तक दोनों गुटों से तीन-तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने बताया कि घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी और अन्य आरोपियों की संलिप्तता की जांच जारी है।

अवैध खनन करते 42 वाहन किए जब्त

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर पुलिस ने पिछले 48 घंटों में खनन माफिया पर बड़ा एक्शन लेते हुए अवैध खनन में लगे 42 वाहनों को कब्जे में लेकर उनके चालान काटे हैं। जिले के एसपी एनएस नेगी ने बताया बताया कि अभियान के दौरान कुल 42 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें से 39 वाहनों के खिलाफ खनन अधिनियम के तहत और 3 वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। नेगी ने बताया कि इन वाहनों के खिलाफ आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित अदालत में पेश किया गया है।

परवाणू में चिट्टा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

9 .28 ग्राम चिट्टा बरामद, दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सोलन। पुलिस टीम कामली पुल के पास नियमित गश्त और वाहन जांच कर रही थी, तभी टिपरा की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 9.28 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान अक्षय कुमार (21) निवासी मंडी के रूप में हुई। जांच के दौरान अचानक दो महिलाएं और एक पुरुष मौके पर पहुंचे और पुलिस कार्रवाई में बाधा डालते हुए आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए तीनों को भी मौके पर ही काबू कर लिया। उनकी पहचान अबुलेश (33), निशा (28) और फिज्जा (32) निवासी परवाणू के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सभी आरोपी नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े हैं। अबुलेश और निशा के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है और नेटवर्क के अन्य सदस्यों व सप्लाई चैन का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है।

बस में बैठे युवक से 5.48 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला सोलन की एसआईयू टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर मुकाम शमलेच के समीप एक हरियाणा रोडवेज की बस को चैक करने पर सीट नंबर 40 पर बैठे एक युवक से 5.48 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपी की पहचान अनिश कुमार पुत्र गुलाब सिंह निवासी गांव दलगांव डाकखाना कुटाडा, तहसील रोहडू जिला शिमला उम्र 34 वर्ष के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

खेतीबाड़ी

औषधीय एवं सुगंधित पौधों के संरक्षण और खेती पर नौणी विवि में मंथन

किसानों की आय और सतत् विकास पर जोर

अनंत ज्ञान

सोलन। डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी में राज्य वन विभाग के सहयोग से 'किसान सहभागिता के माध्यम से विलुप्तप्राय एवं संकटग्रस्त औषधीय एवं सुगंधित पौधों के रणनीतिक प्राथमिकता निर्धारण' विषय पर एक इंटरएक्टिव बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, वन अधिकारियों और प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर हिमाचल प्रदेश में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के संरक्षण, खेती और सतत उपयोग पर व्यापक मंथन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन बल प्रमुख एवं जाइका वानिकी परियोजना के मुख्य परियोजना निदेशक डॉ. संजय सूद ने प्रदेश में औषधीय पौधों की खेती की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियों पर ध्यान केंद्रित करने तथा हितधारकों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कार्यक्रम तैयार करने पर बल दिया। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए संरक्षण और जागरूकता में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने औषधीय पौधों को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने विभागों और किसानों के बीच समन्वय बढ़ाने, गहन खेती, अंतराफसलीकरण और प्राकृतिक खेती अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही गुणवत्ता मानकों और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने की भी वकालत की। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विभिन्न शोध कार्यों और परियोजनाओं की जानकारी साझा की। विश्वविद्यालय द्वारा 32 औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर किए जा रहे कार्यों और उनके मानकीकरण पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर किसानों को चिरायता और कलिहारी के पौधे वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। यह बैठक औषधीय पौधों की खेती और संरक्षण को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

कार्यक्रम में पहुंचे वैज्ञानिक और शोधार्थी। अनंत ज्ञान

यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के प्रिमोर्स्क उस्त-लूगा बंदरगाहों पर तेल लोडिंग ठप

हमले से रूस के निर्यात पर असर, वैश्विक तेल बाजार में भी नई अनिश्चितता पैदा हुई

एजेंसी, मास्को

यूक्रेन और रूस के बीच चार साल से जारी युद्ध अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। इस बीच यूक्रेन की ओर से बड़े पैमाने पर किए गए ड्रोन हमलों ने रूस के ऊर्जा ढांचे को बड़ा झटका दिया है। बाल्टिक सागर के प्रमुख तेल निर्यात बंदरगाह प्रिमोर्स्क और उस्त-लूगा पर भीषण आग लगने के बाद कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग रोक दी गई है।

इस हमले ने न केवल रूस के निर्यात पर असर डाला है, बल्कि वैश्विक तेल बाजार में भी नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के प्रमुख बाल्टिक सागर स्थित प्रिमोर्स्क और उस्त-लूगा बंदरगाहों पर कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग पर रोक लगा दी गई है। यह कदम यूक्रेन के भारी ड्रोन हमलों के बाद उठाया गया, जिनमें इन इलाकों में भीषण आग लग गई। सूत्रों के मुताबिक, उस्त-लूगा स्थित रूस की पाइपलाइन कंपनी ट्रांसनेफ्ट के तेल भंडारण टैंकों में आग लगी, जिससे काला धुआं दूर स्थित फिनलैंड तक दिखाई दिया। प्रिमोर्स्क बंदरगाह पर भी हाल के दिनों में हमले हुए हैं और वहां लगी आग पूरी तरह से बुझाई नहीं जा सकी है। हमले के बाद उस्त-लूगा क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया गया है और कई टैंकों में आग अभी भी जल रही है। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और फिलहाल तेल रिसाव की भी पुष्टि नहीं हुई है। इसी दौरान कुछ यूक्रेनी ड्रोन भटक कर पड़ोसी देशों लातविया और एस्टोनिया में जा गिरे। एस्टोनिया में एक ड्रोन पावर स्टेशन से टकराया, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ।

यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू ने दावा किया है कि हमले में तेल लोडिंग सुविधाओं और भंडारण टैंक पार्क को नुकसान पहुंचाया गया है। उसका कहना है कि ऐसे हमलों से रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा आय पर असर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ये हमले रूस के तेल निर्यात ढांचे पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक हैं। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली में ड्रग्स नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई 4.5 करोड़ की प्रतिबंधित नशीली दवाएं जब्त

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी में नशे के कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एक संगठित ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में करीब 4.5 करोड़ कीमत की साइकोट्रॉपिक दवाएं जब्त की हैं। मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि उत्तर पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में ड्रग्स की खेप आने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने जौहरीपुर रोड पर जाल बिछाया। यहां बाइक सवार एक युवक को एक नाबालिग के साथ दबोचा गया। आरोपित की पहचान नितिन पाठक (20) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.912 किलो अल्प्राजोलम की 11,900 गोलियां और 0.491 किलो ट्रामाडोल की 825 गोलियां बरामद हुईं। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने उप्र के भोपुरा स्थित एक मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर संचालक प्रेम सिंह यादव (30) को गिरफ्तार किया। वहां से 1.218 किलो ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए। गिरोह के सदस्य डॉक्टर की पर्ची पर मिलने वाली दवाओं को अवैध रूप से इकट्ठा कर उन्हें ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे। आरोपी नितिन पाठक पहले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव रह चुका है, जिससे उसे दवाओं की मांग और सप्लाई की अच्छी जानकारी थी। वहीं, अन्य आरोपी भी मेडिकल स्टोर और दवा सप्लाई के काम से जुड़े रहे हैं। इस पूरे ऑपरेशन में कुल 3.539 किलो अल्प्राजोलम (करीब 3.5 करोड़) और 1.709 किलो ट्रामाडोल (करीब 1 करोड़) जब्त किया गया है। (अनंत ज्ञान)

पुराने कृत्यों के लिए शाह के खिलाफ 'चार्जशीट' होनी चाहिए : ममता बनर्जी

एजेंसी, पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक 'चार्जशीट' (आरोपत्र) जारी किए जाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके 'पुराने कृत्यों' के लिए 'चार्जशीट' दाखिल होनी चाहिए। बनर्जी ने पुरुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि यदि

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आती है तो वह महिलाओं के लिए शुरू की गई 'लक्ष्मीर भंडार' योजना बंद कर देगी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो लोगों की खानपान संबंधी पसंद पर पाबंदियां लगा दी जाएंगी। बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा सकेंगे। वे 'लक्ष्मीर भंडार' योजना बंद कर देंगे। ममता ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव से पहले विशेष पुनरीक्षण योजना (एसआईआर) के जरिये 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

गिरिराज बोले- ममता चुनाव हार चुकी हैं, लोकप्रियता भी खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी लोकप्रियता अब घट चुकी है और वह यह चुनाव पहले ही हार चुकी हैं। 'ममता बनर्जी की लोकप्रियता घट गई है और वह यह चुनाव पहले ही हार चुकी हैं. पिछले 15 वर्षों में उन्होंने गरीबी, शिक्षा घोटालों या बेरोज़गारी जैसे मुद्दों का समाधान नहीं किया है.' उन्होंने आरोप लगाया कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद राज्य में बुनियादी समस्याओं पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 'ताशा में ममता बनर्जी गृहयुद्ध जैसा वातावरण बनाना चाहती हैं. वह यह नहीं कहेंगी कि वहां के कर्मचारियों का सातवां वेतन कब से लागू होगा। वह बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलेंगी।

मणिपुर में दो उग्रवादी संगठनों के दो कैडर किए गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चलाए जा रहे अभियानों के दौरान उग्रवादियों की गिरफ्तारी, हथियार एवं गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों की भी लगातार गिरफ्तारी जारी है। इसी कड़ी में दो उग्रवादियों की भी गिरफ्तारी हुई है, वहीं भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 28 मार्च को सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन यूपीपीके के एक सक्रिय कैडर खारीबाम बोयनाओ मैतेई उर्फ लमंगकपा (32) को उसके निवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित को इंफाल पूर्वी जिले के सगोलमांग थानांतर्गत ईशिंगथेम्बी मपाल लीकाई का रहने वाला बताया गया है। वहीं, एक अन्य बयान में इसी दिन सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के जबरन वसूली में शामिल एक सक्रिय कैडर थोकचोम खेलजीत मैतेई उर्फ केनी (48) को इंफाल पूर्वी जिले पोरोम्पैट थानांतर्गत हसा कांगजीबुंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल थानांतर्गत नाओरेमथोंग खुमानथेम लीकाई का निवासी बताया गया है। इसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस बीच शनिवार को सुरक्षाबलों और एनसीबी की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के नगाथल मैदान इलाके से एक डीआई टाटा और एक स्कॉर्पियो को रोका और तलाशी के दौरान मिले मादक पदार्थ के बाद ड्राइवरों को गिरफ्तार किया गया। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ 80 लाख लोगों का प्रदर्शन

◆ ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए।

आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

शिकागो में भी हजारों लोग सड़कों पर उतरे और 'ट्रंप हटाओ' जैसे नारे लगाए। वहां के मेयर ने भी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आंदोलन लगातार मजबूत हो रहा है। अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में प्रदर्शन के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी के दफ्तर के बाहर अमेरिकी झंडा जला दिया। अमेरिका में ज्यादातर जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन लॉस एंजिलिस में कुछ जगहों पर हालात बिगड़ गए। वहां कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ, जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिका में ज्यादातर जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन लॉस एंजिलिस में कुछ जगहों पर हालात बिगड़ गए। वहां कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ, जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। (अनंत ज्ञान)

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आपसी झड़प में तीन सैनिक घायल

एजेंसी, श्रीनगर। कुपवाड़ा जिले में शनिवार रात एक सैन्य शिविर के भीतर फायरिंग की घटना में तीन सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह घटना त्रेहगाम इलाके में स्थित एक सैन्य कैंप में हुई। जानकारी के मुताबिक, एक सैनिक ने कथित तौर पर अपने ही साथियों पर गोलियां चला दीं। घटना के बाद कैंप में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित जवान को काबू में कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस फायरिंग में तीन सैनिक घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सेना और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका के 2,500 मरीन सैनिक पहुंचे पश्चिम एशिया क्षेत्र में, सबसे बड़ी तैनाती

एजेंसी, दुबई

पश्चिम एशिया में एक माह से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका के लगभग 2,500 मरीन सैनिक इस क्षेत्र में पहुंच गए हैं और इसके साथ ही यहां पिछले दो दशकों में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य तैनाती हो गई है। इसके अलावा, 82वीं 'एयरबोर्न डिवीजन' के कम से कम 1,000 'पैराट्रूपर्स' को भी पश्चिम एशिया भेजने का आदेश दिया गया है, जो दुश्मन के इलाके में उतरकर अहम ठिकानों और हवाई पट्टियों को सुरक्षित करने में सक्षम हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका 'जमीनी बल उतारने के साथ ही अपने सभी उद्देश्यों को हासिल कर सकता है। इस बीच, रविवार को ईरान ने क्षेत्र में स्थित इसराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों को निशाना बनाने की धमकी दी। ऐसा पहली बार है जब ईरान ने शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की खुले तौर पर धमकी दी है। सरकारी मीडिया ने खबर में बताया कि अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने एक बयान में चेतावनी दी कि यदि ईरानी विश्वविद्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो क्षेत्र में मौजूद इजराइली विश्वविद्यालयों और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के परिसर को "सीधे तौर पर" निशाना बनाया जाएगा। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि यदि अमेरिका सरकार चाहती है कि क्षेत्र में उसके विश्वविद्यालय सुरक्षित रहें, तो वह सोमवार 30 मार्च दोपहर 12 बजे तक आधिकारिक बयान जारी कर (ईरानी) विश्वविद्यालयों पर हो रहे हमलों की निंदा करे। इसके साथ ही इसने अमेरिका से यह भी मांग की कि वह इजराइल को ईरानी विश्वविद्यालयों और शोध केंद्रों पर हमले करने से रोके, जिन पर हाल के दिनों में लगातार हमले हुए हैं। यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन गया है। (अनंत ज्ञान)

विदेशों में छिपे 20 अपराधियों के प्रत्यर्पण की तैयारी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। विदेशों में बैठकर हरियाणा में फिरौती मांगने तथा साइबर क्राइम का संचालन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई शुरू होने जा रही है। हरियाणा पुलिस ने विदेश में छिपे अपराधियों की सूची केंद्रीय एजेंसियों को भेजकर इंटरपोल की मदद मांगी है। इस संबंध में हरियाणा पुलिस की एक विशेष टीम लगातार केंद्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल कर रही है। हरियाणा में वर्ष 2024 के दौरान फिरौती मांगने के 178 तथा 2025 में 107 मामले सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मामले विदेशों में बैठे अपराधियों से लिंक मिले हैं। पनामा के जंगलों समेत कई देश ऐसे हैं जहां भारतीय कानूनों की मान्यता नहीं है और भारत के साथ संधि नहीं है। इसके बावजूद पुलिस द्वारा पिछले साल 17 अपराधियों को डिपोर्ट करवाया गया है और भारत में बैठकर फिरौती मांगने व साइबर क्राइम गिरोह चलाने वाले 793 अपराधियों को पकड़ा गया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के अनुसार, 115 अपराधियों को लुक आउट नोटिस जारी करवाए गए हैं। 20 अपराधी ऐसे हैं जो विदेश में बैठकर हरियाणा में अपनी अपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। 10 अपराधियों को विदेशी पुलिस के मदद से वहां पर डिटेन करवाया जा चुका है। इन अपराधियों को भारत लाने के लिए केंद्रीय एजेसियों की मदद से इंटरपोल व अन्य विदेशी एजेंसियों को पत्र लिखा गया है। डीजीपी ने बताया कि बहुत जल्द विदेशों से कई अपराधियों को भारत लाकर उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह प्रक्रिया में तेजी से चल रही है। जल्द ही सिरे चढ़ाया जाएगा।

ईएसआईसी ने मुक्तसर साहिब में नए ब्रांच ऑफिस के साथ पंजाब में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। भारत सरकार के श्रम व रोजगार मंत्रालय के तहत कार्यरत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने मुक्तसर साहिब में एक नए ब्रांच ऑफिस के उद्घाटन के साथ पंजाब में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है।

इस ऑफिस का उद्घाटन ईएसआईसी पंजाब के डिप्टी डायरेक्टर-सह-रिकवरी ऑफिसर डॉ. हेमंत गर्ग ने किया। इस मौके पर डॉ. गर्ग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यापक दृष्टिकोण के अनुसार, जिसका उद्देश्य सभी का विकास, श्रमिकों का कल्याण व 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत मजबूत संस्थागत इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना है ईएसआईसी एक बड़े, एकीकृत सामाजिक सुरक्षा व स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में बदल रहा है, जो 15 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करता है। डॉ. गर्ग ने भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों के लिए केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की; उन्होंने कहा कि उनके

मार्गदर्शन में, ईएसआईसी ने अपनी मौजूदगी और सदस्यों को सेवाएं प्रदान करने के पूरे इकोसिस्टम का काफी विस्तार किया है।

उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत, लक्ष्य एक सुधार-आधारित रोडमैप को लागू करना था, जो डिजिटल प्रशासन, पारदर्शिता और एडवांस्ड मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित हो; इसके साथ ही, नए श्रम नियमों (लेबर कोड) के तहत असंगठित व गिग श्रमिकों के लिए कवरेज का बड़े पैमाने पर विस्तार करना भी इसका उद्देश्य था। उन्होंने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के उस विज़न को दोहराया, जिसके तहत श्रम सुधारों का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और श्रमिकों के लिए बेहतर सुरक्षा व कल्याण सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुछ प्रमुख श्रमिक-केंद्रित उपाय जैसे 40 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए अनिवार्य वार्षिक स्वास्थ्य जांच, छोटे प्रतिष्ठानों के लिए स्वैच्छिक कवरेज और एक अधिक इनक्लूसिव व कुशल सामाजिक सुरक्षा सिस्टम के निर्माण के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल व रोग की जल्द पहचान पर बढ़ता जोर इस दिशा में महज्वपूर्ण कदम हैं। क्षेत्रीय प्रभाव के बारे में बात करते हुए, डॉ. गर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि नया शाखा कार्यालय इस क्षेत्र में बीमित व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा लाभों की 'लास्ट-माइल डिलीवरी' (अंतिम-छोर तक उपलब्धता) को मज़बूत करेगा, और इसके साथ ही ईएसआईसी की अपनी पहुंच का विस्तार करने की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करेगा।

पुलिस अधिकारी ने लोन चुका दिया, फिर भी बैंक ने असली दस्तावेज नहीं लौटाए

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। एक पुलिस अधिकारी के साथ बैंक के अधिकारियों ने ऐसा काम किया, जो नियम, कायदों के खिलाफ है। पुलिस अधिकारी ने बैंक से लोन ले रखा था। लोन चुकता कर दिया गया फिर भी उनके जमा किए गए असली दस्तावेज देने में बैंक आनाकानी कर रहा था। पुलिस अधिकारी की शिकायत पर रविवार को बैंक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में एसआई सुनील कुमार ने बताया कि वह संयुक्त पुलिस आयुक्त के रीडर हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने सेक्टर-14 स्थित आईसीआई बैंक से लोन लिया था। लोन पूरा चुकता हो गया, लेकिन बैंक ने उनके जमा किए गए असली दस्तावेज नहीं लौटा। सुनील कुमार का कहना है कि वे कई बार संयुक्त पुलिस आयुक्त के प्रतिनिधि के तौर पर बैंक में गए, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। सभी जरूरी औपचारिकता पूरी कर दी थी, फिर भी चक्कर कटवाए जा रहे थे। बैंक अधिकारियों ने इस मामले में पूरी लापरवाही बरती है। लोन फाइल बंद होने के बाद भी पुलिस अधिकारी के कागजात अवैध रूप से बैंक ने अपने कब्जे में रखे। उन्होंने बैंक कर्मी के खिलाफ परेशान करने का आरोप भी लगाया है।

'मन की बात' से जनसंपर्क हुआ मजबूत : बड़ौली

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत स्थित कार्यालय में रविवार को कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सुना।

इस अवसर पर मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद बड़ौली ने कहा कि यह प्रसारण देशवासियों के मन को जोड़ने वाला सशक्त सेतु बन चुका है और जनकल्याण के कार्यों के लिए व्यापक प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में देश के समग्र विकास, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं की भागीदारी और फिटनेस जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की दिशा में कर्म्य बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष पर प्रधानमंत्री की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक संकट के समय राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक संदेश देना आवश्यक है। अफवाहों से बचने और जागरूक रहने की अपील भी दोहराई गई। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में नायब सिंह सैनी सरकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जन्समर्थन बढ़ाने और योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाने का आह्वान किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बड़ौली ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पुरानी आदत झूठ और भ्रम फैलाना रही है।

उन्होंने राज्यसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति सभी के सामने है। बड़ौली ने राहुल गांधी पर भी भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि जनता वास्तविकता समझ चुकी है। प्रधानमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि देश में एलपीजी गैस सिलेंडर और पेट्रोल की कोई कमी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता जनसेवा और संपर्क के माध्यम से विकास की गति को और तेज करेंगे।

चंडीगढ़ तमिल संगम ने जरूरतमंद बच्चों में बांटे साइकिल्स, स्टेशनरी आइटम्स, शूज और बुक्स

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ तमिल संगम ने 29 मार्च को भारती भवन सेक्टर 30 B, चंडीगढ़ में अपने 11वें वार्षिक 'विद्या दानं' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया।

चंडीगढ़ तमिल संगम के जनरल सेक्रेटरी एसपी राजशेखरन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ट्राईसिटी के विभिन्न स्कूलों के 650 जरूरतमंद बच्चों को स्टेशबरी आइटम्स, बुक्स, शूज एंड बाईसाइकिल्स का वितरण किया गया। इस अवसर पर जे एम बालामुरुगन- आईएएस मुख्यातिथि थे। जनरल सेक्रेटरी एसपी राजशेखरन ने बताया कि चंडीगढ़ तमिल संगम एक प्रतिष्ठित संस्था है, जो पिछले 56 वर्षों से सामाजिक सेवा तथा अपनी संस्कृति व परंपराओं के संरक्षण व संवर्धन में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। चंडीगढ़ तमिल संगम विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा क्षेत्रीय सीमाओं से परे सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा 650 जरूरतमंद बच्चों को 'विद्या दानं' समारोह के तहत लाभान्वित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को 25 साइकल्स, 300 स्कूल बैग्स, 650 नोट बुक्स, 650 बुक्स तथा 650 स्टेशनरी आइटम्स व 200 शूज(जूते) वितरित किए गए। जिससे उन्हें आत्मविश्वास एवं प्रेरणा के साथ अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यातिथि जेएम बालामुरुगन ने कहा कि चंडीगढ़ तमिल संगम समाज के लिए एक नेक कार्य कर रहा है। उन्होंने 'विद्या दानं' पहल के माध्यम से वंचित बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करके राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके समर्पण को देखकर बहुत खुशी होती है।

शेल्बी में एडवांस्ड मिनिमली इनवेसिव तकनीकों पर वर्कशॉप में 31 ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। रविवार को शेल्बी अस्पताल में आयोजित एकदिवसीय एडवांस्ड मिनिमली इनवेसिव तकनीकों पर वर्कशॉप में क्षेत्र भर के 31 ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने भाग लिया। वर्कशॉप में अत्याधुनिक आर्थ्रोस्कोपिक व ज्वाइंट रिप्लेसमेंट तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया व हाई-वॉल्यूम वाले ऑर्थोपेडिक क्लीनिकों में रोगियों के बेहतर उपचार परिणामों के लिए प्रैक्टिकल स्किल्स पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला में शेल्बी के एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा लाइव प्रदर्शन, कैडेवरिक सिमुलेशन इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। मुख्य विषयों में एडवांस्ड घुटने व कंधे की आर्थोस्कोपी, रोबोटिक-सहायता प्राप्त ज्वाइंट रिप्लेसमेंट और मिनिमली इनवेसिव तकनीकों के माध्यम से औसत अस्पताल में रहने की अवधि कम करना शामिल था। चीफ ऑर्थोपेडिक सर्जन, डॉ. प्रदीप अग्रवाल ने कहा, यह प्रैक्टिकल स्किल्स प्रशिक्षण सैद्धांतिक व प्रैक्टिकल स्किल्स ज्ञान के बीच की खाई को पाटता है, जिससे सर्जनों को ऐसी तकनीकें अपनाने में मदद मिलती है, जो रोगियों के ठीक होने के समय को कम करती हैं व उनकी गतिशीलता में सुधार करती हैं। डायरेक्टर-ऑर्थोपेडिक्स व ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट डॉ. गुरदर्शन सिंह नट ने कहा कि पंजाब में ऑर्थोपेडिक चिकित्सा की बढ़ती मांग व जोड़ों से संबंधित मामलों में सालाना 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को देखते हुए, क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवा मानकों को बेहतर बनाने के लिए ऐसी पहल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

महिला सहित चार नशा तस्कर गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिला क्षेत्र से एक महिला सहित चार नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी गुरप्रीत, पवन कुमार, ओढां निवासी गुरप्रीत सिंह व पंजाब निवासी एक महिला के रूप में हुई है। सीआईए सिरसा पुलिस गांव रोड़ी की तरफ जा रही थी। नहर पुल रोड़ी के निकट एक बाइक सवार युवक आया जो कि पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे दबोच लिया व तलाशी ली तो उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने गांव धिगतानिया क्षेत्र से पवन कुमार को हेरोइन सहित दबोचा है। पुलिस टीम सिरसा से गांव धिंगतानियां की तरफ जा रही थी। गांव के निकट एक युवक खड़ा दिखाई दिया, जिसने पुलिस को देखकर खिसकने का प्रयास किया तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गांव ओढ़ा से गुरप्रीत सिंह व एक महिला को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है।

नेक्सस एलांते में सनम का शानदार कॉन्सर्ट, उमड़ी भीड़

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। ट्राइसिटी के सबसे प्रतिष्ठित शॉपिंग व लाइफस्टाइल गंतव्य नेक्सस एलांते ने मशहूर बैंड सनम का बहुप्रतीक्षित लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया, जिसने संगीत प्रेमियों को एक अविस्मरणीय शाम का अनुभव दिया। यह शाम ऊर्जा, पुरानी यादों और मनोरंजन से भरपूर रही।

कोर्टयार्ड उस समय जीवंत हो उठा, जब बड़ी संख्या में दर्शक बैंड के प्रदर्शन को देखने के लिए एकत्रित हुए। बैंड ने अपने लोकप्रिय गीतों 'क्या हुआ तेरा वादा', 'गुलाबी आंखें', 'लग जा गले' और 'मेरे महबूब कयामत होगी'—की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया गीतों के साथ गुनगुनाते हुए, यादगार पलों को कैद करते हुए और पूरे माहौल को जीवंत बनाया। सनम कॉन्सर्ट के सफल आयोजन के साथ, नेक्सस एलांते ने एक बार फिर ट्राइसिटी क्षेत्र में बड़े स्तर के, अनुभव-आधारित आयोजनों और लाइव मनोरंजन के लिए अपनी मजबूत पहचान को और सुदृढ़ किया है।

स्पोर्ट्स विंडो

प्रधानमंत्री ने रणजी ट्रॉफी जीतने पर की जम्मू-कश्मीर टीम की सराहना

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली जम्मू कश्मीर की क्रिकेट टीम की रविवार को तारीफ करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी वहां के खिलाड़ियों की जीत का सिलसिला जारी रहेगा। रेडियो पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के क्रिकेटप्रेमियों के लिये मार्च का महीना उत्साह और रोमांच से भरा रहा। उन्होंने कहा कि भारत ने जब टी20 विश्व कप जीता तो पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई और सभी देशवासियों को टीम की शानदार सफलता पर गर्व है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने के आखिर में कर्नाटक के हुबली में एक बहुत ही रोचक मैच में जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी जीती। मोदी ने कहा ,'सबसे खुशी की बात है कि करीब सात दशक के लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने अपना पहला रणजी खिताब हासिल किया । यह अभूतपूर्व सफलता खिलाड़ियों के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। जम्मू कश्मीर टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। अपने नेतृत्व से इस जीत में उन्होंने एक अहम योगदान दिया।' मोदी ने कहा कि आज देश में कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है, जिन्होंने रणजी सत्र में 60 विकेट लिए। (अनंत ज्ञान)

हैदराबाद की गेंदबाजी खराब रही हमने रन बनाने के मौके दिए: विटोरी

एजेंसी, बेंगलुरु। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपनी टीम की गेंदबाजी को खराब बातते हुए कहा कि गेंदबाजों ने आईपीएल के पहले मैच में विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिए। सनराइजर्स ने सत्र के पहले मैच में नौ विकेट पर 201 रन बनाए, लेकिन आरसीबी ने लक्ष्य 15.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। विटोरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'आपको गेंदबाजी से अच्छी शुरुआत की जरूरत थी जो फिल साल्ट का विकेट लेकर की भी, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। हमने अनुशासित गेंदबाजी नहीं की। विराट और पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिये जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा कि सनराइजर्स ने देखा कि आरसीबी के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कैसे गेंदबाजी की लेकिन उनके गेंदबाज रणनीति पर अमल नहीं कर पाए। उन्होंने कहा,' हमने आरसीबी की गेंदबाजी से काफी कुछ सीखा लेकिन उस पर अमल नहीं कर सके। आईपीएल में हर मैच काफी अहम होता है, खासकर शुरूआती मैच। ऐसे में कोताही नहीं बरती जा सकती।' (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश ने आईपीएल टेलीकास्ट पर लगाया प्रतिबंध हटाया

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टेलीकास्ट पर लगा बैन हटा दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वापन ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। स्वापन ने कहा- आईपीएल का प्रसारण करने के लिए किसी भी चैनल ने हमसे संपर्क नहीं किया। हम आईपीएल को व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे और अगर कोई चैनलआईपीएल का प्रसारण करने के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर पॉजिटिव रूप से विचार करेंगे। दरअसल, बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स ने टीम से बाहर कर दिया था। इसके बाद उस समय की यूनुस सरकार ने आईपीएल के टेलीकास्ट पर रोक लगाई थी। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत मे कहा था कि पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया गया था। अब नई सरकार है। वे इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। (अनंत ज्ञान)

मौमा दास का स्टाइल सबसे अलग

मौमा दास एक भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। इनका जन्म पश्चिम बंगाल में हुआ था। 2013 में इनको अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। इन्होंने 2004 के ओलंपिक खेलों में भी हिस्सा लिया था। इन्होंने दूसरी बार 2016 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लिया था।

सबालेंका ने जीता मियामी ओपन

कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर अपने नाम किया खिताब

एजेंसी, मियामी

मियामी ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी कोको गॉफ को शनिवार रात 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया और 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली दुनिया की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गईं। 'सनशाइन डबल' में इंडियन वेल्स ओपन और मियामी ओपन दोनों खिताब लगातार जीतना शामिल होता है।

मैच की बात करें तो सबालेंका ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त लेते हुए दबदबा बनाया और आसानी से सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां गॉफ ने एकमात्र ब्रेक हासिल कर 6-4 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया। तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरुआती गेम में ही ब्रेक किया और लगातार शानदार सर्विस गेम खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई। अंत में गॉफ की बैकहैंड गलती के साथ सबालेंका ने मैच अपने नाम कर लिया। पूरे मैच में सबालेंका ने अपने पहले सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और उन्हें सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि वह फाइनल तक बिना एक भी सेट गंवाए पहुंची थीं।

◆ **'सनशाइन डबल' जीतने वाली 5वीं महिला खिलाड़ी भी बनीं**

इस उपलब्धि के साथ सबालेंका ने इगा स्वियातेक और वी. विक्टोरिया अजारेंका, किम क्लाइस्टर्स और स्टेफी ग्राफ जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया। इसके अलावा, सबालेंका का इस साल का रिकॉर्ड अब 23-1 हो गया है। उनकी एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी, जिसका बदला उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल और मियामी सेमीफाइनल में चुका लिया। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल: केकेआर के कप्तान रहाणे ने 27 गेंद में लगाई फिफ्टी

एजेंसी, मुंबई

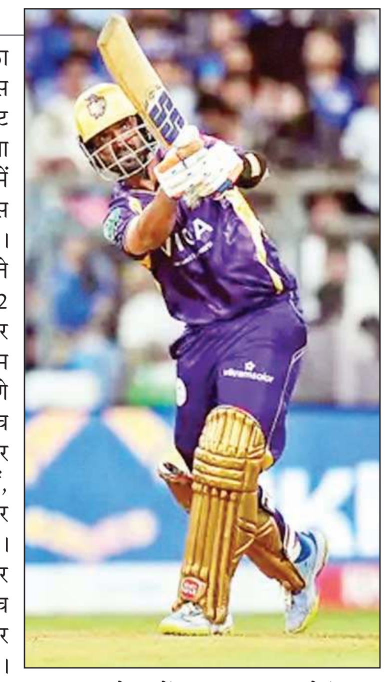

आईपीएल-2026 का दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 13 ओवर के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 144 रन बना लिए हैं। टीम से कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी पिच पर हैं। रहाणे ने 27 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। वहीं, शार्दूल ठाकुर ने 2 ओवर में 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने फिन एलन और कैमरन ग्रीन को कैच कराया। एलन ने 37 और ग्रीन ने 18 रन बनाए। उधर, भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम इम्पैक्ट प्लेयर में रखा गया, वह प्लेइंग-11 से बाहर हैं। (अनंत ज्ञान)

अश्विन अब यूएस में खेलेंगे क्रिकेट

एजेंसी, सैन फ्रांसिस्को

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका की टी-20 लीग में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीजन के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम से करार किया है। इसके साथ ही वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले पूर्व भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी बन गए हैं।

बता दें कि साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है।

◆ **एमएलसी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार**

इससे पहले अमेरिका खुद को क्रिकेट के डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। (अनंत ज्ञान)

पहली बार किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलेंगे

अपने लंबे और सफल करियर में अश्विन ने भारत के बाहर किसी भी टी-20 लीग में हिस्सा नहीं लिया है। यह पहला मौका होगा जब वे आईपीएल के अलावा किसी ग्लोबल फ्रेंचाइजी कॉम्पिटिशन में खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के साथ करार किया था, लेकिन घुटने की सर्जरी के कारण वे उस समय खेल नहीं पाए थे।

बोले- अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल

अमेरिका में खेलने को लेकर अश्विन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा,'हाल ही में मैंने डलास में एक एग्जीबिशन मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों के बीच क्रिकेट को लेकर जो दीवानगी देखी, उसने मुझे हैरान कर दिया। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल में रुचि दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं एमएलसी का हिस्सा बनना चाहता था।

आरसीबी की आईपीएल में सबसे तेज 200+ रन चेज

विराट कोहली ने एक वेन्यू में सबसे ज्यादा हाफ सेंचुरी बनाईं

एजेंसी, बेंगलुरु

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल का सबसे तेज रन चेज करके 19वें सीजन में जीत से शुरुआत की। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हरा दिया। आरसीबी ने 202 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल कर लिया। शनिवार को विराट कोहली ने नाबाद 69 रन की पारी खेली। वे एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले बैटर बन गए। वहीं, हैदराबाद के कप्तान ईशान ने 80 रन बनाए। उन्होंने 3000 आईपीएल रन भी पूरे किए।

आरसीबी ने ने आईपीएल इतिहास का सबसे तेज 200+ रन चेज पूरा किया। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 203 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल किया। दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) हैं। आरआर ने 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 212/2 का लक्ष्य 15.5 ओवर में हासिल किया था। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की है। वहीं दूसरी ओर, हैदराबाद ने अच्छा स्कोर बनाने के बावजूद गेंदबाजी की विफलता के कारण हार का सामना किया।

वहीं, विराट कोहली ने एक ही वेन्यू पर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उन्होंने 28 बार पचास रन बनाए हैं। उनके बाद इंग्लैंड के जेम्स विंस का नंबर आता है। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 हाफ सेंचुरी है। कोहली आईपीएल में रन चेज करते हुए 4000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए। (अनंत ज्ञान)

ब्रेक से तरोताजा होकर वापसी में मदद मिली : विराट कोहली

बेंगलुरु। आईपीएल के 2026 सत्र की शुरुआत नाबाद अर्धशतक से करने वाले महान बल्लेबाज विराट कोहली का मानना है कि नियमित अंतराल पर खेल से ब्रेक लेने से उन्हें थकान से बचने और मानसिक रूप से तरोताजा होकर वापसी करने में मदद मिली। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत में कोहली ने 38 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने मैच के बाद कहा,' वापिस यहां आकर अच्छा लग रहा है । आखिरी मैच मैने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे श्रृंखलाओं में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली।'

ईशान ने बतौर कप्तान डेब्यू में बनाए 80 रन

ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तानी डेब्यू पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर जैसे प्लेयर्स की लिस्ट शामिल हो गए।

पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं बॉक्सर मैरी कॉम

एजेंसी, नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने रविवार को कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं।

लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिये अब उनकी उम्र निकल चुकी है। उन्होंने 'संडे आन साइकिल्स' कार्यक्रम से इतर कहा ,'छह विश्व चैंपियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिए अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है।'

उन्होंने कहा,' अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं ताकि लोगों को बता सकूं कि मैं क्या कर सकती हूं।' उन्होंने कहा ,'' मैं निजी तौर पर अपनी अकादमी से भी जुड़ी हूं । मैं मणिपुर आती जाती रहती हूं । कई बार मणिपुर के मौजूदा हालात के कारण मुश्किल हो जाती है लेकिन मैं जब नहीं जा पाती हूं तो भी फोन कॉल से अकादमी का कामकाज देखती हूं ।'' (अनंत ज्ञान)

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में असम की पिंकी को रजत, एमपी की गुंजन को कांस्य पदक

वेटलिफ्टिंग में जोसांगजुआली ने जीता गोल्ड

एजेंसी रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के तहत महिला 86 प्लस किलोग्राम वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस स्पर्धा में मिजोरम की जोसांगजुआली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जोसांगजुआली ने स्नैच में 70 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 83 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 140 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने मिजोरम को गौरवान्वित किया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल परिसर में किया जा रहा है।

असम की पिंकी बोरो ने शानदार प्रयास करते हुए कुल 125 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने स्नैच में 55 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 70 किलोग्राम का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने भी दमदार खेल दिखाते हुए कुल 86 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 39 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 47 किलोग्राम वजन उठाया। प्रतियोगिता में त्रिपुरा की ट्विस्मु जमातिया चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने कुल 77 किलोग्राम वजन उठाया।

प्रतियोगिता की खास बात यह रही की सभी खिलाड़ियों ने युवा आयु में बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धात्मक रहा, जहां हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। आयोजन स्थल पर दर्शकों का उत्साह खिलाड़ियों के प्रदर्शन को और ऊर्जा दे रहा था। (अनंत ज्ञान)

अनाथ इसाक ने चोटों से उबरकर 'खेलो इंडिया ट्राइबल' गेम्स में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, रायपुर

मिजोरम के युवा वेटलिफ्टर इसाक मालसावमटलुआंगा 16 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे। इस दोहरी त्रासदी ने इस मिजो किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया।

18 वर्षीय इसाक ने कड़ा संघर्ष करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार को गर्व महसूस कराया। पीठ की तकलीफ से जूझते हुए भी इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया।

स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं। इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी।

माता-पिता के निधन के बाद चाचा-चाची बने सहारा

इसाक ने साई मीडिया से बातचीत में बताया,' उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और वेटलिफ्टिंग जारी रखने के लिए कहा। 'हालांकि, 2024 में हिमाचल प्रदेश में आयोजित यूथ नेशनल चैंपियनशिप में 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के बाद जब उनका प्रदर्शन बेहतर होने लगा, तभी एक और निजी झटका लगा। उनकी मां को कैंसर का पता चला, जिससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक दबाव बढ़ गया। इस कठिन समय में उनके चाचा और चाची ने उनका सहारा बना। आइजोल के रामह्लुन वेंगथर इलाके में एक छोटे से रेस्तरां में काम करने वाला यह दंपती इसाक को अपने साथ ले आया और उसकी पढ़ाई और वेटलिफ्टिंग दोनों को बिना रुकावट जारी रखने में मदद की, लेकिन उसी साल उनकी मां का निधन हो गया, जिसने इस युवा खिलाड़ी को पूरी तरह तोड़ दिया। कुछ समय के लिए वह खेल, जो कभी उसे उम्मीद देता था, उसके लिए बेमानी लगने लगा और अकेलापन व दुख उस पर हावी हो गया। उन्होंने कहा, 'अपने माता-पिता दोनों को खोना मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ गया था। मैंने लगभग तय कर लिया था कि वेटलिफ्टिंग छोड़ दूंगा, लेकिन मेरे चाचा और कोच ने एक बार फिर मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।'

परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें। 2024 से इसाक इम्फाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं और साथ ही आइजोल से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के जरिए कक्षा 12 की पढ़ाई भी कर रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

चैंपियन पुरुष और महिला दोनों वर्गों में किया शानदार प्रदर्शन, अपने नाम किया खिताब

स्टेट ओपन हॉकी में सिरमौर बना ओवरऑल चैंपियन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। हिमाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय ओपन हॉकी चैंपियनशिप में सिरमौर जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। सिरमौर की टीमों ने महिला और पुरुष दोनों वर्गों में जीत दर्ज कर अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले इंदिरा स्टेडियम के एस्ट्रोटर्फ मैदान में खेले गए।

समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने शिरकत की और विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर मदन पुरी सहित कई लोग भी उपस्थित रहे। महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में सिरमौर ने हमीरपुर को हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में सिरमौर की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। वहीं, ऊना की महिला टीम ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। सिरमौर और ऊना के बीच खेले गए इस मुकाबले में आखिरी क्षणों में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। निर्धारित समय के अंतिम एक मिनट में ऊना की टीम ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, लेकिन मैच के अंतिम सेकंडों में सिरमौर ने निर्णायक गोल दागकर 2-1 से जीत दर्ज कर ली। मुकाबले के दौरान ऊना को कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम उन्हें गोल में तब्दील करने में नाकाम रही। इसके विपरीत, सिरमौर की टीम ने सीमित अवसरों का बेहतरीन फायदा उठाया और शानदार तालमेल के दम पर जीत सुनिश्चित की।

स्टेट ओपन हॉकी चैंपियनशिप की विजेता और उपविजेता टीमें मुख्यातिथि के साथ । अनंत ज्ञान

पहले हाफ में ऊना की टीम का संतुलन और तालमेल कमजोर नजर आया, जिसका फायदा सिरमौर ने उठाते हुए शुरुआती फील्ड गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद मैच में रोमांच बना रहा, लेकिन अंततः सिरमौर की टीम ने दबाव में भी संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ सिरमौर ने न केवल पुरुष वर्ग बल्कि महिला वर्ग में भी अपना दबदबा कायम करते हुए पूरे टूर्नामेंट में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर दी।

एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप

भारत के मुक्केबाजों का फोकस मजबूत शुरुआत पर

एजेंसी, उलानबटोर (मंगोलिया)। भारतीय मुक्केबाज सोमवार से यहां शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र में हर मौके का पूरा फायदा उठाकर साल के आखिर में होने वाले बहु खेल टूर्नामेंटों के लिये सीधे कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए नये व्यस्त सत्र की शुरूआत होगी जिसमें जुलाई अगस्त में ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल, सितंबर-अक्तूबर में जापान में एशियाई खेल और उजबेकिस्तान में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स होने हैं। इस चैंपियनशिप के जरिये मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिये सीधे क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम पिछले 15 दिन से मंगोलिया में है और मंगोलिया, चीन, जोर्डन, थाईलैंड के मुक्केबाजों के साथ अभ्यास कर रही है। महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन (51 किलो) , मौजूदा विश्व चैम्पियन मीनाक्षी (48 किलो) और जैसमीन लंबोरिया (57 किलो) करेंगी। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने
समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश
एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
''अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र''

शिमला	सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ , मो. 70181-60595
धर्मशाला	राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन	मोहन चौहान, जिला प्रभारी , मो. 94181-57519
मंडी	अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर	विक्रम ढटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर	अरुण डोगरा, जिला प्रभारी , मो. 90159-09310
चंबा	राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता , मो. 78278-66759
ऊना	राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ , मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति	कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट	अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता , मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली	गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर , मो. 99153-26615

Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com